ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सरकारी कार्यों में मुसलमानों के लिए कोटा लागू करने का कोई प्रस्ताव नहीं: सीएम @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 13 नवंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-313

टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज की शोध रिपोर्ट से खुलासा

बांग्लादेशी और रोहिंग्या तेजी से बदल रहे मुंबई की आबादी

मुंबई, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

देश की प्रसिद्ध सामाजिक शोध एवं अध्ययन संस्था टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज की ताजा शोध रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के कारण मुंबई की आबादी का संतुलन तेजी से बदल रहा है। मुंबई में मुस्लिमों की आबादी 21 फीसदी से अधिक हो गई है, जबकि हिंदुओं की आबादी तेजी से घट रही है।

शोध रिपोर्ट बताती है कि बांग्लादेश और म्यामांर से आने वाले अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुस्लिमों की घुसपैठ मुंबई में बड़े पैमाने पर सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक बदलाव ला रही है। इसके कारण साल 2051 तक इस महानगर में हिंदू आबादी घटकर 54 प्रतिशत से भी कम हो जाएगी। मुंबई स्थित टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टिस) ने अपनी एक खोजपरक रिपोर्ट में यह बात कही है।

टिस ने मुंबई में अवैध आप्रवासी: सामाजिक-

मुंबई में मुस्लिमों की आबादी 21 फीसदी से अधिक हुई

आर्थिक और राजनीतिक परिणामों का विश्लेषण शीर्षक से 118 पृष्ठों की अपनी अंतरिम रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कुछ राजनीतिक संस्थाएं अपने वोट बैंक की राजनीति के लिए इन अवैध अप्रवासियों का इस्तेमाल कर रही हैं।

अवैध रूप से आने वाले आप्रवासी मुंबई में आसानी से वोटर कार्ड पा जा रहे हैं और मतदान कर रहे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि हाल के दशकों में मुंबई में भारी डेमोग्राफिक बदलाव हुए हैं। साल 1961 में मुंबई की हिंदू आबादी 88 प्रतिशत थी, जो घटकर साल 2011 में 66 प्रतिशत रह गई। वहीं, इस दौरान मुस्लिम आबादी 8 प्रतिशत से बढ़कर 21 प्रतिशत हो गई। एक अनुमान के मुताबिक, साल 2051 तक यहां हिंदुओं की संख्या 54 प्रतिशत रह जाएगी, जबकि मुस्लिम 30 प्रतिशत से अधिक हो जाएंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, एक जटिल नेटवर्क बांग्लादेशियों एवं रोहिंग्याओं की घुसपैठ में मदद करता है। अवैध आप्रवासियों की आमद वोट बैंक की राजनीति को बढ़ावा देती है। जाली दस्तावेजों के ज़रिए वोटर कार्ड बनवाकर चुनावों में घुसपैठियों की भागीदारी हो जाती है। रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि मुंबई के 12 विधानसभा क्षेत्रों में आप्रवासी आबादी बहुसंख्यक है, जो मतदान पैटर्न को प्रभावित करती है।

घुसपैठियों की बढ़ती संख्या के कारण देश में वोट बैंक की राजनीति और आश्रय राजनीति की शुरुआत होती है। इसके कारण देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के साथ-साथ देश की अखंडता को भी नुकसान पहुंचता है। घुसपैठियों की संख्या ने मूल निवासियों की संस्कृति एवं उनके अस्तित्व के लिए भी खतरा उत्पन्न कर दिया है। यह सामाजिक एवं आर्थिक के साथ-साथ राजनैतिक भी है। ▶10पर

चिमूर की रैली में विपक्षी गठबंधन पर बरसे पीएम मोदी

अघाड़ी यानी भ्रष्टाचार के सबसे बड़े खिलाड़ी

मुंबई, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले के चिमूर में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए विपक्ष के महा विकास अघाड़ी गठबंधन पर जमकर हमला बोला और कहा, अघाड़ी यानी भ्रष्टाचार के सबसे बड़े खिलाड़ी।

पीएम मोदी ने कहा, महाराष्ट्र में महायुति की सरकार और केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार का मतलब विकास की दोगुनी रफ्तार है।प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते ढाई वर्षों में आपने

भाजपा-महायुती आहे, तर गती आहे, महाराष्ट्राची प्रगति आहे

महाराष्ट्र ने बीते ढाई वर्ष में विकास की दोगुनी रफ्तार देखी है

विकास की दोगुनी रफ्तार देखी है। महाराष्ट्र अधिकतम विदेशी निवेश वाला राज्य है। यहां नए हवाई अड्डे और एक्सप्रेस-वे हैं, एक दर्जन वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं और 100 से अधिक रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प किया जा रहा है। महाराष्ट्र का तेज विकास अघाड़ी के बस की बात नहीं है। उन्होंने विकास को रोकने में पीएचडी की हुई है और कांग्रेस की तो इसमें डबल पीएचडी है। अघाड़ी यानी भ्रष्टाचार के सबसे बड़े खिलाड़ी। ▶10पर

बंटें नहीं... हमने यूपी में जेहादियों को ठीक कर दिया : योगी

अमरावती (महाराष्ट्र), 12 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अमरावती जिले के अचलपुर में चुनावी जनसभा में कहा, अगर हम बंटे तो गणपति पूजा पर हमला होगा, जमीनें लैंड जेहाद के तहत हड़प ली जाएंगी और बेटियों की सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि आज उत्तर प्रदेश में कोई लव जेहाद या ▶10पर

हम आए तो लुटेरों को ठीक कर देंगे : अमित शाह

रांची, 12 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने झारखंड में झामुमो नीत गठबंधन पर कथित भ्रष्टाचार और कोयला तस्करी का आरोप लगाया। साथ ही भ्रष्ट नेताओं को सबक सिखाने के लिए मतदाताओं से भाजपा के हाथ मजबूत करने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी ऐलान किया कि भाजपा राज्य में हर घुसपैठिए की पहचान करेगी और उन्हें यहां से बाहर निकालेगी। इसके अलावा, कांग्रेस को आरक्षण विरोधी पार्टी भी बताया। अमित शाह झारखंड के झरिया विधानसभा क्षेत्र में मंगलवार को जनसभा को संबोधित कर रहे थे। ▶10पर

बीफ के निर्यात में यूपी की अप्रत्याशित बढ़त संदेहास्पद

बीफ में कहीं गोमांस तो शामिल नहीं !

योगी को धोखे में रख कर अफसर चलवा रहे अवैध बूचड़खाने

हरकत में आई यूपी सरकार ने दिए उच्चस्तरीय जांच के आदेश

अकेले उत्तर प्रदेश से 82 विभिन्न देशों में हो रहा बीफ का निर्यात

लखनऊ, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

बीफ के निर्यात में उत्तर प्रदेश ने देश के कई राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। यह प्रसन्नता वाली बात नहीं है, बल्कि यह गंभीर चिंता का विषय है कि बीफ मांस का निर्यात अप्रत्याशित रूप से कैसे बढ़ गया। भैंसे के मांस की आड़ में कहीं उसमें गोवंशीय पशुओं का मांस तो नहीं मिलाया जा रहा है। प्रदेश सरकार इसकी गहराई से छानबीन करा रही है। प्राथमिक जांच में यह सामने आया है कि प्रदेश के स्लॉटर हाउसों को एनओसी देने में जमकर धांधली की गई। स्लॉटर हाउसों को अनुमति प्रदान करने में खेल किए गए और मुख्यमंत्री को धोखे में रखा गया।उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि यूपी में 185 बूचड़खाने हैं। जिनमें से सिर्फ 45 को लाइसेंस दिया गया है। जबकि 140 बूचड़खाने बिना अनुमति के चल रहे हैं। इससे अलग पूरे यूपी में 500 से ज्यादा बूचड़खाने अवैध रूप से चल रहे हैं। एग्रीकल्चरल एंड प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी का कहना है कि यूपी में 38 बूचड़खाने हैं। ▶10पर

साल-दर-साल बढ़ता गया बीफ का निर्यात

वित्त वर्ष	निर्यात	कुल वजन
2023-24	17682 करोड़	7,36,569 किलो
2022-23	14203 करोड़	6,49,675 किलो
2021-22	13461 करोड़	6,47,247 किलो
2018-19	12830 करोड़	6,22,640 किलो
2016-17	9806 करोड़	5,04,696 किलो

बंगाल-झारखंड के कई स्थानों पर ईडी की छापेमारी

हवाला के जरिए अंधाधुंध हो रही है मनी लॉन्ड्रिंग

रांची/कोलकाता, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को बांग्लादेशियों की घुसपैठ के जरिए बेतहाशा हो रही मनी लॉन्ड्रिंग के सिलसिले में झारखंड और पश्चिम बंगाल के 17 ठिकानों पर छापेमारी की। एजेंसी ने सितंबर में धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत झारखंड में कुछ बांग्लादेशी महिलाओं की घुसपैठ और तस्करी से एक मामले में केस दर्ज किया था। इस मामले में कालेधन की सप्लाई की बात सामने आई है।

प्रवर्तन निदेशालय ने बांग्लादेशी घुसपैठ से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के सिलसिले में मंगलवार को पश्चिम बंगाल और चुनावी राज्य झारखंड के दर्जनों स्थानों पर छापेमारी की। दोनों राज्यों के 15 स्थानों पर ईडी ने छापा मारा। एजेंसी ने सितंबर में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक मामला दर्ज किया था, जिसमें झारखंड में बांग्लादेशी महिलाओं की घुसपैठ की जांच के दौरान काले धन का खुलासा हुआ। ▶10पर

कांग्रेस शासित कर्नाटक में शिक्षा का हाल बदहाल

विचित्र किंतु सत्य: 6,158 स्कूलों में केवल एक शिक्षक!

बेंगलुरु, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

शिक्षा के मुद्दे पर अक्सर प्रोपेगेंडा फैलाकर केंद्र सरकार को घेरने वाली कांग्रेस के अपने ही शासित राज्य कर्नाटक के स्कूलों की हालत अत्यंत दयनीय है। कर्नाटक में 6,158 सरकारी स्कूलों में सिर्फ एक शिक्षक है। इतने ही शिक्षकों पर 1.38 लाख छात्रों को पढ़ाने की जिम्मेदारी है। जबकि, सैकड़ों की संख्या में ऐसे भी स्कूल हैं, जहां पर बच्चे ही नहीं हैं, लेकिन शिक्षक एक से अधिक हैं। इस तथ्य के सामने आने से कर्नाटक सरकार की शिक्षा प्रणाली और व्यवस्था का सबसे बड़ा दोष उजागर हो गया है।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की अगुवाई वाली सरकार में करीब 530 ऐसे सरकारी स्कूलों के बारे में पता चला है जहां एक भी छात्र ने अपना नामांकन नहीं करवाया। हैरानी की बात यह है कि एक भी छात्र नहीं होने के बावजूद यहां पर 358 शिक्षक बहाल हैं। हालांकि, जब से इस बात का खुलासा हुआ है तो अब अधिकारी ये सफाई देने की कोशिशों में लगे हुए हैं कि जिन स्कूलों में एक भी छात्र ने अपना नामांकन नहीं कराया था, वहां के शिक्षकों को जरूरत के लिहाज से दूसरे स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया गया है।

कहा ये भी जा रहा है कि 2023-24 में इस तरह के स्कूलों की संख्या 6,360 थी, जो कि 2024-25 में 202 घटकर अब 6,158 हो गई है। लेकिन, दूसरा भयावह सत्य ये भी है कि प्रदेश में 33,794 नामांकनों की भी कमी आई है। साधारण शब्दों में कहा जाय तो 33,794 छात्रों का सरकारी स्कूलों से मोहभंग हो गया है। कर्नाटक के स्कूलों के इस हालात को लेकर विशेषज्ञों का कहना है कि प्रदेश के सरकारी स्कूलों में केवल कन्नड़ और सामाजिक विज्ञान की पढ़ाई कराई जाती है। वहां गणित, अंग्रेजी और विज्ञान जैसे विषयों की पढ़ाई नहीं होती है। शिक्षक भी केवल एक ही विषय पढ़ाते हैं। यही वजह है कि मजबूरी के कारण बच्चों के माता-पिता को प्राइवेट स्कूलों का रुख करना पड़ता है। ▶10पर

उद्धव ठाकरे के हेलीकॉप्टर की तलाशी पर बवाल

सर्च-प्रोटोकॉल के तहत सबकी होती है तलाशी: आयोग

मुंबई, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के हेलीकॉप्टर की तलाशी लिए जाने का सियासी फायदा उठाने की पूरी कोशिश की जा रही है। शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट इस कार्रवाई से बेहद आक्रोशित है। जबकि चुनाव आयोग ने साफ किया है कि आयोग तलाशी का काम स्टैंडिंग फॉपरेटिंग प्रोसिड्योर (एसओपी) के मुताबिक कार्रवाई कर रहा है। किसी नेता विशेष के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जा रही है। सर्च-प्रोटोकोल के तहत सभी नेताओं के हेलीकॉप्टरों की तलाशी ली जाती है। चुनाव प्रचार के सिलसिले में हेलीकॉप्टर से लातूर गए उद्धव टाकरे के हेलीकॉप्टर के साथ-साथ उनके बैग की भी तलाशी ली गई। शिवसेना ने सोशल मीडिया पर इस कार्रवाई का वीडियो भी शेयर किया। इसमें उद्धव ठाकरे तलाशी लेने वाले कर्मचारियों को धमकी देते हुए सुने जा रहे हैं। उद्धव कह रहे हैं कि वे सत्ता में आए तो इन लोगों को देख लेंगे। शिवसेना यूबीटी का आरोप है कि यह प्रतिशोध की कार्रवाई है, ▶10पर

शेयर मार्केट

बीएसई : 78,675.1
-820.97 -1.03% ↓

एनएसई :23,883.45
-257.85 (-1.07%) ↓

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0
न्यूनतम : 22^0

लैंड-जेहाद का एनजीटी ने लिया स्वत: संज्ञान

जंगल की सौ एकड़ जमीन पर कब्जा कर बना दिया इसलामनगर

मलकानगिरी (ओड़ीशा), 12 नवंबर (एजेंसियां)।

ओड़ीशा के मालकानगिरी जिले में सौ एकड़ से अधिक वन भूमि पर भूमि-जेहाद के तहत अवैध कब्जा कर इसलामनगर बसाए जाने के मामले का राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने स्वतः संज्ञान लिया है। एनजीटी ने प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ), वन विभाग, और मालकानगिरी जिले के कलेक्टर को नोटिस जारी कर यह स्पष्ट करने के लिए कहा है कि कैसे विभिन्न सरकारी योजनाओं, जिनमें महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम

(मनरेगा) भी शामिल है, के फंड का उपयोग करके सड़कों, भवनों, तारबंदी और अन्य संरचनाओं का निर्माण किया गया।प्रतिवादियों को अगली सुनवाई से कम से कम एक सप्ताह पहले, कोलकाता के पूर्वी क्षेत्रीय पीठ के समक्ष शपथ पत्र के माध्यम से अपने उत्तर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

एनजीटी ने वन विभाग और मलकामगिरी के डीएम से मांगा जवाब

एनजीटी के नोटिफिकेशन के अनुसार, यदि कोई प्रतिवादी बिना अपने अधिवक्ता के माध्यम से सीधे उत्तर प्रस्तुत करता है, तो उसे आभासी रूप से प्राधिकरण की सहायता करने के लिए उपस्थित रहना होगा।

उल्लेखनीय है कि वन भूमि पर अवैध कब्जा कर बड़े तालाब खोदे गए, गोदाम बनाए गए, और ट्रांसफार्मर लगाए गए, जिससे राज्य संसाधनों का बड़े पैमाने पर उपयोग हुआ। यह विकास वन संरक्षण अधिनियम 1980 और पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 का उल्लंघन माना जा रहा है। ▶10पर

मशहूर दून स्कूल के अंदर बना दी अवैध मजार

देहरादून, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तराखंड में कट्टरपंथी मुस्लिमों का दुस्साहस बढ़ता ही जा रहा है। दो दिन पहले प्रेम नगर क्षेत्र में अवैध मजार बना दिए जाने के बाद अब प्रतिष्ठित दून स्कूल की बाउंड्री के भीतर मजार बनाने का मामला सामने आया है। खास बात ये कि धामी सरकार की इतनी सख्ती के बावजूद खादिम लोग नई नई मजारें बनाने का दुस्साहस कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने जब इसका विरोध किया तो प्रशासन ने इसे तोड़ा। दून स्कूल देश दुनिया में एक प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान माना जाता है, यहां के परिसर में अचानक मजार का बनाया जाना हैरत पैदा करता है। सवाल ये है कि यहां बच्चे पढ़ने आएंगे या फिर मजार पर सजदा करने आएंगे? सुप्रीम कोर्ट का निर्देश है कि कोई भी मजार या धार्मिक स्थल बिना डीएम की अनुमति के नहीं बनाया जा सकता। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मायुम बेंगलूरु स्टार्स ने मनाया दीपावली स्नेह मिलन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु स्टार्स ने अपना दीपावली स्नेह मिलन स्थानीय आर वी डेंटल कॉलेज ऑडिटोरियम में एक अनोखे ढंग से मनाया, जिसमें संस्कृति और वर्तमान स्थिति का मिला जुला संगम देखने को मिला।

सभागार में 500 से अधिक मायुम बेंगलूरु स्टार्स परिवार के सदस्य सपरिवार एवं विशिष्ट अतिथि उपास्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना और दीप प्रज्वलन के साथ हुई।

तत्पश्चात मंच सदस्य के बच्चों ने अनेकता में एकता और दीपावली त्यौहार पर आधारित सांस्कृतिक नृत्य की अनूठी प्रस्तुतियाँ दी, जिसमें 16 बच्चों ने भाग लिया। जिसे महिला समिति के सदस्यों ने मिलकर सजाया। बच्चों को विशेष उपहार प्रदान किये गए। शाखा अध्यक्ष राहुल गोयनका ने सभी अतिथिगणों, शाखा सदस्यों और उनके परिवार जनों को दीपावली की शुभकामनाएं दी।

उन्होंने इस मौके पर मुख्य प्रायोजक मोरिस गैराजेस का भी आभार व्यक्त किया। निस्पृह कर्मयोगी और समाज के भामाशाह मुरारी लाल सराओगी को आजीवन उपलब्धि के लिए लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस शुभ अवसर पर प्रभात किशन पुरिया, मुरली सर्राफ, सतीश मित्तल, रवि सिंघानिया, सतीश गोयल, प्रकाश मांदोत, विपिन टिबरेवाल, नीरज बंसल एवं अन्य विशिष्ट अतिथि गण उपस्थित रहे।

कन्नड़ा सीखे द्वित्य संस्करण पुस्तक विमोचन शिक्षक ज्ञान मूर्ति और शाखा सलाहकार मुरारी लाल सरावगी, बिपिन राम अग्रवाल और प्रभात किशनपुरिया ने किया। नौजवानों में बढ़ते अवसाद और चिंता को मद्देनजर मानसिक स्वास्थ्य पर आधारित जम्प वेंकट जम्प नामक नाटक कोलकाता से आये अमेचर एक्टर्स एसोसिएशन के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया गया।

व्यंग्यपूर्ण तरीके से रचा गया यह नाटक अंत में युवाओं को निराशावाद से रोकथाम और अवसाद से जुड़ी समस्याओं के लिए आपसी सहायता लेने और जरूरत पड़ने पर मानसिक चिकित्सकों की भी मदद लेने का संदेश दिया। सभी सदस्यों और अतिथियों ने स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लिया और सेल्फी बूथ पर तस्वीरें खिंचवाई। कार्यक्रम के बीच लकी ड्रॉ विजेताओं की घोषणा की गयी। अंत में श्री राम जी के 500 वर्ष के उपरांत अपने जन्म स्थान पर दीपावली मनाने के शुभ अवसर पर श्री राम स्तुति का मनमोहक पाठ हुआ।

कार्यक्रम आयोजकों गौरांग गुप्ता, आयुष अग्रवाला और दीपक गुप्ता ने अन्य कार्यकारिणी सदस्यों के साथ मिलकर स्नेह मिलन कार्यक्रम को बखूबी संभाला। अंत में सचिव पंकज जैन ने सभी को धन्यवाद दिया और अतिथियों का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन सुशील बंसल एवं अमित अग्रवाल ने किया।

6 दिवसीय मास्टर ऑफ आर्ट्स इन पब्लिक स्पिकिंग कार्यशाला आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो चैप्टर बेंगलूरु के अंतर्गत जीतो महिला विंग द्वारा राजाजीनगर स्थित जीतो कार्यालय में अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना के नेतृत्व में राष्ट्रीय प्रोजेक्ट स्किल डेवलपमेंट के अंतर्गत छः दिवसीय मास्टर ऑफ आर्ट्स इन पब्लिक स्पिकिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य प्रशिक्षक हितेश छाजेड़ ने कहा कि यह एक ऐसा कौशल है जिसे आसानी से खूब प्रैक्टिस करके सीखा जा सकता है। यदि आप अपने करियर में सफलता हासिल करना चाहते हैं तो आप जितनी जल्दी हो सके इस स्किल में महारत हासिल करने का प्रयास करें। जितने टॉप पर आप कॉरपोरेट जगत में कार्य करेंगे, उतना ज्यादा आपको अच्छे पब्लिक स्पीकिंग स्किल की आवश्यकता होगी। सह-प्रशिक्षक नमिता दूगड़ ने कहा कि इस कार्यशाला के द्वारा सहभागी सदस्य प्रभावी सार्वजनिक बोलने के कौशल करियर की उन्नति में मदद कर सकेंगे। अपनी रचनात्मकता, महत्वपूर्ण सोच कौशल, नेतृत्व क्षमता, शिष्टता और व्यावसायिकता को आगे बढ़ाने में यह गुण किसी भी व्यवसाय या कार्यक्षेत्र में बहुत मूल्यवान हैं। सह-प्रशिक्षक अनिल दूगड़ ने कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से जो आत्मविश्वास आएगा वह जादू का कार्य करेगा। इस हेतु पब्लिक स्पीकिंग आपको काम पर अलग दिखने में मदद करेगा। कैसे बोलना, कितना और किस प्रकार से बोलना तथा विचारों को बढ़ावा देने में इस कार्यशाला द्वारा उत्कृष्टता प्राप्त की जा सकती है। प्रशिक्षकों ने पीपीटी के जरिए प्रशिक्षण देते हुए किस प्रकार बोलना, कैसे खड़े रहना, शब्दों के चुनाव एवं कैसे प्रस्तुति देना आदि सीखाया। छः दिवसीय इस कार्यशाला का शुभारम्भ नवकार मंत्र से हुआ। अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने सभी का स्वागत किया। सभी प्रशिक्षक एवं पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया। उपाध्यक्ष सुमन सिंघवी ने मुख्य प्रशिक्षक हितेश छाजेड का, सहमंत्री सुमन रांका ने सह-प्रशिक्षक नमिता दूगड़ का, सह-संयोजिका सारिका जैन ने सह-प्रशिक्षक अनिल दूगड़ का परिचय दिया। उपाध्यक्ष सुमन वेदमुथा, कोषाध्यक्ष तनुजा मेहता, पूर्व अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी, मेंटर निशा सामर, मधु कटारिया, महिला विंग संयोजक नेमीचंद दलाल ने शुभकामनाएँ संप्रेषित की। कार्यसमिति सदस्य साधना धोका, अल्का लोढ़ा, पुष्पा जैन, स्वीटी नाहर, संगीता नागोरी, नन्दा बाफना उपस्थित थी। संचालन महामंत्री रक्षा छाजेड ने किया।

महिला मंडल द्वारा डोनेशन ड्राइव एवं संगोष्ठी का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री सिद्ध प्रभा जी के पावन सानिध्य में तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा सोमवार को एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें साध्वी श्रीजी ने बहनों को गोचरी के नियमों की जानकारी। साध्वी ने कहा हमें साधु साध्वी के साथ किस प्रकार के भाषा एवं शब्दों का प्रयोग करना चाहिए। साधु साध्वी यदि आपके क्षेत्र में विराजित हो तो दिन में कम से कम एक बार दर्शन करने का लक्ष्य रखें तथा रात्रि भोजन के त्याग का भी प्रयास करना चाहिए। भवन में साधु साध्वी के उपयोग में आने वाली वस्तुएं पुस्तक आदि के रखरखाव के प्रति जागरूक रहना चाहिए। इसके साथ ही साध्वी ने कहा कि हमारे

संघ के नियमों की भी हमें जानकारी होनी चाहिए। बहनों ने भी अपनी जिज्ञासा साध्वी जी के सामने प्रस्तुत की। जिनका समाधान साध्वी जी ने दिया। अध्यक्ष मंजू गादिया ने साध्वी श्रीजी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित किया। संगोष्ठी में मंडल के सभी पदाधिकारी एवं लगभग 40 बहनों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के पश्चात अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित डिक्लटर एंड डोनेशन ड्राइव (अनासक्त भावना का विकास)

के अंतर्गत महिलाएं दान के लिए महालक्ष्मी आश्रम, गीता आश्रम तथा मातृश्री आश्रम का दौरा किया। जहां सदस्यों ने बच्चों और बड़ों के लिए वस्त्र, खिलौने तथा दैनिक आवश्यकता के सामान वितरित किए। सभी आश्रमों के संचालकों ने मंडल के कार्य की सराहना करते हुए मंडल के प्रति आभार ज्ञापित किया।

सुनले कन्हैया अर्जी हमारी नामक भजन संध्या में सजा बाबा श्याम का दरबार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
स्थानीय संस्था श्री श्याम सखा परिवार द्वारा रविवार को लालबाग रोड स्थित गोडवाड़ जैन भवन में दोपहर 2 बजे से पंचम वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया।

सर्व प्रथम बाबा श्याम के दरबार में श्री श्याम सखा परिवार के विमल सुरोलिया, सुभाष राजपुरोहित, भंवर सिंह राजपुरोहित, नरेंद्र सिंह राजपुरोहित ने सह परिवार विधिवत पंडित विजय शुक्ला के सानिध्य में पूजन किया। तत्पश्चात अखंड ज्योत प्रज्वलित होने पर उपस्थित भक्तों ने जय श्री श्याम, श्याम प्यारे की जय के जयकारों से पूरे सभागार को श्याम के रंग में रंग दिया। जयपुर से पधारे भजन प्रवाहक प्रेम शर्मा ने श्याम बाबा, श्याम बाबा, तेरे

पास आया हूँ, चरणों में तेरे अरदास लाया हूं, की प्रस्तुति पर भक्तों ने झूम झूमकर आनन्द लिया। जयपुर के गिरिराज शर्मा एवं रायसिंहनगर के भजन प्रवाहक कन्हैया झा ने भी खाटूनरेश को बहुत ही सुंदर भजनों के माध्यम से रिझाया। सभी कलाकारों का संस्था द्वारा सम्मान किया गया। स्थानीय गायक रामसुंदर बगड़िया, पंडित मुरारी दाधीच, किशन बगड़िया, श्रेया इंदौरिया श्रुति पुरोहित ने भी मधुर भजनों की प्रस्तुति से समा बांधा। इस अवसर पर श्याम मंदिर के संस्थापक सदस्य रेवतमल झंवर, प्रभात किशनपुरिया, श्याम गौशाला के प्रधान सतीश गोयल, बेंगलूरु इलेक्ट्रॉनिक्स डीलर संघ के अध्यक्ष विशाल वरनदानी, गौड़ ब्राह्मण संघ के अध्यक्ष चुन्नीलाल नाथोलिया, स्वास्तिक सेवा संघ के सतीश मित्तल, जीण माता सेवा समिति अध्यक्ष राजू भूतड़ा, एफकेसीसीआई अधिकारी पहाड़ सिंह राजपुरोहित, श्याम सेवा संघ कीर्तन मंडल मुकेश जिंदल, श्याम सेवा संघ मुकेश बजाज, शाकम्बरी सेवा समिति के बालकिशन धानुका ने बाबा का आशीर्वाद लिया। गोडवाड़ जैन भवन के महासचिव कुमारपाल सिसोदिया ने कहा कि सनातन धर्म की रक्षा के लिए हर सनातनी को आगे आकर सनातन धर्म की रक्षा करने की जरूरत है। सभी समाज संस्थाओं से पधारे सदस्यों का भी संस्था द्वारा स्मृति चिन्ह एवं दुपट्टा पहनाकर आतिथ्य सत्कार किया गया।

जोधपुर एसोसिएशन का दीपावली स्नेह मिलन आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जोधपुर एसोसिएशन का दीपावली स्नेह मिलन रविवार को माइक्रो लैब्स फार्म हाउस में अध्यक्ष कैलाश भन्साली और मानद मंत्री राजेश भण्डारी के सानिध्य में आयोजित हुआ। नूतन अध्यक्ष कैलाश भन्साली ने स्वागत अभिनंदन किया और मंत्री राजेश भण्डारी ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी। ज्योति भन्साली, अंजू दुगड़ और प्रमिला मेहता द्वारा मंगलाचरण के पश्चात अध्यक्ष, मंत्री, संरक्षक धीरेन्द्र कुमार, पदमराज मेहता, लक्ष्मी चंद भण्डारी टाइसा, उपाध्यक्ष सज्जन राज मेहता, कोषाध्यक्ष रौनक गुलेच्छा, पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र सिंघी, अशोक व्यास, सहमंत्री नरेंद्र एस. भण्डारी और देवेन्द्र कोठारी ने दीप प्रज्ज्वलित कर स्नेह मिलन का उद्घाटन किया। उपाध्यक्ष सज्जन राज मेहता ने बताया कि विशिष्ट प्रतिभावानों तथा प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं केतन सिंघवी, सिद्धान्त धारीवाल, गार्गी शर्मा, पाखी भण्डारी का बहुमान और याशी धारीवाल का सम्मान विशिष्ट उपलब्धि के लिए सहमंत्री कमलराज, केवलराज भण्डारी के सहयोग से किया गया। सदस्य परिवारों के लिए आयोजित स्नेह मिलन के प्रायोजक उम्मेद, लव और कुश मेहता परिवार का सम्मान किया गया। दिवाली बम्पर लाटरी और सुरमई गीतों पर आधारित मनोरंजक कार्यक्रम भी विशेष आकर्षण का केंद्र रहें। गायक कुणाल कुशवाहा और सुरमई गीतों की बहार की संयोजिका कविता भण्डारी, दीपाली भण्डारी, प्रिया भन्साली और कृति भण्डारी के कुशल संयोजन ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। सज्जन राज मेहता ने कार्यक्रम का संचालन किया और मानद मंत्री राजेश भण्डारी ने आभार व्यक्त किया।

जीतो कमेटी सदस्यों ने गुरुभगवंतों के किए दर्शन वंदन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो कमेटी सदस्यों ने श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर में विराजित आचार्यश्री विज्ञानप्रभसूरीश्वरजी एवं श्री निर्मोदप्रभविजय जी के दर्शन वंदन का लाभ लिया। जीतो के चेयरमैन विमल कटारिया ने जीतो के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया की हम जैन समाज के उत्थान के लिए हर क्षेत्र में सक्रिय है। हमारी संस्था आर्थिक सुदृढ़ता को विशेष महत्व देती है और समाज में शिक्षा के क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए हर संभव सहयोग के लिए तत्पर है। श्रमण आरोग्यम के संयोजक जैन दिनेश खिवेंसरा ने गुरुभगवंतों को स्वास्थ्य कार्ड बनाने की विनती की। आचार्यश्री विज्ञानप्रभसूरीश्वरजी ने जैन समाज की प्रगति पर संवाद में जीतो टीम को आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके सेवा कार्यों की सराहना की और उन्हें इसी तरह समाज और आध्यात्मिक विकास के लिए कार्यरत रहने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर ट्रस्ट से अध्यक्ष गौतम सोलंकी, मंत्री कांतिलाल वोरा, पूर्व अध्यक्ष तेजराज नागोरी, कर्मठ कार्यकर्ता रमेश आदि लोग उपस्थित थे। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ से मंत्री अशोक भंडारी, कार्यकारिणी सदस्य रमेश दक, प्रीतेश जैन, सतीश पोरवाड़, राकेश पोखरणा, नीतेश गांधी और जीतो सदस्य दिनेश लोढ़ा भी मौजूद थे।

जैन-दर्शन में ब्रह्मचर्य को सर्वोत्तम तप कहा गया है: डॉ. वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ. वरुणमुनि ने कहा कि ब्रह्मचर्य की महिमा का गुणगान भारतीय संस्कृति, विशेषतः जैन धर्म की विशेषता रही है। ब्रह्म यानि आत्मा और चर्य यानि रमण करना। आत्मा के अंदर रमण करना ही ब्रह्मचर्य हुआ करता है। साधना के मार्ग पर जो चलता है वह मोक्ष रूपी मंजिल को प्राप्त कर लेता है। आध्यात्म-मार्ग में ब्रह्मचर्य को सर्वश्रेष्ठ माना गया है, यही मार्ग मोक्ष-मार्ग है। इंद्रिय विषयों में राग छोड़कर, अपने आत्म-स्वरूप में लीन रहना ब्रह्मचर्य है। इस व्रत को अणुव्रत और महाव्रत दोनों ही रूप में ग्रहण किया जाता है। ब्रह्मचर्य का पूर्ण अर्थ बताते हुए कहा कि आत्मा में रमण करना और उसको आचरणीय बनाना ही ब्रह्मचर्य की उत्कृष्ट साधना करना है। कुछ ग्रंथों का मानना है की संयम ही ब्रह्मचर्य है। लेकिन महावीर प्रभु का दर्शन कहता है की मन, वचन, कर्म से साधना करना ही असली ब्रह्मचर्य है। यदि संयमी साधक ऊपर से शील की साधना कर रहा है

लेकिन अन्दर से मन भटका रहता है तो वो सच्चा साधक नहीं हो सकता। काम को जीतना कठिन है। इसीलिये जैन-दर्शन में ब्रह्मचर्य को सर्वोत्तम तप कहा गया है। एक ब्रह्मचर्य नष्ट होने से सभी गुण नष्ट हो जाते हैं और एक ब्रह्मचर्य के सध जाने से सभी गुण अपने आप सध जाते हैं। ब्रह्मचर्य आत्मा का स्वभाव है। काम, विकार है। जीवन को विकृत करने वाली शक्ति है। आत्मा को भवसागर में फंसाने वाला तूफान है। ब्रह्मचर्य के बल पर इसका सामना किया जा सकता है। इस से मुक्त रहा जा सकता है। इसे जीता जा सकता है। शारीरिकता के अंधकार से आत्मिक-निर्मलता के प्रकाश की ओर अग्रसर करने वाला विज्ञान है। पतन को पावनता बना देने वाली प्रेरक शक्ति है। ब्रह्मचर्य आत्मा की आंतरिक शक्ति है, अनुशासित आचरण है। ब्रह्मचर्य तप कठिन तप है लेकिन इसकी अपार महिमा प्रभु ने बतलाई है। जो ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करते हैं, वे ही पुरूष सच्चे सुख - मोक्ष सुख को प्राप्त करते हैं। इस तप से हमारी साधना बढ़ती है। ब्रह्मचर्य व्रत में अगर हम साधना करते है तो वह साधना अवश्य सफल होती है। संघ के मंत्री नेमीचंद दलाल ने बताया कि बुधवार को गुरु जैन दिवाकर चौथमल एवं कर्नाटक गज केसरी गुरु गणेशीलाल महाराज की जन्म जयंती तप, त्याग, सामायिक एवं गुणगान द्वारा मनाई जाएगी।

गुरु गणेश सेवा समिति ने रणजीतमल कानूंगा का किया अभिनंदन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक बेंगलूरु द्वारा आगामी 17 नवंबर को महावीर धर्मशाला में निर्धारित कर्नाटक गज केसरी गणेशलालजी के 145वें भव्य जन्मोत्सव समारोह के संपूर्ण लाभार्थी रणजीतमल, जितेन्द्रकुमार, आगमकुमार कानूंगा का समिति

के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल, अध्यक्ष किरणचंद बोहरा, उपाध्यक्ष अशोक कुमार कोठारी, मंत्री उगमराज चोपड़ा, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल बाफना, मार्गदर्शक प्रकाशचंद ओस्तवाल, अशोक नागोरी, प्रकाशचंद बाफना, अनिल कोठारी, सुरेशचंद कातरेला, विनोद चोरड़िया, आशीष बाफना आदि पदाधिकारियों ने अभिनंदन किया। साथ ही आमंत्रण पत्रिका भेंट कर उनसे जुड़ी विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को आने के लिए आमंत्रित किया। रणजीतमल कानूंगा ने समारोह में बेंगलूरु में विराजमान सभी स्थानकवासी साधु साध्वी भगवंतों का सानिध्य प्राप्त करने हेतु आयोजन की विशाल स्तर पर तैयारियों पर प्रसन्नता प्रकट करते हुए समिति का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बेंगलूरु मित्र मंडल के पदाधिकारी शांतिलाल भंडारी और सुनीलकुमार लोढ़ा आदि उपस्थित थे।

सरकारी कार्यों में मुसलमानों के लिए कोटा लागू करने का कोई प्रस्ताव नहीं: सीएम

443.64 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सरकारी कार्यों में मुसलमानों के लिए आरक्षण लागू करने के सरकार के प्रस्ताव की भाजपा द्वारा की गई आलोचना को झूठ करार दिया है और स्पष्ट किया है कि सरकार के समक्ष सरकारी कार्यों में अल्पसंख्यकों के लिए कोटा प्रणाली लागू करने का ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। उन्होंने कहा विपक्षी भाजपा लगातार झूठ फैलाकर लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि अल्पसंख्यकों को लाभ पहुंचाने के लिए सरकारी कार्यों में कोटा प्रणाली लागू करने की मांग की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार के समक्ष ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। सिद्धरामैया ने बाद में मैसूरु जिले के एचडी कोटे विधानसभा क्षेत्र में 443.64 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने महर्षि वाल्मीकि जयंती कार्यक्रम का भी उद्घाटन किया और ऋषि की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। हिरेहल्ला महर्षि वाल्मीकि महापीठ के स्वामीजी प्रसन्नंदपुरी और विधायक अनिल चिक्कमडु सहित वाल्मीकि समुदाय के नेता उपस्थित थे। कर्नाटक सरकार द्वारा अनुबंधों के आवंटन में मुसलमानों को आरक्षण देने के कथित प्रस्ताव की खबरों ने बुधवार को तीन विधानसभा क्षेत्रों के लिए होने वाले महत्वपूर्ण उपचुनावों से पहले विवाद खड़ा कर दिया है। हालांकि, मुख्यमंत्री कार्यालय ने इस खबर का खंडन किया है।

सीएमओ ने मीडिया रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया व्यक्त की, जिसमें दावा किया गया था कि राज्य सरकार नौकरियों में मुस्लिम आरक्षण के प्रस्ताव पर विचार कर रही है और रिपोर्टों को एक और नया झूठ करार दिया। बयान में स्पष्ट किया गया कि आरक्षण की मांग तो की गई है, लेकिन इस संबंध में सरकार के समक्ष कोई प्रस्ताव नहीं है। यह स्पष्टीकरण कर्नाटक में मुसलमानों के लिए आरक्षण के मुद्दे पर चल रहे विवाद के बीच आया है। सीएमओ की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि कुछ मीडिया में एक रिपोर्ट प्रकाशित हुई है कि नौकरियों में मुसलमानों को आरक्षण देने का प्रस्ताव सरकार के समक्ष है। यह सच है कि आरक्षण की मांग की गई है। हालांकि, यह स्पष्ट किया गया है कि इस संबंध में सरकार के समक्ष कोई प्रस्ताव नहीं है।

इस बीच, शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुस्लिम आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस की आलोचना की। झारखंड के पलामू में एक रैली में बोलते हुए शाह ने दावा किया कि कांग्रेस पार्टी मुसलमानों को आरक्षण देने के लिए ओबीसी, दलितों और आदिवासियों के लिए आरक्षण की सीमा को कम करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कांग्रेस आरक्षण की बात करती है, लेकिन हमारे संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण देने का ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। कांग्रेस ओबीसी, दलितों और आदिवासियों के लिए आरक्षण की सीमा घटाकर मुसलमानों को 10 प्रतिशत आरक्षण देना चाहती है। शाह ने कहा मैं राहुल गांधी को चेतावनी देना चाहूंगा कि जब तक इस देश में भाजपा मौजूद है, अल्पसंख्यकों को आरक्षण नहीं मिलेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ओबीसी, दलितों और आदिवासियों के लिए आरक्षण डॉ. बीआर अंबेडकर द्वारा दिया गया था, और आप इसका अनादर नहीं कर सकते। उन्होंने कांग्रेस को ओबीसी विरोधी पार्टी भी कहा, उन पर अतीत में ओबीसी समुदाय के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया।

आग में घी डालने का काम करते हुए राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी) ने अप्रैल की शुरुआत में कर्नाटक सरकार के पूरे मुस्लिम समुदाय को ओबीसी के रूप में वर्गीकृत करने के फैसले पर चिंता जताई थी। एनसीबीसी के अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहीर के अनुसार, आरक्षण के लिए ओबीसी श्रेणी में 36 मुस्लिम जातियां शामिल हैं, वहीं विभिन्न श्रेणियों के तहत मुसलमानों को अतिरिक्त 4 प्रतिशत आरक्षण भी दिया गया है। अहीर ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि कर्नाटक में 12.92 प्रतिशत आबादी वाले अल्पसंख्यक मुसलमान ओबीसी आरक्षण प्रणाली के तहत व्यापक लाभ प्राप्त कर रहे हैं। अहीर ने यह भी बताया कि राज्य सरकार का आधिकारिक रुख यह है कि मुसलमान न तो जाति हैं और न ही धर्म। उन्होंने यह भी जोर देकर कहा कि स्पष्टीकरण के अनुरोधों के बावजूद, कर्नाटक सरकार ने संतोषजनक जवाब नहीं दिया है।

छोटे लोगों का प्रधानमंत्री से बात करना कैसे ठीक है?

भ्रष्टाचार के अड्डे पर बैठे हैं सीएम सिद्धरामैया: चलवाडी नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार 38 विभागों में भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। यह सब हमारे नेता एक-एक करके उजागर कर रहे हैं। मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार के अड्डे पर बैठे हैं। मल्लेश्वरम में भाजपा के राज्य कार्यालय, जगन्नाथ भवन में एक मीडिया सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार साबित हो गया है, क्योंकि मुख्यमंत्री के परिवार ने मुडा की 14 एकड़ जमीन वापस कर दी है और प्रियांक खड़गे ने 5 एकड़ जमीन वापस कर दी है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि इसकी जांच जो भी हो, वह आपकी कवायद है। सिद्धरामैया, जब आप बोलते हैं तो किस स्तर तक जाते हैं? प्रधानमंत्री की योग्यता, अपनी योग्यता को समझना चाहिए। अगर आप उम्र, अधिकार में उनके स्तर के हैं तो उनसे सवाल करना उचित है। यह कितना सही है कि छोटे लोग प्रधानमंत्री से धीमी भाषा में बात करते हैं? हाल ही में वाइन मर्चेंट्स एसोसिएशन ने एक आरोप लगाया है। उन्होंने खुद कहा कि आबकारी मंत्री ने करीब 500 करोड़ की वसूली की है। बाद में रंगदारी का मामला संज्ञान में आया और हमने बताया कि 700 करोड़ की लूट हुई है। ऐसा चुनाव के कारण हुआ। उन्होंने बताया कि हमारे प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र के चुनाव प्रचार के दौरान इस मुद्दे का जिक्र किया था। उन्होंने ऐलान किया है कि शराब कारोबारियों की परेशानी को ध्यान में रखते हुए वे 25 तारीख को पूरे राज्य में दुकानें बंद कर संघर्ष करेंगे। आबकारी विभाग में नया लाइसेंस प्राप्त करने के लिए 70-80 लाख का खर्च लिया जा रहा है। यह एक ज्ञात तथ्य है। इसके बाद भी कोई शिकायत नहीं आने पर विभाग अनिवार्य रूप से एक बार और रेस्तरां या शराब की दुकान के मालिक के खिलाफ 2 मामले दर्ज करेगा। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने आबकारी विभाग घोटाले से इनकार करते हुए कहा कि अगर आप भ्रष्टाचार साबित कर दें तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा। क्या ठेकेदार संघ ने भाजपा सरकार पर 40 प्रतिशत वसूलने का आरोप नहीं लगाया? क्या उन्होंने इसे साबित किया? क्या आपने इसे चुनावी मुद्दा नहीं बनाया? उन्होंने सवाल पूछा कि क्या आप अब तक इसे साबित कर पाए हैं। क्या कारण है कि मुख्यमंत्री, जो यह बताते और मानते हैं कि कॉन्ट्रेक्टर्स एसोसिएशन ने सच कहा है, वाइन मर्चेंट एसोसिएशन के आरोपों से इनकार करते हैं? उन्होंने सिद्धरामैया पर भ्रष्टाचार के जनक होने का भी आरोप लगाया। सीएम ने जो किया उसे छुपाने की परंपरा अपना ली है। भ्रष्टाचार तो आबकारी विभाग-मंत्री का काम है। उन्होंने शिकायत की कि डीसी और एसी के ट्रांसफर के लिए भी पैसा तय है। उन्होंने आलोचना की कि जहां शराब नियंत्रण बोर्ड ने गांधी के शराब न पीने के सिद्धांतों को सामने रखा, वहीं सरकार अधिक बिक्री और राजस्व संग्रह के मामले में उत्पाद शुल्क विभाग के लिए अपने लक्ष्य निर्धारित कर रही है। यहां गरीबों को निशाना बनाया जाता है। गारंटी लागू करने की बात कहकर शराब के दाम बढ़ा देते हैं। क्या शराब विक्रेता संघ के आरोपों पर सीएम ने एक्शन लिया? इन 3 उपचुनावों में पैसे की धारा बही है। कांग्रेस पैसा के माध्यम से जीतना चाहते हैं। चलवाडी नारायणस्वामी ने आपत्ति जताई कि लोग देख रहे हैं कि आपकी जुबान कितनी खराब है।

हाई वोल्टेज निर्वाचन क्षेत्र चन्नपट्टना में 119 महत्वपूर्ण मतदान केंद्र

सुरक्षा के लिए 8 अर्धसैनिक बल तैनात

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चन्नपट्टना विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में 119 महत्वपूर्ण मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिसे लेकर काफी दिलचस्पी है और इसे हाई वोल्टेज निर्वाचन क्षेत्र माना जा रहा है। सुरक्षा के लिए अर्धसैनिक बलों की 8 टीमें पहले ही तैनात की जा चुकी हैं। चन्नपट्टना निर्वाचन क्षेत्र में 197 मतदान केंद्रों की सुरक्षा के लिए 7 अर्धसैनिक बलों को तैनात किया गया है। जिला पुलिस अधीक्षक कार्तिक रेड्डी ने बताया कि 119 क्रिटिकल मतदान केंद्रों पर एक पुलिसकर्मी और एक होम गार्ड को तैनात किया गया है। सुरक्षा के लिए सामान्य मतदान केंद्रों के लिए पुलिस कर्मियों और 54 क्लस्टर मतदान केंद्रों के लिए एएसआई रैंक के अधिकारियों को तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि 14 नवंबर शाम 6 बजे तक कर्फ्यू लागू किया गया है। जिला कलेक्टर ने गुरुवार को शाम 6 बजे तक सभी शराब की दुकानें बंद करने और पूरे चन्नपट्टना विधानसभा क्षेत्र में शराब की बिक्री, वितरण और परिवहन पर रोक लगाने का आदेश जारी किया है। चुनाव कार्य में पीआरओ, एपीआरओ व पीओएस समेत 1252 मतदान कर्मी तथा 119 माइक्रो ऑब्जर्वर तैनात किये गये हैं। शांतिपूर्ण मतदान के लिए कुल 1,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। बुधवार को मतदान केंद्र में रामनगर जिले के एक एसपी, दो एडिशनल एसपी, इंस्पेक्टर और सब-इंस्पेक्टर ड्यूटी पर रहेंगे।

सिद्धरामैया की स्थिति हो गई है कमजोर

कांग्रेस सरकार का कार्यकाल होने वाला है समाप्त : आर अशोक

चित्रदुर्ग/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने मंगलवार को कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की स्थिति कमजोर हो गई है और उनके नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार का कार्यकाल समाप्त होने वाला है। भाजपा नेता ने कहा कि सिद्धरामैया द्वारा बार-बार यह कहना कि वे मुख्यमंत्री बने रहेंगे, यह दर्शाता है कि उनकी स्थिति अब मजबूत नहीं है, जिससे पिछले साल मई में सत्ता संभालने वाली सरकार की स्थिरता पर सवाल उठ रहे हैं। डी के शिवकुमार (उपमुख्यमंत्री) चन्नपट्टना उपचुनाव प्रचार के दौरान दावा कर रहे हैं कि वे मुख्यमंत्री बनेंगे। क्या गारंटी है कि कांग्रेस पार्टी वहां (सत्ता में) रहेगी। पिछली बार भी जेडीएस-कांग्रेस गठबंधन सरकार के दौरान उन्होंने (कांग्रेस ने) दावा किया था कि कोई भी उन्हें पांच साल तक हिला नहीं सकता, लेकिन 14 विधायकों ने कांग्रेस छोड़ दी, जिसके परिणामस्वरूप सरकार गिर गई। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस विधायकों को खुद पिछले 17 महीनों में विकास के लिए एक पैसा भी नहीं मिला है। वे सोचने लगे हैं कि अगर वे सिद्धरामैया के साथ हैं, तो उन्हें मूंगफली भी नहीं मिलेगी। हाल ही में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने भी दावा किया था कि मुडा साइट आवंटन मामले में जांच का सामना कर रहे मुख्यमंत्री जल्द ही इस्तीफा दे देंगे। उन्होंने कहा कि शिवकुमार और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे दोनों को ही पता है कि सिद्धरामैया कब इस्तीफा देंगे। अशोक ने कहा कि किसी भी सरकार की स्थिरता के बारे में अटकलें उसके कार्यकाल के अंतिम चरण में सामान्य रूप से उठनी चाहिए। लेकिन, यह सरकार अभी-अभी आई है और पहले से ही हर दिन मुख्यमंत्री की सीट के लिए दावेदार सामने आ रहे हैं, भ्रष्टाचार के आरोप लग रहे हैं, ऐसी भविष्यवाणियां हो रही हैं कि सरकार गिर जाएगी। इन सबके बावजूद, सिद्धरामैया कह रहे हैं कि वे सीएम बने रहेंगे। पूर्व उपमुख्यमंत्री अशोक ने कहा कि सिद्धरामैया ने कई मौकों पर कहा है कि वे सीएम बने रहेंगे। इसकी क्या जरूरत है? अगर मजबूत हैं, तो कोई यह नहीं कहता रहेगा मैं सीएम बना रहूंगा, केवल कमजोर होने पर ही अपनी स्थिति पर जोर देना पड़ता है। उन्होंने कहा अगर सरकार मजबूत होगी, तो कोई भी (सरकार की स्थिरता) पर सवाल नहीं उठाएगा, न ही मीडिया और न ही विपक्ष। चूंकि उनकी (सिद्धरामैया) स्थिति कमजोर है, इसलिए हर कोई स्थिरता के बारे में पूछता रहता है। सिद्धरामैया की सरकार का कार्यकाल खत्म होने वाला है। विपक्ष सिद्धरामैया के इस्तीफे की मांग कर रहा है, क्योंकि उनके खिलाफ मुडा साइट आवंटन मामले में आरोप लगाए गए हैं। इस साल की शुरुआत में सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर भी पर्दे के पीछे राजनीतिक गतिविधियां चल रही थीं, जिसमें सिद्धरामैया कैबिनेट के कुछ मंत्रियों ने बंद कमरे में बैठकें कीं, जिससे नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें तेज हो गईं। लेकिन पार्टी हाईकमान के निर्देशों के बाद ऐसी बातचीत बंद हो गई, जिसने सख्ती बरतने की कोशिश की।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव: कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वस्थ भारत के निर्माण में एक बड़ी क्रांति हुई है। राजराजेश्वरी मेडिकल कॉलेज के 14वें बैच (2023) के दीक्षांत समारोह में बोलते हुए मंत्री ने कहा कि भारत ने पिछले एक दशक में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में परिवर्तनकारी बदलाव देखे हैं। केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने जोर देकर कहा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा अब आम आदमी को सस्ती दरों पर उपलब्ध है और यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सामाजिक चिंता और दूरदर्शिता के कारण संभव हुआ है। मंत्री ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारे देश की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली मजबूती से विकसित हुई है, जो देश की आर्थिक और सामाजिक प्रगति की रीढ़ की हड्डी के रूप में काम कर रही है। अब हर नागरिक के पास उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा देखभाल तक पहुंच है। कुमारस्वामी ने कहा कि पिछले दस वर्षों में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में कई सुधार लागू किए गए हैं, जिनमें आयुष्मान भारत योजना भी शामिल है, जो दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य कवरेज पहल है, जिसमें 50 करोड़ लोग शामिल हैं। उन्होंने कहा यह एक वैश्विक रिकॉर्ड है। आयुष्मान भारत एक राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा योजना है, जो 10 करोड़ से अधिक गरीब और कमजोर परिवारों (लगभग 50 करोड़ लाभार्थी) को कवर करेगी, जो माध्यमिक और तृतीयक देखभाल अस्पताल में भर्ती होने के लिए प्रति वर्ष प्रति परिवार 5 लाख रुपये तक का कवरेज प्रदान करेगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर स्वस्थ भारत योजना, डिजिटल स्वास्थ्य मिशन, मिशन इंद्रधनुष और जन औषधि केंद्रों की स्थापना जैसे अन्य कार्यक्रम भी शुरू किए गए हैं। केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने चिकित्सा क्षेत्र के महत्व पर जोर देते हुए कहा डॉक्टर न केवल व्यक्तियों के स्वास्थ्य की रक्षा करते हैं, बल्कि पूरे राष्ट्र के स्वास्थ्य की रक्षा करते हैं। उन्होंने नए मेडिकल स्नातकों से समाज सेवा के लिए खुद को समर्पित करने और अनुकरणीय डॉक्टर के रूप में काम करने का आग्रह किया।

केंद्रीय मंत्री ने स्नातकों को दीक्षांत प्रमाण पत्र प्रदान किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। राजराजेश्वरी मेडिकल कॉलेज के संस्थापक चांसलर डॉ. ए.सी. षणमुगम, अध्यक्ष अरुण कुमार, डीन डॉ. सत्यमूर्ति और कार्यकारी निदेशक डॉ. एस. विजयानंद इस कार्यक्रम में मौजूद थे।

राज्य भर में अगले तीन दिनों तक बारिश की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में हवा का दबाव कम होने के परिणामस्वरूप राज्य में अगले तीन दिनों तक बारिश होने का अनुमान है। राजधानी बेंगलूरु सहित दक्षिणी भीतरी इलाकों के कई हिस्सों में बादल छाए रहेंगे और लगातार हल्की से मध्यम बारिश होगी।

मौसम विभाग के बेंगलूरु क्षेत्रीय केंद्र के निदेशक सीएस पाटिल ने बताया कि वायुमंडलीय दबाव में गिरावट के कारण मानसून की बारिश ठीक हो गई है और अगले तीन दिनों तक तटीय और दक्षिणी अंतर्देशीय जिलों में छिटपुट मध्यम बारिश होने की संभावना है।

अधिकांश दक्षिणी आंतरिक जिलों में 15 नवंबर तक तट और पहाड़ी इलाकों में मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

हालांकि, उत्तरी आंतरिक जिलों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। बेंगलूरु शहर सहित आसपास के जिलों में बादल छाए रहेंगे और लगातार ठंडी हवाएँ चलती रहेंगी। बीच-बीच में बारिश संभव है। यह 15 नवंबर तक जारी रहेगा। इससे ठंड के मौसम का अनुभव बढ़ जाएगा।

साथ ही तीन दिनों तक छिटपुट हल्की से मध्यम बारिश के भी आसार हैं।

शिग्गांव में कांग्रेस पैसे बांट रही हैः बसवराज बोम्मई

हावेरी/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा सांसद बसवराज बोम्मई ने सोमवार शाम को आरोप लगाया कि राज्य में उपचुनाव से पहले कांग्रेस शिग्गांव में पैसे बांट रही है। शिग्गांव में बोलते हुए बोम्मई ने कहा शिग्गांव निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस के विधायक और मंत्री जाति के आधार पर वोट मांगकर और पैसे बांटकर लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर कर रहे हैं। लेकिन निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता उन्हें सबक सिखाएंगे। बोम्मई ने कहा कि उन्होंने कई चुनाव देखे हैं, लेकिन कभी पूरी सरकार को इस तरह से व्यवहार करते नहीं देखा। इससे सवाल उठता है कि क्या इस सरकार का लोकतंत्र में कोई विश्वास है। मंत्री लोकतांत्रिक सिद्धांतों की अव-हेलना कर रहे हैं, खुलेआम जाति के आधार पर वोट मांग रहे हैं और पैसे बांट रहे हैं। कुछ जगहों पर लोगों ने उनके पैसे को नकार दिया है। बोम्मई ने कहा कि मौजूदा कांग्रेस सरकार ने वाल्मीकि आदिवासी कल्याण

निगम में 187 करोड़ रुपये का घोटाला किया है। उस राशि का इस्तेमाल वाल्मीकि समुदाय के आवास और गंगा कल्याण योजना के लिए किया जा सकता था। वाल्मीकि समुदाय के लिए आरक्षित निधि को हैदराबाद भेजा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने घोटाले को स्वीकार किया है और उनके एक मंत्री को जेल भी जाना पड़ा है। उन्होंने राज्य सरकार पर एससी/एसटी कार्यक्रमों के लिए निर्धारित 24,000 करोड़ रुपये और पिछड़े वर्ग निगमों के लिए आरक्षित 2,500 करोड़ रुपये वापस लेने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा एससी/एसटी और पिछड़े समुदायों से वोट मांगने का आपको क्या नैतिक अधिकार है। वक्फ संपत्ति घोटाले का जिक्र करते हुए बोम्मई ने कहा कि किसी भी मुद्दे पर मुख्यमंत्री बैठक बुलाते हैं। पूरे कागिनेले गांव को वक्फ संपत्ति के रूप में चिह्नित किया गया है। किसानों के खेत, स्कूल और तालाबों को वक्फ संपत्ति के रूप में चिह्नित किया जा रहा है। हुलगुर में, उन्होंने स्लम बोर्ड अधिसूचना के तहत लगभग 200 घर बनाए थे, और अब वे दावा करते हैं कि यह वक्फ संपत्ति है। इसके कारण मतदान का बहिष्कार करने का आह्वान किया गया है और वह लोगों को ऐसे फैसलों के खिलाफ मनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वक्फ मुद्दा एक महामारी की तरह है और किसान और जनता इस सरकार के खिलाफ लड़ेंगे। इस प्रशासन में सरकारी अधिकारी दबाव में हैं।

वाल्मीकि निगम के एक अधिकारी ने आत्महत्या कर ली, यादगीर में एक अधिकारी ने भी ऐसा ही किया और बेलगावी में एक एसडीए ने अपनी जान दे दी। शिग्गांव में अधिकारी हताश हैं। यहां पराजित उम्मीदवार पैसे की मांग कर रहा है और शिक्षकों को मासिक भुगतान तय किया गया है। उन्होंने कहा कि हावेरी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) ने शिग्गांव निर्वाचन क्षेत्र के कांग्रेस उम्मीदवार यासिर अहमद खान पठान के आपराधिक रिकॉर्ड के संबंध में राज्य सरकार के दबाव में अपना बयान बदल दिया। उन्होंने कहा हावेरी एसपी दावा कर रहे हैं कि कांग्रेस उम्मीदवार पठान के खिलाफ कोई मामला नहीं है, क्योंकि सरकार दबाव में है। बोम्मई ने एसपी के बयानों की जांच की मांग की और कहा कि वे चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराएंगे। बोम्मई ने आगे दावा किया कि पिछले साल कांग्रेस उम्मीदवार पर कई मामले दर्ज थे, जिसमें एसपी ने खुद पुलिस मैनुअल से कानूनी प्रावधानों को स्पष्ट किया था। बोम्मई ने कहा कि अब सरकार ऐसे किसी भी मामले से इनकार कर रही है। भाजपा उम्मीदवार, उनके बेटे भरत बोम्मई के खिलाफ बिटकॉइन के आरोपों के बारे में पूछे गए सवालों के जवाब में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पिछले डेढ़ साल से इस मुद्दे की जांच कर रही है और उन्होंने जोर देकर कहा कि बिटकॉइन और भरत बोम्मई के बीच कोई संबंध नहीं है। आरोप निराधार हैं।

बस-स्कूटर की टक्कर में दो लोग घायल

भीड़ ने किया पथराव

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मूडबिद्री में स्थित एनएच 169 पर मिजारू टोडर में एक इंजीनियरिंग कॉलेज के पास एक निजी बस ने एक स्कूटर को टक्कर मार दी, जिससे स्कूटर सवार और पीछे बैठा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।

गुस्साए स्थानीय लोगों ने छात्रों के साथ मिलकर बस पर पथराव किया और विरोध प्रदर्शन किया, यहां तक कि अपने विरोध में बस में चढ़ गए।

यह विरोध प्रदर्शन तीन घंटे तक चला, जिसमें जनता और छात्रों ने निजी बस ऑपरेटरों की लापरवाह ड्राइविंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। घायलों की पहचान सुमित्रा और सान्वी के रूप में हुई है, जिन्हें गंभीर चोटें आई हैं। बताया जाता है कि दुर्घटना के तुरंत बाद घटनास्थल पर पहुंचे एक ऑटो-रिक्शा ने बस को आगे बढ़ने से रोक दिया, जिससे आस-पास खड़े अन्य छात्रों की जान बच गई। मूडबिद्री से मेंगलूरु जा रही बस ने

एमआईटीई कॉलेज के पास मोड़ पर नियंत्रण खो दिया, पहले एक कॉलेज बस को टक्कर मारी और फिर हाईवे से उतरकर स्कूटर से जा टकराई। एचजेवी, भाजपा और अन्य संगठनों के नेता मौके पर पहुंचे और बस चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। बस के मालिक रफीक ने घायलों को पांच लाख रुपये का मुआवजा देने का आश्वासन दिया और लापरवाह चालक को निलंबित करने का वादा किया। मौके पर पहुंचे पनमबुर एसीपी श्रीकांत ने कहा कि बस कंडक्टर और ड्राइवर दोनों पर आरोप लगाए जाएंगे और निजी बसों द्वारा लापरवाही से वाहन चलाने के बारे में जनता की शिकायतों को दूर करने के लिए जल्द ही एक बैठक बुलाई जाएगी। इन आश्वासनों के बाद विरोध प्रदर्शन वापस ले लिया गया। निजाम के रूप में पहचाने गए चालक को पुलिस हिरासत में ले लिया गया है।

एचएसआरपी नंबर प्लेट की समय सीमा 30 नवंबर तक बढ़ाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य सरकार ने अप्रैल 2019 से पहले पंजीकृत वाहनों पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) लगाने की समयसीमा एक बार फिर बढ़ा दी है। पिछले चार बार बढ़ाए जाने के बावजूद, कई वाहन मालिकों

ने अभी तक इसका पालन नहीं किया है। नतीजतन, सरकार ने समयसीमा बढ़ाकर 30 नवंबर कर दी है। 1 दिसंबर से, चूककर्ताओं पर जुर्माना लगाया जाएगा। यह आदेश दोपहिया, तिपहिया और चार पहिया वाहनों सहित सभी वाहनों पर लागू होता है। एचएसआरपी प्लेट धोखाधड़ी और चोरी को रोकने के उद्देश्य से अतिरिक्त सुरक्षा सुविधाएँ प्रदान करती हैं।

__बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।__ विभिन्न कन्नड़, धार्मिक और सामाजिक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में संतोष गुरु जी के नेतृत्व में पैलेस ग्राउंड से विधानसभा तक मां भुवनेश्वरी की विशाल शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी एवं महेंद्र मुणोत शामिल हुए।

जमीर के बयान से कांग्रेस पार्टी के नेताओं की गंदी मानसिकता आई सामनेः जेडीएस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस ने मंत्री जमीर अहमद खान पर अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल कर केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी की आलोचना करने का आरोप लगाया है और ऐसे शर्मनाक बयान देने के लिए माफी की मांग की है। जेडीएस, एचडी कुमारस्वामी का नेतृत्व रंग, जाति, पंथ या लिंग से परिभाषित नहीं है। हालाँकि, उन्हें एक बेहतर समाज और सभी समुदायों के उत्थान के लिए एक अटूट दृष्टिकोण रखने वाले के रूप में परिभाषित किया गया है। जद (एस) ने क्षुद्र राजनीति के लिए नफरत फैलाने के लिए जमीर और कांग्रेस की आलोचना की और आक्रोश व्यक्त किया कि कर्नाटक ऐसे नेताओं का हकदार है जो एकजुट हों, विभाजित न हों।

कांग्रेस को नस्लवादी बताकर आलोचना करने वाली जेडीएस ने कहा कि जमीर के बयान से कांग्रेस पार्टी के नेताओं की गंदी मानसिकता सामने आ गई है। जाति के आधार पर लोकप्रिय राजनेता एचडी कुमारस्वामी को अपमानित करके, जेडीएस ने कांग्रेस पार्टी पर नस्लीय अपमान और उपनिवेशवाद को पुनर्जीवित करने का आरोप लगाया है। इससे पहले कर्नाटक के मंत्री बी जेड जमीर अहमद खान ने केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी पर विवादित टिप्पणी कर एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। दरअसल जमीर अहमद ने कुमारस्वामी के खिलाफ रंगभेदी टिप्पणी की। जेडीएस ने कर्नाटक सरकार से जमीर अहमद के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए उन्हें पद से बर्खास्त करने की मांग की।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी जमीर अहमद के बयान की निंदा की और इसे लेकर कांग्रेस सरकार को घेरा। रविवार को रामनगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए जमीर अहमद ने कहा कि चन्नपट्टना सीट से कांग्रेस उम्मीदवार सीपी योगेश्वर के पास भाजपा में शामिल होने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी में कुछ मतभेदों के चलते योगेश्वर ने बतौर निर्दलीय चुनाव लड़ा। ऐसे में उनके पास भाजपा में शामिल होने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। वह जेडीएस में शामिल होने के लिए तैयार नहीं थे क्योंकि, कुमारस्वामी भाजपा से भी ज्यादा खतरनाक हैं। अब वे (योगेश्वर) वापस घर (कांग्रेस) आ गए हैं। जमीर अहमद ने दावा किया कि कुमारस्वामी ने कहा था कि उन्हें मुस्लिम वोटों की जरूरत नहीं हैं। चुनावी सभा के दौरान खान ने कहा कि कुमारस्वामी के कथित बयान का ऑडियो चलाया, जिसमें कथित तौर पर कुमारस्वामी ने कहा कि मेरी राजनीति मुस्लिम वोटों पर निर्भर नहीं है। मैं ये साफ कर दूं कि मुझे हिजाब की जरूरत नहीं है। इसके बाद जमीर अहमद ने कहा कि कुमारस्वामी कहते हैं कि उन्हें हिजाब नहीं चाहिए, बल्कि उन्हें मुस्लिम वोट चाहिए। क्या आप उन्हें वोट देंगे? उन्होंने कहा कि कुमारस्वामी को लगता है कि वे मुस्लिम वोट खरीद सकते हैं। खान ने भीड़ की नारों के बीच कहा कुमारस्वामी, मुझे अपनी बोली की रकम बताओ। मुस्लिम समुदाय इतना पैसा जुटाएगा कि उससे आपका पूरा कुनबा खरीदा जा सके।

डॉ. लूनावत अध्यक्ष व भंडारी मंत्री बने

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री मरुधरा जैन संघ बेंगलूरु का 31वां दीपावली स्नेह मिलन रविवार को रेजीडेंसी हॉलीडे रिसॉर्ट नेलमंगला में आयोजित किया गया। स्नेह मिलन में समस्त मरुधरा क्षेत्र के परिवारों की उपस्थिति में संघ की नई कार्यकारिणी का दो साल के कार्यकाल हेतु सर्व सम्मति से चयन किया गया। आगामी दो साल के लिए डॉ. जवरीलाल लूनावत को अध्यक्ष मनोनीत किया गया। जवरीलाल लूनावत लूनी के पूर्व सरपंच व प्रवासी राजस्थानी कर्नाटका संघ के महामंत्री एवं श्री ओसवाल जैन परिषद के उपाध्यक्ष हैं। लूनावत ने अपनी कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए दुंदाडा निवासी कांतीलाल गुलेच्छा को उपाध्यक्ष, दौलती परिवार के प्रवीण भंडारी को मंत्री, शुभम ड्राई फ्रूट के मालिक महावीर संचेती को कोषाध्यक्ष एवं मजल निवासी अमृतलाल खीमराज सालेचा को सहमंत्री नियुक्त किया। नयी कार्यकारिणी के गठन की घोषणा होते ही संघ के सभी सदस्यों ने अति हर्ष से सभी सदस्यों को बधाई दी व निवर्तमान अध्यक्ष डूंगरमल पारख ने नये अध्यक्ष को कार्यभार सौंपा। कोषाध्यक्ष उत्तम सालेचा ने महावीर संचेती को कार्यभार सौंपकर बधाई दी। नव नियुक्त अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कमेटी के सभी नये सदस्यों को बधाई देकर अभिनंदन किया। साथ ही अनुरोध किया कि संघ के 1500 सदस्यों ने हम पर विश्वास करके कार्यकारिणी में भेजा है। इसलिए हमारा कर्तव्य है कि हमे संगठित रहकर संघ के हितों को ध्यान में रखते हुए संघ के विधान एवं संघ के नियमों का पालना करना है। दो साल में संघ के विकास के लिये सभी 1500 सदस्यों का सहयोग लेकर आगे बढ़ने की भावना रखनी है। नई कार्यकारिणी में अजीत से मूलचंद, प्रकाश भंसाली व प्रकाश कातरेला, धवा से रमेश, भलरोकावाडा से श्रेणिकराज, छाबा से माणकचंद, घाणा से आदर्शकुमार, खांडप से रमेश कुमार व ललितकुमार, मालगढ से कांतीलाल, मांडावास से राणमल, मजल से खीमराज व अमृतलाल, दुंदाडा से सोहनलाल, बाला से फुटरमल, जेतपुर से जयंतिलाल, बाड़मेर से जीतेन्द्रकुमार, भाद्राजून से अनिलकुमार, वायद से कनकराज, भोरडा से सुरेशकुमार, मोगडा से महेन्द्र कुमार एवं लूणावास से भूरमल शामिल हैं।

कुमारस्वामी के बारे में टिप्पणी का मामला

अगर जेडीएस कार्यकर्ताओं को ठेस पहुंची है तो मैं माफी मांगता हूंः जमीर अहमद खान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दो दिन पहले अपने पूर्व सहयोगी और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी पर विवादित टिप्पणी करने वाले कर्नाटक के कैबिनेट मंत्री बी. जेड जमीर अहमद खान ने अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगी और बताया कि उन्होंने क्यों केंद्रीय मंत्री पर ऐसी टिप्पणी की थी। अपने सफाई में कर्नाटक के मंत्री ने कहा कि, वो उन्हें प्यार से कालिया कहते हैं, पहले जब दोनों नेता जेडीएस में थे, क्योंकि वो भी उनको प्यार से कुल्ला (बौना) कहते थे। जमीर अहमद खान ने कहा ये पहली बार नहीं है जब उन्होंने एच डी कुमारस्वामी को कालिया कहा हो। कांग्रेस नेता

ने अपने सफाई में बार-बार यह स्पष्ट करने की कोशिश की कि उन्होंने पहले भी कुमारस्वामी को इस तरह से संबोधित किया था, जब उनके बीच अच्छी बॉन्डिंग थी, और यह पहली बार नहीं है। मंत्री जमीर अहमद खान पहले जेडी(एस) में थे, और उन्हें एचडी कुमारस्वामी का करीबी सहयोगी माना जाता था, जो उस समय मुख्यमंत्री के रूप में काम कर चुके थे। जमीर अहमद खान ने कहा अगर मैंने उन्हें पहली बार इस तरह के शब्द का इस्तेमाल करके बुलाया होता, तो मैं माफी मांगता, प्यार से वे मुझे 'कुल्ला' (बौना) कहते थे, मैं उन्हें करियाना (काला भाई) कहता था। अगर फिर भी उन्हें या किसी को इससे तकलीफ हुई है, तो मैं माफी मांगता हूं। मैसूरु में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा मैं उन्हें शुरू से ही प्यार से ऐसे बुलाता था, आज से नहीं।

वहीं यह पूछे जाने पर कि क्या उनके बयानों का चन्नपट्टना में विधानसभा उपचुनावों पर असर पड़ेगा, तो उन्होंने कहा इसका असर क्यों पड़ेगा? मैंने पहली बार इस तरह से नहीं बुलाया है। जब कुमारस्वामी और मैं करीब थे, तो हम दोनों एक-दूसरे पर प्यार से कई टिप्पणियां करते थे। अगर जेडी(एस) कार्यकर्ताओं को इससे तकलीफ हुई है, तो मैं माफी मांगता हूं।

बता दें कि इस मामले में जेडी(एस) और भाजपा ने मांग की थी कि कांग्रेस सरकार खान को उनके 'नस्लवादी अपशब्द' के लिए मंत्रिमंडल से बर्खास्त करे। वहीं इस मामले में कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा कि दोनों नेता काफी अच्छे दोस्त हैं, क्या कुमारस्वामी ने इस पर कोई बयान दिया है? इस मामले में भाजपा के लोग सिर्फ विवाद पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। जमीर अहमद खान कुमारस्वामी के लिए अहम व्यक्ति थे।

भरण-पोषण पर हाईकोर्ट का फैसला

तलाकशुदा पत्नी संग रह रही बेटियों की उत्कृष्ट शिक्षा पिता का कर्तव्य

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक हाईकोर्ट ने अहम फैसले में कहा कि बेटियों का भरण-पोषण और उन्हें उत्कृष्ट शिक्षा दिलाना पिता की कानूनी बाध्यता है। इससे फर्क नहीं पड़ता कि वे उसकी तलाकशुदा पत्नी के साथ रह रही हैं। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने नाबालिग समेत दो बेटियों के भरण-पोषण के लिए हर माह रकम देने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। जस्टिस अशोक एस किनागी की एकल पीठ ने फैसले में कहा कि ट्रायल कोर्ट पिता की आय को देखते हुए शादी होने तक प्रत्येक बेटी को हर माह छह हजार रुपये की रकम देने का जो फैसला सुनाया है, उसमें कुछ भी त्रुटि नजर नहीं आती। दोनों प्रतिवादी छात्राएं हैं। इनमें से एक नाबालिग भी है। ट्रायल कोर्ट ने बीते वर्ष मार्च में बीसी हनुमंतराजू को दोनों बेटियों को हर माह छह हजार और मौजूदा शैक्षणिक वर्ष में पढ़ाई पर खर्च के लिए 1.04 लाख के भुगतान का निर्देश दिया था। पिता ने फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी। दलील दी कि उसका पत्नी से तलाक हो चुका है और प्रतिवादी मां के साथ रहती हैं। कोर्ट ने इस दलील को खारिज कर दिया।

दीपावली स्नेह मिलन का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विजयनगर परिषद द्वारा दीपावली स्नेह मिलन का आयोजन अर्हम भवन में किया गया। सर्वप्रथम सामूहिक नमस्कार महामंत्र से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। ट्विंकल डागा ने गणेश वंदना प्रस्तुत की। अध्यक्ष मनोज बैद ने पधारे हुए समस्त विशिष्ट अतिथि एवं विजयनगर परिषद् परिवार के सदस्यो का स्वागत किया। साथ ही सभी आर्थिक सहयोग दाताओं के प्रति साधुवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए कूपन के प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान वालों को पुरस्कृत किया गया। इस बीच गायक कलाकारों ने अपने सुमधुर गानों द्वारा सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर तेरापंथी सभा विजयनगर अध्यक्ष मंगल कोचर, तेयुप विजयनगर अध्यक्ष कमलेश चोपडा, महिला मंडल अध्यक्षा मंजू गादिया, अर्हम मित्र मंडल अध्यक्ष बहादुर सेठिया, विजयनगर परिषद् उपाध्यक्ष शांतिलाल पटावरी, विनोद पारख, मंत्री ज्ञानू नाहटा, सहमंत्री विकास बाँठिया, दीपक भूरा, कोषाध्यक्ष राकेश दुधेड़िया, संगठन मंत्री आलोक गंग, परामर्शक, पूर्व अध्यक्ष, कार्यकारिणी सदस्यों सहित विजयनगर के श्रावक समाज की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का कुशल संचालन सहमंत्री विकास बाँठिया ने किया।

__बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।__ अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद बेंगलूरु शाखा की सदस्याओं ने मैसूरु चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी सुलोचना श्रीजी की सुशिष्या श्री प्रियकल्पना श्री जी के दर्शन वंदन कर मंगल आशीर्वाद लिया। साथ ही मैसूरु पिंजरापोल गौशाला का भ्रमण कर गायों को चारा खिलाया। अध्यक्ष आरती जैन ने श्री सुमतिनाथ जैन संघ मैसूरु सहित सभी सदस्याओं का धन्यवाद सहित आभार प्रकट किया। यह जानकारी परमेश्वरी संखलेचा ने दी।

ओबीसी, एसटी-एससी के हक छीन कर मुसलमानों को देना चाहती हैं विपक्षी पार्टी : रविशंकर

नयी दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कहा है कि मुसलमानों को आरक्षण दिये जाने के मुद्दे पर कांग्रेस, महाविकास अघाड़ी और इंडिया समूह वोट बैंक की खातिर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अति पिछड़ा, अनुसूचित जाति एवं जनजाति (एससी और एसटी) के हर को छीन कर मुसलमानों को देना चाहता है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने मंगलवार को संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि विपक्षी दलों पर तीखा प्रहार किया और कहा कि मुसलमानों को आरक्षण देने के लिए ओबीसी, अति पिछड़ा, एससी, एसटी के अधिकारों को वोट बैंक के नाम पर छीना जाएगा, तो भाजपा इसका जोरदार विरोध करेगी।

उन्होंने कहा, देश में उलेमा बोर्ड ने शर्तों पर कांग्रेस और महाविकास अघाड़ी को समर्थन करने के लिए पत्र जारी किया है। अब मराठी मुस्लिम सेवा संघ का पर्चा घूम रहा है। उस पर्चा में लिखा है कि अगर आप देश के संविधान, देश की एकता एवं अखंडता की खातिर अपना मत का प्रयोग सही करोगे। क्या

शरियत में दखलदांजी मंजूर है? क्या मुसलमानों से अलीगढ़ यूनिवर्सिटी छीनने वालों को वोट करोगे? क्या समान नागरिक संहिता थोपने वालों को वोट करोगे? वक्फ के खिलाफ वालों को वोट करोगे?इसके अलावा ऐसी कई चीजें लिखी हुई है। इस तरह की बातें बहुत जोरो से चल रहा है और चलाया जा रहा है।

भाजपा नेता ने आरोप कि कांग्रेस पार्टी और इंडिया गठबंधन के सहयोगी मुस्लिम तुष्टिकरण और उनके वोट लेने के लिए इस तरह का एजेंडा चलवा रहे हैं। कई जगहोंपर एनजीओ बनाकर इस तरह का एजेंडा चलवाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि श्रीमती प्रियंका वाड्रा वायनाड लोकसभा का उप चुनाव लड़ रही हैं। जमात-ए-इस्लामी श्री वाड्रा के समर्थन में जोरशोर से लगी हुई है। यह आरोप भाजपा ने नहीं लगाया है, बल्कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने आरोप लगाया है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब कहते हैं कि 'एक रहोगे, तो सेफ रहोगे' तो कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के नेता इस पर टोंट मारते हैं और फिर चुनाव आयोग में जाते हैं। कांग्रेस और इंडिया गठबंधन की सच्चाई यह है कि उनको एकता में परेशानी है, किन्तु देश को तोड़ने वाली ताकतों का खुला समर्थन लेने का षडयंत्र कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव और झारखंड विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और इंडिया समूह को अपनी हार दिखाई पड़ रही है, तो सिर्फ वोट पाने के लिए मुस्लिम समुदाय के कट्टरवादी और विभाजनकारी तत्वों से समर्थन लेने का षडयंत्र कर रहे हैं।

पीएफआई के पूर्व प्रमुख अबू बकर को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

प्रतिबंधित आतंकी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के पूर्व प्रमुख ई अबू बकर को सुप्रीम कोर्ट से फिलहाल राहत नहीं मिली है। जस्टिस एमएम सुंदरेश की अध्यक्षता वाली बेंच ने एम्स के डायरेक्टर को एक टीम गठित कर अबू बकर के स्वास्थ्य की जांच रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई दो हफ्ते बाद होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने 20 सितंबर को अबू बकर की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए एनआईए को नोटिस जारी किया था। दिल्ली हाई कोर्ट ने 28 मई को अबू बकर की नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी थी। हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान अबू बकर की ओर से

वकील अदीत एस पुजारी ने कहा था कि संविधान की धारा 21 के तहत जीने के अधिकार का उल्लंघन किया जा रहा है। जीने के अधिकार में स्वास्थ्य का अधिकार और गरिमा के साथ जीने का अधिकार भी शामिल है। पुजारी ने कहा था कि अबू कैंसर और पार्किंसन की बीमारी से ग्रस्त है। पीएफआई के ठिकानों पर देशव्यापी कार्रवाई के बाद 2022 में अबू बकर को गिरफ्तार किया गया था।

बंटोगे तो कटोगे के नारे पर बोले जगद्गुरु रामभद्राचार्य

योगी का नारा समसामयिक हैं, हमें बंटना नहीं चाहिए

जयपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

तुलसी पीठ के संस्थापक जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बंटोगे तो कटोगे वाले बयान पर कहा, हम जब एक होकर रहेंगे, तो हमारा कोई बाल भी बांका नहीं कर पाएगा। रामभद्राचार्य ने कहा कि ये बातें समसामयिक हैं और सत्य हैं। हमें बंटना नहीं है। चाहे पंथ अनेक हों, हम सब हिंदू एक हों। जब हम सब एक होकर रहेंगे, हमारा कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता। जैसे एक अंगुली एक होती है तो कोई भी तोड़ देता है, लेकिन जब ये मिलकर मुक्का बन जाती है तो तोड़ने वाले के दांत टूट जाते हैं।

गौरतलब है कि बीते चार दिनों में रामभद्राचार्य ने पीओके, पाकिस्तान और कश्मीर को लेकर लगातार बयान दिए हैं। दो दिन पहले उन्होंने जयपुर में श्रीराम कथा के दौरान कश्मीर में धारा-370 और पाकिस्तान का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि धारा-370 की बात मत करो, थोड़े दिन में ही पाक अधिकृत कश्मीर भी हमारा होगा। अब वह दिन दूर नहीं, जब विश्व के नक्शे से पाकिस्तान का नामो निशान मिट जाएगा।

उन्होंने कहा, कश्मीर हमारा है। हमारे देश का अभिन्न अंग है। इसे देश से कोई अलग नहीं कर सकता। कश्मीर भारत का सिरमौर है। भारत माता आप चिंता मत करिए। जब तक जगदगुरु रामभद्राचार्य का यह त्रिदंड रहेगा। भारत की ओर कुदृष्टि रखने वालों की आंख निकाल कर रख दी जाएगी। उन्होंने कहा, भगवान राम ने देश को एक करने का काम किया था।

उन्होंने देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का नाम लिए बिना कहा, हमारे देश का दुर्भाग्य देखिए कि पहले प्रधानमंत्री ने देश को बांटने का काम कर दिया। जो कश्मीर हमारे भारत का मुकुट मणि है। ऋषि कश्यप की जन्मस्थली है। इस कश्मीर में भगवान शिव अमरनाथ के रूप में विराजित हैं। माता वैष्णो का जहां धाम है। उस कश्मीर को आधा कर दिया। कश्मीर का आधा हिस्सा पाकिस्तान को दे दिया, जो बचा उसमें धारा-370 लगवा दी।

बांदीपोरा में एक और मुठभेड़, आतंकी हिंसा से जूझ रहा कश्मीर

जम्मू, 12 नवंबर (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर में हिंसा का दौर जारी है और उत्तरी कश्मीर के बांडीपोरा जिले में एक और मुठभेड़ शुरू हो गई है। यह मुठभेड़ रविवार को किश्तवाड़ में एक सैनिक के शहीद होने और तीन अन्य के घायल होने के 48 घंटे से भी कम समय में हुई है। अधिकारियों के अनुसार, सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक विशेष खुफिया इनपुट के आधार पर उत्तरी कश्मीर जिले के नागमर्ग में तलाशी अभियान शुरू किया। सुरक्षा बलों द्वारा आतंकवादियों को चुनौती दिए जाने के बाद गोलीबारी शुरू हो गई, जिसके बाद आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी।

चिनार कोर ने बताया कि 12 नवंबर 24 को आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष खुफिया इनपुट के आधार पर, भारतीय सेना और जम्मू कश्मीर पुलिस ने बांडीपोरा के नागमर्ग क्षेत्र में एक संयुक्त अभियान शुरू किया। सतर्क

सैनिकों ने संदिग्ध गतिविधि देखी और चुनौती दिए जाने पर आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। हमारे सैनिकों ने प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की। ऑपरेशन जारी है।

आज की घटना किश्तवाड़ में हुई मुठभेड़ के बाद हुई जिसमें भारतीय सेना के विशेष बलों के एक जूनियर कमीशंड अधिकारी (जेसीओ) की मौत हो गई, जबकि रविवार को तीन अन्य अधिकारी घायल हो गए। मृतक अधिकारी की पहचान 2 पैरा के नायब सूबेदार राकेश कुमार के रूप में हुई है। खुफिया जानकारी के आधार पर आतंकवादियों की मौजूदगी का पता चलने के बाद श्रीनगर शहर के बाहरी इलाके में जबरवान वन क्षेत्र में पुलिस और सुरक्षा बलों के बीच एक और संयुक्त अभियान अभी भी चल रहा है। कश्मीर में मुठभेड़ों में यह हालिया उछाल जम्मू कश्मीर में आतंकवाद के फिर से सिर उठाने की ओर इशारा करता है। पिछले दो हफ्तों में जम्मू-कश्मीर में नौ मुठभेड़ें हो चुकी हैं।

ग्रेनेड हमले में घायल महिला की मौत

जम्मू, 12 नवंबर (ब्यूरो)। श्रीनगर में नवंबर को ग्रेनेड हमले में घायल हुई 45 वर्षीय महिला आबिदा उर्फ सुमैया ने श्रीनगर के अस्पताल में दम तोड़ दिया। आबिदा बांदीपोरा जिले के सुंबल के नायदखाई इलाके की रहने वाली थी। 3 नवंबर को आबिदा अपने बच्चों के लिए सर्दियों के कपड़े खरीदने के लिए साप्ताहिक रविवार बाजार श्रीनगर गई थी। ग्रेनेड हमले में शामिल होने के आरोप में लश्कर-ए-तैयबा के तीन सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया है।

सतह पर मार करने वाली लंबी दूरी की क्रूज़ मिसाइल का पहला उड़ान परीक्षण

नयी दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने मंगलवार को एक मोबाइल आर्टिकुलेटेड लॉन्चर से ओडिशा के तट पर एकीकृत परीक्षण रेंज चांदीपुर से सतह पर मार करने वाली लंबी दूरी की क्रूज़ मिसाइल का पहला उड़ान परीक्षण किया।

परीक्षण के दौरान, सभी उप-प्रणालियों ने अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन किया और प्राथमिक मिशन उद्देश्यों को पूरा किया। मिसाइल के प्रदर्शन की निगरानी उड़ान पथ की पूरी कवरेज सुनिश्चित करने के लिए आईटीआर द्वारा विभिन्न स्थानों पर तैनात रडार, इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम और

टेलीमेट्री जैसे कई रेंज सेंसर द्वारा की गई थी। बेहतर और विश्वसनीय प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए मिसाइल उन्नत एवियोनिक्स और सॉफ्टवेयर से भी लैस है।

मिसाइल को अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाओं और भारतीय उद्योगों के योगदान के साथ-साथ वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान, बेंगलुरु द्वारा विकसित किया गया है। भारत डायनेमिक्स लिमिटेड, हैदराबाद और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, बेंगलुरु इसके दो विकास-सह-उत्पादन-साझेदार हैं और वे मिसाइल विकास और एकीकरण में लगे हुए हैं। इस परीक्षण को विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ-साथ तीनों सेनाओं के प्रतिनिधियों, सिस्टम के उपयोगकर्ताओं ने देखा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सफल प्रथम उड़ान परीक्षण पर डीआरडीओ, सशस्त्र बलों और उद्योग को बधाई दी है। उन्होंने कहा, यह भविष्य के स्वदेशी क्रूज मिसाइल विकास कार्यक्रमों का मार्ग प्रशस्त करता है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी कामत ने मिसाइल के पहले सफल प्रक्षेपण पर डीआरडीओ की पूरी टीम को बधाई दी।

हेमंत सरकार सभी मोर्चे पर विफल, हर तरफ भ्रष्टाचार : नड्डा

गिरिडीह, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री जे.पी नड्डा ने झारखंड की हेमंत सरकार को सभी मोर्चे पर विफल करार दिया और कहा कि इस सरकार के कार्यकाल में हर तरफ केवल भ्रष्टाचार है।

श्री नड्डा ने गिरिडीह जिले के देवरी प्रखंड के तिवारीडीह मैदान में मंगलवार को जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा और राष्ट्रीय जनता दल पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि जहां ये तीनो दल मिलकर सरकार बनाए और वहां भ्रष्टचार नहीं हो, ऐसा हो नहीं सकता। इस सरकार के कार्यकाल में माइनिंग में पांच हजार करोड़ रुपए, जल जीवन अभियान में चार हजार करोड़, जमीन में दो

हजार करोड़ और मनरेगा में 36 सो करोड़ का घोटाला किया गया है। ऐसे में हेमंत सरकार को चोर सरकार कहना उचित होगा।

केंद्रीय मंत्री ने राज्य में बांग्लादेशी घुसपैठिए का मुद्दा उठाते हुए कहा कि झारखंड की जमीन पर यह घुसपैठिए लगातार कब्जा करते जा रहे है। इससे मुक्ति सिर्फ भाजपा दिलाने वाली है। उन्होंने लोगों से भाजपा के नेतृत्व में सरकार बनाने का आह्वान करते हुए जमुआ की जनता से मंजू कुमारी को जिताने की अपील की। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार लगातार आदिवासियों के हित में करोड़ों रुपए सिर्फ इसलिए खर्च कर रही है उनका जीवन स्तर सुधर सके। देवघर एम्स को लेकर ही जेपी नड्डा ने कहा आने वाले कुछ दिनों में इसी एम्स से हर गंभीर बीमारियों का इलाज होगा।

एंजियोप्लास्टी के बाद पीएमजेएवाई के दो लाभार्थियों की मौत

गुजरात सरकार ने जांच के दिए आदेश

अहमदाबाद, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

गुजरात सरकार ने अहमदाबाद के एक निजी अस्पताल में आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा योजना के दो लाभार्थियों की एंजियोप्लास्टी के बाद मौत मामले की जांच का मंगलवार को आदेश दिया।

दोनों मृतकों के रिश्तेदारों ने आरोप लगाया कि अस्पताल ने सभी को अंधेरे में रखा और सरकारी योजना के तहत चिकित्सा बिल बढ़ाने के लिए जल्दबाजी में एंजोयोप्लास्टी की।

आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) के तहत जरूरतमंद लोगों को प्रति वर्ष पांच लाख रुपये तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा मुहैया कराया जाता है। नागरभाई सेनमा (59) और महेश बारोट (45) की अहमदाबाद के बोदकदेव इलाके में स्थित ख्याति मल्टीस्पेशियल्टी अस्पताल में सोमवार को एंजियोप्लास्टी के साथ-साथ स्टेंट लगाने की प्रक्रिया के तुरंत बाद मौत हो गई थी।

पर्यावरण के संरक्षण पर जोर दिया उप राष्ट्रपति ने

उज्जैन, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता बताते हुए आज कहा कि इस दिशा में सभी को मिलकर प्रयास करना होंगे और महाकवि कालिदास की रचनाओं में भी इस बात को रेखांकित किया गया है।

श्री धनखड़ विश्व प्रसिद्ध भगवान महाकाल की नगरी उज्जैन में अखिल भारतीय कालिदास समारोह के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और अन्य गणमान्य नागरिक भी मौजूद थे।

श्री धनखड़ ने अपने संबोधन में महाकवि कालिदास की महान कृति मेघदूतम का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें पर्यावरण संरक्षण की बात कही गयी है। यह आज के युग की भी आवश्यकता है। प्रत्येक नागरिक को कम से कम एक पेड़ लगाकर उसकी देखरेख करना चाहिए। अन्यथा, यह सब जानते हैं कि मानव के रहने के लिए कोई और पृथ्वी नहीं है।

उन्होंने नागरिकों के अधिकारों के परिप्रेक्ष्य में कहा कि संविधान ने जहां प्रत्येक नागरिक को अधिकार दिए हैं, तो उसके कर्तव्यों के बारे में भी बताया गया है। हमें कर्तव्यों का पालन भी

करना चाहिए। अधिकारों और कर्तव्यों में संतुलन आवश्यक है। हम सब भारत के नागरिक हैं और राष्ट्रधर्म ही हमारा सबसे बड़ा धर्म है।

उप राष्ट्रपति ने भारत की सांस्कृतिक विरासत को विश्व में अद्वितीय बताते हुए कहा कि यह हमारे देश को संपूर्ण विश्व में अलग दर्जा दिलाती है। जो देश या समाज अपनी संस्कृति और पहचान को संभालकर नहीं रख सकता है, वह ज्यादा समय तक नहीं टिकता है। उन्होंने सभी से संस्कृति के संरक्षण के लिए कार्य करने का आह्वान भी किया।

उन्होंने महाकवि कालिदास की एक अन्य रचना अभिज्ञान शाकुंतलम का जिक्र किया और कहा कि इसमें शकुंतला की चरित्र के बारे में बताया गया है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में महिलाओं के अधिकारों के बारे में काफी ध्यान दिया जा रहा है। संसदीय सदनों में एक तिहाई आरक्षण उन्हें दिया गया है। उनके हितों में सरकार अन्य कदम भी उठा रही है।

उप राष्ट्रपति ने कहा कि देश में इन दिनों बहुत तेज गति से विकास और प्रगति हो रही है। आर्थिक उन्नति की गति भी तेज है। भारत के नेतृत्व को इस समय विश्व में जो दर्जा है, उसकी कल्पना पहले कभी नहीं की गयी। हमारे नागरिकों को अपने समाज और कुटुंब का भी ध्यान रखना होगा, तभी वे देश की सेवा कर सकेंगे। उन्होंने सामाजिक समरसता और बच्चों को बेहतर नागरिक बनाने पर भी जोर दिया।

श्री धनखड़ ने भगवान महाकाल का स्मरण किया और भाषण के अंत में जय महाकाल का उद्घोष भी किया। इसके पहले राज्यपाल श्री पटेल और मुख्यमंत्री डॉ यादव ने भी अपना संबोधन दिया।

प्रयागराज में छात्रों का प्रदर्शन जारी

छात्रों ने नारा दिया : न बंटेंगे न हटेंगे

प्रयागराज, 12 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के निर्णय पर हुए बवाल के कारण गरमाई सियासत के बीच प्रतियोगी छात्रों ने भी अपना एक नारा गढ़ लिया है। बेमियादी धरने पर बैठे छात्रों का नारा है, न बटेंगे न हटेंगे। इस नारे वाले हजारों पर्चे छात्रों के बीच वितरित किए गए। छात्रों ने इस नारे के जरिए आयोग को संदेश भेजा है कि जब तक दो दिन परीक्षा कराने और नॉर्मलाइजेशन निरस्त करने का नोटिस जारी नहीं किया जाएगा, तब तक छात्र धरना स्थल से हटने वाले नहीं हैं।

धरना स्थल पर छात्रों ने हाथों में कई तख्तियां भी ले रखीं थीं, जिन पर नारे लिखे थे। छात्र इन नारों के जरिये आयोग के निर्णय के खिलाफ अपनी नाराजगी व्यक्त कर रहे थे। धरना स्थल पर न तो किसी छात्र संगठन और न ही किसी राजनीति दल का झंडा दिखा। छात्र केवल तिरंगा लहराते दिखे। चंद्रशेखर आजाद पार्क से महज 200 मीटर दूसरे इस आंदोलन के दौरान छात्रों के हाथों में शहीद चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह और महात्मा गांधी की तस्वीरें लहराती नजर आई। छात्र बार-बार कहते रहे कि वे शांतिपूर्ण ढंग से आंदोलन कर रहे हैं और मांगें पूरी होने तक वहीं डटे रहेंगे।

प्रतियोगी छात्रों का कहना है कि अगर पर्याप्त संख्या में केंद्र न मिलने के कारण दो दिन परीक्षा कराने और एक समान मूल्यांकन के लिए नॉर्मलाइजेशन लागू करने की कोई मजबूरी है तो इसका भी समाधान है। प्रश्नपत्रों की सुरक्षा के मद्देनजर जिस शासनादेश के तहत केंद्र निर्धारण की प्रक्रिया को सख्त बनाया गया है और निजी स्कूल-कॉलेजों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है, उस शासनादेश में संशोधन भी किया जा सकता है। सरकारी मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, विश्वविद्यालयों, पॉलीटेक्निक को भी परीक्षा केंद्र बनाया जा सकता है। वैसे भी प्रश्नपत्रों की सुरक्षा और परीक्षा कराने की जिम्मेदारी शासन की है तो छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ क्यों किया जा रहा है। इसकी क्या गारंटी की दो दिन परीक्षा कराने में पेपर लीक नहीं होगा।

छात्रों और आयोग के प्रतिनिधियों के बीच दिनभर लाउडस्पीकर के जरिए वार्ता होती रही। आयोग के प्रतिनिधि बार बार धरना समाप्त करने की अपील करते उठेंगे। शाम को अभ्यर्थियों के सामने यह प्रस्ताव भी रखा गया कि उनकी मांगों पर विचार करने के लिए आयोग कमेटी गठित करेगा लेकिन अभ्यर्थी नहीं माने और कहा कि अब नॉर्मलाइजेशन निरस्त किए जाने का नोटिस जारी होने के बाद ही धरने से उठेंगे।

देर रात पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा और जिलाधिकारी रविंद्र मांदड़ भी लोकसेवा आयोग पहुंचे। काफी देर तक दोनों अधिकारियों ने प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन अभ्यर्थी अपनी मांग पर अड़े रहे। प्रतियोगी छात्र किसी भी कीमत पर पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। एक तरफ आयोग परिसर के बाहर दिनभर प्रतियोगी छात्रों का मेला लगा रहा तो आयोग आने वाले हर रास्ते से दिनभर छात्रों का रेला आयोग की तरफ आता रहा। छात्र पहले से तय करके आए थे कि अब धरने से उठना नहीं है, सो उन्हीं के बीच में से तमाम साथी कभी पानी की बोतलें तो कभी बिस्किट व नमकीन के पैकेट लेकर पहुंचते रहे।

दो दिन की परीक्षा में अलग-अलग शिफ्ट में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों के एक समान मूल्यांकन के लिए आयोग ने नॉर्मलाइजेशन (मानकीकरण) को लागू कर दिया लेकिन आयोग ने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह फॉर्मूला काम कैसे करेगा। अभ्यर्थियों का कहना है कि आयोग ने पर्सेंटाइल स्कोर निकालने का फॉर्मूला तो चता दिया लेकिन नॉर्मलाइजेशन कैसे करेंगे। यह फॉर्मूला वैज्ञानिक रूप से कारगर है या नहीं, इस भी संदेह है। जिन परीक्षा में नॉर्मलाइजेशन लागू किया गया, ये परीक्षाएं हमेशा विवादों में रहीं हैं। प्रतियोगी छात्र एक ही मांग पर अड़े हैं कि पीसीएस और आरओ/एआरओ प्रारंभिक परीक्षा एक ही दिन में कराई जाए। पीसीएस और आरओ-एआरओ प्रारंभिक परीक्षा दो दिन कराने के यूपीपीएससी के फैसले के खिलाफ छात्र आंदोलन शुरू कर दिए हैं। वहीं आयोग दो दिन परीक्षा कराने पर अड़ गया है।

उत्तर प्रदेश में उतरेगी देश-विदेश की लोकसंस्कृति

बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस मनाने की तैयारी

लखनऊ, 12 नवंबर (एजेंसियां)। योगी सरकार बिरसा मुंडा की जयंती (जनजातीय गौरव दिवस) पर 15 से 20 नवंबर तक अंतरराष्ट्रीय जनजाति भागीदारी उत्सव मनाएगी। इसका शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे।

इस दौरान उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी में मेजबान राज्य समेत देश-विदेश की लोकसंस्कृति उतरेगी। उद्घाटन समारोह के उपरांत 11 बजे से सांस्कृतिक समागम शोभायात्रा भी निकलेगी, जिसमें मेजबान उत्तर प्रदेश समेत अनेक राज्यों के कलाकार शामिल होंगे।

प्रतिदिन शाम पांच से रात्रि 9 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। इसमें सहरिया, बुक्सा आदि जनजाति के लोकनृत्य का भी अवलोकन किया जा सकेगा तो वहीं दूसरी तरफ जनजाति लोकवाद्यों को भी मंचीय प्रदर्शन होगा। पोथी घर में जनजाति पुस्तकों का भी अवलोकन कर सकेंगे।

छह दिवसीय कार्यक्रम में योगी सरकार 20 से अधिक प्रांत के कलाकारों को मंच देगी। इसमें मेजबान उत्तर प्रदेश समेत जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, सिक्किम, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, ओडिशा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार, मिजोरम, हिमाचल प्रदेश, केरल, पश्चिम बंगाल, गोवा, असम, त्रिपुरा, पंजाब, झारखंड, अरुणाचल प्रदेश शामिल हैं। वहीं स्लोवाकिया व वियतनाम के लोक कलाकारों द्वारा भी विशेष प्रदर्शन किया जाएगा।

15 नवंबर को उद्घाटन समारोह के उपरांत 11 बजे से सांस्कृतिक समागम शोभायात्रा निकलेगी। इसमें जम्मू-कश्मीर के मोंगो नृत्य- बकरवाल, राजस्थान के तेरहताली नृत्य, लंगा/मांगणियार गायन, सिक्किम के सिंघी छम नृत्य, कर्नाटक के फुगड़ी/सिद्धि नृत्य, ओडिशा का घुड़का नृत्य, मध्य प्रदेश के रमढोल नृत्य, महाराष्ट्र के सांगी मुखौटे नृत्य, छत्तीसगढ़ के माटी मांदरी के जरिए अन्य प्रांतों के कलाकारों को उत्तर प्रदेश में मंच मिलेगा। वहीं मेजबान उत्तर प्रदेश के कलाकार चंगेली नृत्य, नगमतिया, बीन बादन, कठपुतली का मंचीय प्रदर्शन करेंगे।

कार्यक्रम के दौरान पोथी घर में जनजाति से जुड़ी पुस्तकों का भी अवलोकन कर वहां के रहन-सहन, खान-पान, संस्कृति के बारे में भी जान सकेंगे। 16 से 20 नवंबर तक अनेक प्रांतों के लोकनृत्य/लोकगीतों से जुड़े कार्यक्रम अनवरत चलते रहेंगे। दोपहर 12 बजे से विमर्श भी होगा।

16 को क्रांतिकारी बिरसा मुंडा का स्वतंत्रता संग्राम में योगदान, 17 को जनजाति शिक्षा व स्वास्थ्य-जागरूकता व समाधान पर विमर्श कार्यक्रम होगा। 18 को लोकल से ग्लोबल तक जनजातियों में उद्यमिता विकास की संभावनाएं तक विमर्श होगा। 19 को इसका विषय जनजाति विरासत संरक्षण व संवर्धन है। 20 को जनजाति विकास में गैर सरकारी संस्थाओं की भूमिका पर विमर्श होगा।

19-20 नवंबर को मध्य प्रदेश की टीम की तरफ से जननायक बिरसा मुंडा के जीवन पर आधारित नाटक की प्रस्तुति होगी।

जनजाति लोकवाद्यों का मंचीय प्रदर्शन भी होगा। बुक्सा, सहरिया जनजाति, त्रिपुरा के हौजागिरी नृत्य, छत्तीसगढ़ के भुंजिया आदिवासी लोकनृत्य का भी आनंद उठा सकेंगे। 20 नवंबर को जनजाति कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया जाएगा। जादू के भी कार्यक्रम होंगे। आयोजन में देसी व्यंजनों का स्वाद भी आकर्षित करेगा।

महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी ने तौकीर रजा को दी चुनौती

आखों में आंखें डालकर देख लें रूह किसकी कांप रही

गाजियाबाद, 12 नवंबर (एजेंसियां)। शिवशक्ति धाम के पीठाधीश्वर और श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी ने एक वीडियो जारी करके मौलाना तौकीर रजा की चुनौती स्वीकार की है।

उन्होंने कहा, मौलाना तौकीर रजास हमारी आंखों में आंखें डाल कर देख ले कि रूह किसकी कांप रही है और मर मिटने को कौन तैयार है। नरसिंहानंद ने कहा, मौलाना तौकीर रजा दिल्ली जाम करने आएगा, उस दिन हम उसे दिल्ली ही मिलेंगे।

यति नरसिंहानंद गिरी ने कहा, मौलाना तौकीर रजा सहित जितने भी जेहादी हिंदुओं को धमकाने की कोशिश कर रहे हैं वो अच्छी तरह से समझ लें कि तुम बस धोखे से निर्दोष लोगों का कत्ल करना जानते हो। आज गांधी और नेहरू के विश्वासघात के कारण तुम हिंदुओ को धमका रहे हो। ये गांधी और नेहरू की गद्दारी के कारण ही आज सौ करोड़ हिंदुओ के पास अपना देश कहने के लिए इंच भर भी जगह नहीं है। गांधी और नेहरू के द्वारा की गई गद्दारी के कारण ही आज तौकीर रजा जैसे लोग हमें धमका रहे हैं। अगर धर्म के आधार पर हुए बंटवारे के समय ही इन सबको पाकिस्तान भेज दिया गया होता तो आज तौकीर रजा अपने खानदान के साथ भीख मांगता घूम रहा होता।

नरसिंहानंद ने दिल्ली में तौकीर रजा को पूरी ताकत लगा देने के लिए कहा। उन्होंने कहा, तौकीर रजा के मन मे यह मलाल न रह जाए कि अगर वो कुछ और जेहादी इकट्ठा कर लेता तो शायद हिंदुओं को डरा देता। उन्होंने मौलाना तौकीर रजा को इस्लाम के चौदह सौ साल के इतिहास को पढ़ने का परामर्श देते हुए कहा कि वो बड़ी-बड़ी बात करने से पहले यह तो बताएं की चोरी, लूटमार, हत्या, दुष्कर्म और दूसरे के मठ-मंदिरों के विध्वंस के अलावा इस्लाम ने दुनिया को आज तक क्या दिया है।

अचलपुर में कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे को योगी ने सुनाई खरी-खरी

मैं योगी, योगी के लिए देश पहले

रजाकारों ने खड़गे की मां, चाची और बहन को जलाया

वोट की खातिर परिवार के बलिदान को भूल गए खड़गे

अमरावती, 12 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा की गई टिप्पणी का जवाब दिया। सीएम योगी ने मंगलवार को महाराष्ट्र में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को खरी-खरी सुनाई। उन्होंने कहा कि मैं योगी हूं, मेरे लिए देश पहले है, राजनीति बाद में, लेकिन आपके लिए कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति पहले है।

महाराष्ट्र के अचलपुर में रैली को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तीन दिन से मुझ पर नाराज हो रहे हैं कि मैं ऐसी भाषा का प्रयोग क्यों कर रहा हूं। खड़गे जी! मैं योगी हूं, योगी के लिए देश पहले है। राजनीति बाद में। मेरे और आपमे यही अंतर है। मेरे नेता मोदी ने यही बताया है कि हर काम, पहले देश के नाम। आपके लिए कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति पहले है। यही कारण है कि आप न सच्चाई बोल पा रहे हैं, न समझ पा रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि खड़गे जी के परिवार के साथ आजादी के तत्काल बाद घटना घटित हुई थी। खड़गे जी का गांव बारावत्ती हैदराबाद के निजाम के अधीन था। देश की आजादी के पहले अंग्रेजों को लगा कि अब भारत के क्रांतिकारियों के सामने अधिक दिन तक नहीं टिक पाएंगे तो उसने भारत के विभाजन को लेकर रोडमैप तय किया। वे देश में मुस्लिम लीग को देश में प्रोत्साहित करने का कार्य कर ही रहे थे। उस समय कांग्रेस नेतृत्व भी मुस्लिम लीग के सामने सरेंडर कर चुका था। यही कारण था कि मुस्लिम लीग निर्ममता से हिंदुओं को काट रहा था, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व सत्तालोलुप होकर मौन बना था।

सीएम योगी ने कहा कि ब्रिटिशरों ने देसी रियासतों को स्वतंत्रता दी कि वे चाहें तो भारत का हिस्सा बनें, चाहें तो पाकिस्तान का हिस्सा और चाहें तो स्वतंत्र अस्तित्व भी रख सकते हैं। भारत में जूनागढ़ का नवाब और हैदराबाद के निजाम ने खुद को स्वतंत्र रियासत के रूप में स्थापित करने की चेष्टा की। जिस समय लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल गृह मंत्री थे तो हैदराबाद के निजाम को लगा कि बहुत दिनों तक अलग अस्तित्व नहीं बना पाऊंगा, तब उसने निर्ममता से हिंदुओं का कत्लेआम शुरू कराया था।

सीएम योगी ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने हैदराबाद रियासत के सभी अनुसूचित जाति, जनजाति व हिंदुओं का आह्वान किया कि वे वहां सुरक्षित नहीं हैं, महाराष्ट्र की तरफ आ जाएं। उस समय हैदराबाद रियासत के अधीन बारावत्ती गांव भी जलाया गया था। यह मल्लिकार्जुन खड़गे जी का गांव था। इसमें खड़गे जी की मां, चाची और बहन को निजाम के रजाकारों द्वारा जलाया गया, लेकिन खड़गे जी सच्चाई को नहीं बोलना चाहते। उन्हें लगता है कि निजाम पर आरोप लगाऊंगा तो मुस्लिम वोट खिसक जाएगा। कांग्रेस इतिहास को झूठलाने का कार्य कर रही है। निजाम के रजाकारों ने हैदराबाद रियासत के अंदर निर्ममता से हिंदुओं का कत्लेआम किया। गांव के गांव जलाए गए थे। खड़गे जी उस सच्चाई को स्वीकार नहीं करना चाहते। खड़गे जी वोटबैंक की खातिर परिवार के बलिदान को भूल गए। सीएम ने दो टूक कहा कि इनके लिए सत्ता महत्वपूर्ण है, देश नहीं।

स्पोर्ट्स हब के रूप में उभर रहा उत्तर प्रदेश

18,000 से अधिक खेल मैदान बने, 84 स्टेडियम बने

67 हॉल, 38 तरणताल, 15 सिंथेटिक हॉकी स्टेडियम

लखनऊ, 12 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व व निर्देशन में उत्तर प्रदेश खेल के क्षेत्र में भी अपनी प्रतिभा को निखार रहा है। सीएम योगी के प्रयासों से आज प्रदेश स्पोर्ट हब के रूप में उभर कर सामने आ रहा है। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक में खेल के मैदान विकसित कर योगी सरकार खेल के क्षेत्र में युवा प्रतिभाओं को निखारने का काम कर रही है। पिछले साढ़े सात वर्षों में प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में 18 हजार से अधिक खेल के मैदान विकसित किए जा चुके हैं। योगी सरकार प्रदेश के अंदर सभी 57 हजार ग्राम पंचायतों में खेल के मैदान और ओपन जिम, सभी 826 विकासखंड में मिनी स्टेडियम और सभी जनपदों में स्टेडियम के निर्माण के लक्ष्य के साथ लगातार आगे बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से आज प्रदेश के अंदर खेल का माहौल बदला है। खिलाड़ियों के लिए केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रही योगी सरकार द्वारा पिछले साढ़े सात वर्षों में खेल और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए जो नियोजित प्रयास हुए हैं, उसका परिणाम आज सबके सामने है। प्रदेश में आज विश्वविद्यालय स्तर पर लीग और गांव स्तर पर खेल प्रतियोगिताएं शुरू हो चुकी है, जिसने खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का प्लेटफार्म प्रदान किया है। इसके साथ ही प्रदेश में खेल को बढ़ावा देने के लिए कई तरह के कार्यक्रमों को तैयार किया गया है।

योगी सरकार ने खिलाड़ियों के लिए समुचित अवसंरचना तैयार की है। प्रदेश सरकार के आंकड़ों के अनुसार, आज उत्तर प्रदेश में 84 स्टेडियम, 67 बहुद्देश्यीय हॉल, 38 तरणताल, 15 सिंथेटिक हॉकी स्टेडियम और 3 सिंथेटिक रनिंग ट्रैक तैयार हैं। इसके अलावा 2 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, 16 छात्रावास, 47 अत्याधुनिक जिम, 20 सिंथेटिक टेनिस कोर्ट और 19 डॉरमेट्री खिलाड़ियों के लिए तैयार किए जा चुके हैं। वहीं प्रदेश में 2 जूडो हॉल, 13 कुश्ती हॉल, 6 शूटिंग रेंज, 2 इंडोर वॉलीबॉल, 12 वेटलिफ्टिंग हॉल, 14 सिंथेटिक बास्केटबॉल कोर्ट प्रदेश के अंदर बनकर तैयार हुए हैं। खेल और खिलाड़ियों के प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश सरकार बड़े लक्ष्य को ध्यान में रखकर कार्य कर रही है।

ग्रामीण क्षेत्रों में खेल के बुनियादी ढांचे के निर्माण और उन्नयन के लिए सरकार की प्रतिबद्धता न केवल एथलीटों को सशक्त बना रही है बल्कि शहरी और ग्रामीण विभाजन को पाटने के साथ समुदायों के कल्याण को भी बढ़ावा दे रही है। योगी सरकार प्रदेश के अंदर सभी 57 हजार ग्राम पंचायतों में खेल के मैदान और ओपन जिम, सभी 826 विकासखंड में मिनी स्टेडियम और सभी जनपदों में स्टेडियम के निर्माण के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। ग्राम पंचायत स्तर पर खिलाड़ियों के लिए खेल के संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे गांवों में नई प्रतिभाएं तो निखर ही रही है ,साथ ही मनरेगा के तहत इन मैदान का निर्माण होने की वजह से श्रमिकों को निरंतर रोजगार भी मिल रहा है। इस पहल का उद्देश्य बेहतर स्वास्थ्य और गांवों के समग्र सामुदायिक विकास के लिए स्कूली छात्रों और गांव के अन्य सदस्यों के बीच खेलों को प्रोत्साहित करना है।

2017-18 से अब तक 18 हजार से ज्यादा खेल मैदान बनाए जा चुके हैं। ग्राम्य विकास विभाग की ओर से बनाई गई कार्य योजना से खेल मैदानों का निर्माण हो रहा है। 2017 से प्रदेश में लगातार खेल मैदानों का निर्माण किया जा रहा है। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 में 2700 से ज्यादा खेल मैदानों का निर्माण किया जा चुका है जबकि 15 हजार से ज्यादा मैदानों के निर्माण का कार्य प्रगति पर है।

राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी

ट्रस्ट के सीए ने दर्ज कराया मुकदमा

अयोध्या, 12 नवंबर (एजेंसियां)। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर को आरडीएक्स से उड़ाने और बाबरी मस्जिद को तामीर करने की धमकी दिए जाने के मामले में विवेचना अधिकारी रजनीश कुमार पांडेय को कोर्ट ने तलब किया है। अपर सत्र न्यायाधीश तृतीय अशोक कुमार दुबे ने जेल में निरुद्ध अभियुक्त मोहम्मद अमन की जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान सोमवार को यह आदेश दिया है।

न्यायालय ने घटना की विवेचना कर रहे उपनिरीक्षक रजनीश कुमार पांडेय को मूल केस डायरी व उसके सभी प्रपत्रों के साथ कोर्ट में 11 नवंबर को उपस्थित होने का आदेश दिया है। अभियोजन पक्ष के मुताबिक

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के हेल्प डेस्क नंबर के व्हाट्सएप पर 22 अगस्त, 2024 को छह बजे संदेश आया। उर्दू भाषा में लिखे संदेश में राम जन्मभूमि मंदिर को चार हजार किलो आरडीएक्स से नष्ट करने की धमकी दी गई। ट्रस्ट के सीए चंदन कुमार राय के प्रार्थना पत्र पर थाना राम जन्मभूमि में अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया। मुकदमा की विवेचना के दौरान बिहार प्रांत के भागलपुर जिले के बबरगंज निवासी मोहम्मद अमन का नाम प्रकाश में आया।

संपादकीय

जलवायु कोष का सम्मेलन

संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन का सालाना सम्मेलन 'कॉप 29' अजरबेजान की राजधानी बाकू में 11 नवंबर से शुरू हुआ है। सम्मेलन और संवाद करीब 15 दिनों तक चलेंगे। सम्मेलन का बुनियादी थीम 'वित्तपोषण' तय किया गया है। करीब 15 साल के बाद जलवायु कोष और संसाधनों के दिशा-निर्देश तय किए जाएंगे। जलवायु परिवर्तन के क्रांतिकारी प्रयास निरंतर जारी रहें, उनके लिए आर्थिक संसाधनों की ऐसी चिंता पहली बार की गई है। यह सिर्फ विकासशील, गरीब, पिछड़े देशों की ही समस्या नहीं है, बल्कि बड़े और विकसित देश भी चक्रवात, तूफान, बाढ़ जैसी बारिश, मरुस्थल जैसे सूखे और बढ़ती गर्मी को झेलते रहे हैं। वहां भी व्यापक नुकसान होता है, लोग हताहत होते हैं। जलवायु की गर्मी और निरंतर परिवर्तन वैश्विक समस्या है। जब 'कॉप 29' का सम्मेलन आरंभ हुआ है, तब दुनिया के सबसे ताकतवर देश अमरीका में डोनाल्ड ट्रंप नए राष्ट्रपति चुने गए हैं। ट्रंप ने पिछले कार्यकाल में 'पेरिस जलवायु समझौते' को खारिज करते हुए अमरीका को उससे अलग कर लिया था। इस बार जब राष्ट्रपति ट्रंप का दूसरा कार्यकाल शुरू होगा, तब भी अमरीका की सोच और रवैया पूर्ववत ही होगा, ऐसे संकेत मिल रहे हैं। 'कॉप 29' के सामने अनिश्चित भविष्य और वित्तीय संकट हैं। जलवायु परिवर्तन के 2009 के 'कोपेनहेगन सम्मेलन' के दौरान तय किया गया था कि विकसित देश 2020 तक 100 अरब डॉलर प्रति वर्ष का कोष जुटाएंगे। उससे कमजोर, गरीब, विकासशील देशों की मदद की जाएगी, ताकि वे जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को संबोधित कर सकें। 2022 तक लक्ष्य आंशिक तौर पर ही हासिल किया जा सका। इस दौरान 'ग्लोबल साउथ' के वित्तीय बोझ उससे कई गुना बढ़ गए, जिसके अनुमान 'कोपेनहेगन सम्मेलन' के दौरान लगाए गए थे। 'कॉप 29' बाकू में नया वित्तीय लक्ष्य तय करेगा। चूंकि अमरीका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और सबसे अधिक 'ग्रीन हाउस गैसों' का उत्सर्जन भी करता है, लिहाजा अमरीका को अपनी जिम्मेदारियों से भागना नहीं चाहिए। यदि ऐसा होता है और अमरीका जलवायु परिवर्तन समझौते से अलग रहता है, तो 'कॉप 29' के लक्ष्यों को पूरा नहीं किया जा सकता। इस बार चीन और खाड़ी देशों के वित्तीय योगदान के भी प्रयास किए जा रहे हैं। जो देश ऐसे योगदान से इंकार करते रहे हैं, क्योंकि उन देशों के लिए जलवायु संकट के हालात नहीं हैं, उनसे भी आर्थिक मदद मांगी जाएगी। उन देशों का प्रति व्यक्ति उत्सर्जन अमीर पश्चिमी देशों की तुलना में नगण्य-सा है। तेल और गैस का योजनाबद्ध विस्तार का आधे से ज्यादा हिस्सा पांच अमीर देशों का ही है। यह गौरतलब रहेगा कि बाकू सम्मेलन के दौरान भू-राजनीतिक न्याय, विकास और कर्ज सरीखे मुद्दों पर क्या संवाद होता है और क्या निष्कर्ष सामने आते हैं? लेकिन यह बिल्कुल ही 'विनाश और अंधकार' की स्थिति नहीं है। 'कॉप फेमवर्क' के समानांतर निजी क्षेत्र ने भी अपनी प्रतिबद्धताएं निभाई हैं। सरकारों और जनहितैषी वर्ग ने भी काम किए हैं। नवीकरणीय ऊर्जा पहले की अपेक्षा सस्ती है। सौर ऊर्जा भी पिछले दशक की तुलना में 90 फीसदी सस्ती हुई है। बैटरी भंडारण और पवन ऊर्जा में भी नाटकीय सुधार हुए हैं। चीन का उत्सर्जन चरम पर पहुंच चुका है और अब दशक के अंत तक कम होना शुरू हो जाएगा। फिर भी ये विकास, सुधार और प्रयास जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के सामने 'बौने' हैं। बाकू सम्मेलन इस मुद्दे पर बंटे हुए विश्व को एकजुट करने का प्रयास साबित होगा, वैश्विक हित सामूहिक होंगे, यह 15 दिन के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा। इस बार सम्मेलन ज्यादा मजबूत आधार पर शुरू हुआ है, संवाद भी सशक्त रूप से होंगे। अभी तक कॉप के प्रतिनिधि एक खास तरह का कोष गठित करने पर सहमत हुए हैं। भारत यह मांग करने में अग्रसर रहा है कि देशों को 2030 तक एक ट्रिलियन डॉलर का कोष जुटाना चाहिए। भारत और चीन समेत कई देश जलवायु कोष को लेकर सख्त संवाद कर सकते हैं।

जलवायु परिवर्तन के क्रांतिकारी प्रयास निरंतर जारी रहें, उनके लिए आर्थिक संसाधनों की ऐसी चिंता पहली बार की गई है। यह सिर्फ विकासशील, गरीब, पिछड़े देशों की ही समस्या नहीं है, बल्कि बड़े और विकसित देश भी चक्रवात, तूफान, बाढ़ जैसी बारिश, मरुस्थल जैसे सूखे और बढ़ती गर्मी को झेलते रहे हैं। वहां भी व्यापक नुकसान होता है, लोग हताहत होते हैं। जलवायु की गर्मी और निरंतर परिवर्तन वैश्विक समस्या है। जब 'कॉप 29' का सम्मेलन आरंभ हुआ है, तब दुनिया के सबसे ताकतवर देश अमरीका में डोनाल्ड ट्रंप नए राष्ट्रपति चुने गए हैं। ट्रंप ने पिछले कार्यकाल में 'पेरिस जलवायु समझौते' को खारिज करते हुए अमरीका को उससे अलग कर लिया था।

कई प्रकार की खतरनाक बीमारियां जन्म ले रही हैं और लाखों लोग असमय ही काल के ग्रास बन रहे

वायु प्रदूषण के कारण संकट में बचपन

योगेश कुमार गोयल

दिल्ली और आसपास के कई क्षेत्रों में वायु प्रदूषण की समस्या बेहद गंभीर बनी हुई है, जहां कुछ जगहों पर एक्यूआई (वायु गुणवत्ता सूचकांक) 400 के पार है, जबकि यह 50 से कम रहना चाहिए। मौसम में ठंड की शुरुआत होते ही यह हर साल की कहानी है। हाल ही में नीदरलैंड के एल्सेवियर जर्नल में प्रकाशित हुए आईआईटी दिल्ली के वायुमंडलीय विज्ञान अध्ययन केंद्र द्वारा किए गए अध्ययन में यह तथ्य सामने आया है कि दिल्ली में जून और अक्तूबर में प्रदूषण बाहरी कारकों से होता है, लेकिन सर्दियों में गंभीर प्रदूषण के लिए 72 प्रतिशत प्रदूषकों में स्थानीय कारक शामिल होते हैं। ऐसे में प्रदूषण कम करने के लिए समग्र योजना बनाने की जरूरत पर जोर दिया गया है।

देश के कई इलाकों में इन दिनों वायु प्रदूषण को लेकर स्थिति बहुत विकराल है। दिल्ली और आसपास के कई क्षेत्रों में वायु प्रदूषण की समस्या बेहद गंभीर बनी हुई है, जहां कुछ जगहों पर एक्यूआई (वायु गुणवत्ता सूचकांक) 400 के पार है, जबकि यह 50 से कम रहना चाहिए। मौसम में ठंड की शुरुआत होते ही यह हर साल की कहानी है। हाल ही में नीदरलैंड के एल्सेवियर जर्नल में प्रकाशित हुए आईआईटी दिल्ली के वायुमंडलीय विज्ञान अध्ययन केंद्र द्वारा किए गए अध्ययन में यह तथ्य सामने आया है कि दिल्ली में जून और अक्तूबर में प्रदूषण बाहरी कारकों से होता है, लेकिन सर्दियों में गंभीर प्रदूषण के लिए 72 प्रतिशत प्रदूषकों में स्थानीय कारक शामिल होते हैं। ऐसे में प्रदूषण कम करने के लिए समग्र योजना बनाने की जरूरत पर जोर दिया गया है। वैसे वायु प्रदूषण अब एक वैश्विक समस्या बन चुका है, जिससे कई प्रकार की खतरनाक बीमारियां जन्म ले रही हैं और लाखों लोग असमय ही काल के ग्रास बन रहे हैं। वल्ड हेल्थ फेडरेशन की एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले एक दशक में वायु प्रदूषण के कारण दिल की बीमारियों से होने वाली मौतों में करीब 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है। रिपोर्ट के अनुसार हवा में छोटे प्रदूषक (अदृश्य कण) हृदय की लय, रक्त के थक्के जमने, धमनियों में प्लाक बनने और रक्तचाप को प्रभावित कर रहे हैं। वायु प्रदूषण का खतरा सबसे ज्यादा छोटे बच्चों के स्वास्थ्य पर बना है क्योंकि वे बहुत संवेदनशील होते हैं और जहरीली हवा की चपेट में जल्दी आते हैं। दरअसल वयस्कों की तुलना में छोटे बच्चे ज्यादा तेज गति से सांस लेते हैं, जिससे उनके शरीर में प्रदूषण के कण तेजी से तथा ज्यादा मात्रा में चले जाते हैं। इसी कारण वायु प्रदूषण छोटे बच्चों को बहुत जल्दी अपनी चपेट में लेता है और उनमें अस्थमा से लेकर फेफड़ों के संक्रमण तक कई बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है। वायु प्रदूषण से बच्चों के मस्तिष्क और दूसरे अंगों पर भी प्रभाव पड़ता है। देश की राजधानी दिल्ली हो या देश के अन्य प्रदूषित इलाके, छोटे-छोटे बच्चे वायु प्रदूषण की चपेट में सबसे ज्यादा आ रहे हैं। हवा में बढ़ती नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसें और प्रदूषक कण बच्चों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डालते हैं। प्रदूषित हवा में जो जहरीले 2.5 नैनोपार्टिकल होते हैं, वे छोटे

बच्चों के फेफड़ों की गहराई तक पहुंचकर उन्हें बीमार बना रहे हैं। वायु प्रदूषण छोटे बच्चों की श्वसन प्रणाली को बहुत जल्द अपनी चपेट में लेता है, जिससे उनका इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाता है। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के अनुसार, बच्चों में प्रदूषित हवा के कारण निमोनिया, फेफड़ों की समस्याएं, कमजोर दिल, ब्रोंकाइटिस, साइनस और अस्थमा जैसी बीमारियों का प्रकोप बढ़ जाता है। प्रदूषित हवा के कारण फेफड़े कमजोर होने से बच्चे अन्य बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाते हैं। वायु प्रदूषण के कारण समय पूर्व प्रसव या फिर कम वजन वाले बच्चे पैदा होते हैं और ये दोनों ही शिशुओं की मृत्यु के प्रमुख कारण हैं। अत्यधिक प्रदूषण में पलने वाले बच्चे अगर बच भी जाते हैं, तब भी उनका बचपन अनेक रोगों से घिरा रहता है। बच्चों पर वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों को लेकर दुनियाभर में समय-समय पर परेशान करने वाली रिपोर्टें सामने आती रही हैं। किसी नवजात का स्वास्थ्य किसी भी समाज के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण होता है, लेकिन बेहद चिंताजनक स्थिति है कि कई अध्ययनों में बताया जा चुका है कि गर्भ में पल रहे शिशुओं पर भी वायु प्रदूषण का घातक असर पड़ता है। एम्स द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार वायु प्रदूषण गर्भ में पल रहे बच्चे के लिए बहुत ज्यादा खतरनाक है। अधिक प्रदूषित क्षेत्रों में रह रही माताओं के नवजात शिशु के फेफड़े सिकुडने का भी खतरा होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के मुताबिक वायु प्रदूषण बच्चों के दिमाग को भी कमजोर कर रहा है। यूनीसेफ की 'डेंजर इन एयर' रिपोर्ट के अनुसार भी बढ़ता प्रदूषण दिमाग को खराब कर सकता है, जिससे बच्चों के दिमागी विकास पर असर पड़ता है। रिपोर्ट के मुताबिक प्रदूषित कण फेफड़ों के जरिये शरीर के कई दूसरे अंगों को भी नुकसान पहुंचाते हैं और कुछ मामलों में ये बच्चों की दिमाग की कार्यप्रणाली पर भी असर डाल सकते हैं। हालांकि प्रदूषण का सीधा संबंध दिमाग की कार्यप्रणाली से नहीं है, लेकिन लंबे समय तक प्रदूषण रहने पर यह गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है। बढ़ते प्रदूषण के कारण हवा में नाइट्रोजन, सल्फर जैसी विषाक्त गैसों का स्तर बहुत ज्यादा हो गया है और जब बच्चे सांस के जरिये इसी प्रदूषित हवा को अपने शरीर में लेते हैं तो इसका सीधा असर उनके स्वास्थ्य और विकास पर पड़ता है। ये विषाक्त गैसें बच्चों के दिमाग तक पहुंचकर उनके मानसिक और बौद्धिक विकास को धीमा कर देती हैं। नॉर्थ कैरोलिना के ड्यूक विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने दो हजार से भी ज्यादा लोगों पर एक व्यापक अध्ययन किया और अध्ययन के दौरान बच्चों की मानसिक सेहत पर वायु प्रदूषण के प्रभावों का आकलन किया गया। कई दशकों के आंकड़ों का विश्लेषण करने पर अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि शहरों में प्रदूषित वायु और वायु प्रदूषण के बीच पलने-बढने वाले बच्चों में वयस्कावस्था में मानसिक सेहत संबंधी विकार होने की संभावना सबसे ज्यादा होती है। बच्चों पर प्रदूषण के कहर को लेकर वैश्विक स्तर पर कई चिंता पैदा करने वाली रिपोर्टें आ चुकी हैं। यूनीसेफ द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट में बताया जा चुका है कि भारत में लगभग सभी स्थानों पर वायु प्रदूषण निर्धारित सीमा से अधिक है, जिससे बच्चे सांस, दमा तथा फेफड़ों से संबंधित बीमारियों और अल्प विकसित मस्तिष्क के शिकार हो रहे हैं। पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु में से दस फीसदी से अधिक की मौत वायु प्रदूषण के कारण उत्पन्न होने वाली सांस संबंधी बीमारियों के कारण होती हैं। भारत में बच्चों के मस्तिष्क की कार्यप्रणाली वायु प्रदूषण के कारण प्रभावित हो रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वायु प्रदूषण के कारण बच्चे मंदबुद्धि हो रहे हैं, जन्म के समय कम वजन के बच्चे पैदा हो रहे हैं। गर्भ में भी बच्चे वायु प्रदूषण के प्रभाव से अछूते नहीं हैं, उनका तंत्रिका तंत्र प्रभावित हो रहा है। बच्चों में सांस संबंधी बीमारियां बढ़ रही हैं, उनमें दमा और हृदय रोगों के मामले बढ़ रहे हैं और वायु प्रदूषण के कारण हर साल लाखों बच्चों की मौत वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों के कारण हो रही हैं।

दृष्टि कोण

जवाहर लाल नेहरु की महान शख्सियत

स्वतंत्रता प्राप्ति पर जवाहर लाल नेहरु भारत के पहले प्रधानमंत्री बने। वह 17 वर्ष प्रधानमंत्री बने रहे। नेहरु एक ऐसी शख्सियत थे जो महान थे। उनके सबसे करीबी सरदार पटेल जी थे। जब भारत का बंटवारा हुआ, उस समय बहुत से शरणार्थी भारत आए। उनको शरण देना, बसाना और उनके लिए खाद्यान्न की व्यवस्था करना बहुत ही कठिन कार्य था। इसके साथ बहुत सी रियासतों को भारत में विलय करने का कार्य और भी मुश्किल था। कुछ समृद्ध तथा रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण रियासतों को उनके राजाओं के अनुसार मांगी गई सुविधाएं देकर भारत में मिलाया गया। यह उस समय अहम था, चाहे आज इन विशेष सुविधाओं को देने के लिए जवाहर लाल नेहरु की मुखालफत होती है। परंतु नेहरु ने सरदार पटेल की सहायता से इस कार्य को बखूबी निभाया। भारत में उस समय भुखमरी थी। अनाज की कमी थी। सडकें कम थी, उद्योग आदि बहुत कम थे। देश के पास पैसा एवं साधन बहुत कम थे, परंतु नेहरु जी ने अपनी सूझबूझ से इनका सामना किया। उन्होंने भारत में आर्थिक विकास के लिए मिश्रित अर्थव्यवस्था का मॉडल दिया, जिसमें सार्वजनिक क्षेत्र में बड़े-बड़े उद्योग लगवाए। इनके लिए वित्त का प्रबंध किया। लोगों को रोजगार के साधन उपलब्ध करवाए। उद्योगों में स्टील, बिजली आदि की बुनियादी सुविधाएं देने वाले उद्योग लगाए तथा नियोजन के द्वारा आधारभूत उद्योगों को महत्व दिया गया। यह भारत जैसे विकासशील देश के लिए जरूरी था, क्योंकि यहां गरीबी, बेरोजगारी, असमानता, अशिक्षा और लोगों का जीवन स्तर बहुत ही निचले स्तर पर था। उन्होंने पंचवर्षीय योजनाओं के द्वारा बुनियादी ढांचे के विकास के साथ-साथ सामाजिक विकास द्वारा आर्थिक वृद्धि को महत्व दिया। इसके लिए रोजगार के साधनों को बढ़ा कर, आय में असमानता को कम करना, समतामूलक समाज बनाने के लिए लोगों में मूल्यों और दृष्टिकोण का निर्माण करना आदि शामिल था। उन्होंने ही आधुनिक धर्मनिरपेक्ष संसदीय लोकतंत्र को बहुत कुछ योगदान दिया। मौलिक अधिकारों की हमेशा ही उन्होंने रक्षा की। आत्मनिर्भरता की ओर ही नेहरु जी भारत को आगे ले गए थे। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों के लिए सामुदायिक विकास कार्यक्रम और 1952 तथा 1959 में पंचायती राज शुरू किए। वह भारत के एक सफल प्रधानमंत्री कहलाए। नेहरु का जन्म 14 नवंबर 1889 को इलाहाबाद में हुआ। अपनी कानून की डिग्री कैमब्रिज विश्वविद्यालय से पूरी की। 1912 में भारत लौट कर वकालत शुरू की। 1916 में कमला नेहरु से शादी की। 1917 में होमरूल लीग में शामिल हुए। राजनीति में असली प्रशिक्षण 1919 में शुरू हुआ जब नेहरु महात्मा गांधी के संपर्क में आए। नेहरु ने आजादी के संग्राम में अहम भूमिका निभाई। वह 9 बार जेल गए। जवाहर लाल नेहरु एक ऐसे सहिष्णु राजनेता थे जो विध्वंसक दौर में भी रचनात्मक कार्यों मे संलग्न रहे। नेहरु ने 4 महत्वपूर्ण रचनाओं को लिखा, जिनमें पिता के पत्र पुत्री के नाम 1929, ग्लिंपसेज ऑफ वल्ड हिस्ट्री 1933, ऐन आटोबायोग्राफी 1936 व डिस्कवरी ऑफ इंडिया 1946 शामिल हैं। उनका चिंतन मानववादी था। उनका दृष्टिकोण पश्चिमी व आधुनिक था। वह भारतीय परिस्थितियों की जटिलताओं से भली-भांति परिचित थे। उनके दृष्टिकोण में लोकतंत्र, समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता आपस में घनिष्ठ रूप से जुड़े थे। नेहरु जी की रचनाओं से जब हम गुजरते हैं और उनके निजी तथा सार्वजनिक जीवन की निष्पक्ष जांच करते हैं, तो पाते हैं नेहरु आधुनिक भारत के निर्माण के वास्तुकार थे। जवाहर लाल नेहरु को बच्चों से विशेष लगाव था। उन्हें अक्सर चाचा नेहरु के नाम से पुकारा जाता है। उनका मानना था कि बच्चे देश का भविष्य होते हैं। उनका उचित विकास ही देश के विकास का आधार होगा। आजादी के बाद पंडित नेहरु ने कई अहम फैसले लिए जिनमें शिक्षा क्षेत्र, सामाजिक सुधार, आर्थिक क्षेत्र, राष्ट्रीय सुरक्षा, औद्योगिक क्षेत्र आदि शामिल हैं। उन्होंने भाखड़ा बांध, रिहंद बांध, बोकारो स्टील प्लांट, राउरकेला, भिलाई, दुर्गापुर स्टील प्लांट स्थापित/समझौते किए। आईआईटी, आईआईएम, एम्स और विश्वविद्यालयों की स्थापना की। उन्होंने 5 आईआईटी स्थापित की, वो हैं खडग़पुर, बॉम्बे, मद्रास, कानपुर और दिल्ली। इनको स्थापित कर औद्योगिक तथा अंतरिक्ष क्षेत्र में टॉप टेलैंट तैयार किए। इसके अलावा इंडियन स्कूल ऑफ माइनिज, कृषि विश्वविद्यालय, आल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र, सर सीवी रमन (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस), होमी जे भाभा (भाभा एटोमिक रिसर्च सेंटर), सतीश धवन (इंडियन स्पेस रिसर्च आर्गेनाइजेशन) तथा अन्य कई संस्थान स्पेस तथा साइंटिफिक अध्ययन एवं रिसर्च के लिए खोले। उन्होंने 1948 में परमाणु ऊर्जा आयोग की स्थापना की। पहला परमाणु रिएक्टर (बॉम्बे) अगस्त 1956 में शुरू किया। थुंबा में रॉकेट लॉन्चिंग फैसिलिटी स्थापित की।

कुछ अलग

समोसा, हाय समोसा!

बुरा हो पेट की उस बीमारी का, जो किसी भी आम-ओ-ख़ास को समोसा खाने से रोकती है। पर सवा सत्यानाश उस राजनीति का, जिसने रोटी के बाद अब समोसे को भी आम आदमी की प्लेट से बाहर खींच कर सोशल मीडिया पर इतना वायरल किया कि हिमाचल में नेता विपक्ष के साथ आम लोग भी समोसे खाकर अपने फोटो तमाम सोशल प्लेटफॉर्म पर डालने लगे। बेचारा एक आदमी जो अपनी पेट की बीमारी के चलते एक समोसा तक नहीं खा सकता, उसके साथ समोसे को जोडऩा उतना ही दुःखदायी है जितना किसी ईमानदार आदमी के साथ रिश्वत का जोड़ा जाना। मुख्यमंत्री को इस मुद्दे पर अपनी सफाई देने के लिए एक प्रेस कान्फ्रेंस अवश्य करनी चाहिए। भ्रष्टाचार पर भले कोई प्रेस कान्फ्रेंस हो या न हो, लेकिन सीएम को ऑन कैमरा बताना चाहिए कि उन्हें समोसा खाए मुद्दत हो गई। लेकिन अफसोस! बेचारे चचा ग़ालिब की तरह सरेआम यह भी नहीं कह सकते 'हुई मुद्दत कि समोसा खाए पर याद आता है वो हर इक बात पर कहना कि समोसा यूं खाता तो क्या होता।' इधर मैं यह सोच कर परेशान हूं कि खाड़ी युद्ध के चलते दुनिया तीसरे विश्व युद्ध के कगार पर खड़ी है और अगर उससे बच भी गए तो ग्लोबल वार्मिंग के चलते सन् 2030 तक जान के लाले पडऩे वाले हैं, पर हिमाचली विपक्ष है कि सीएम के समोसे के पीछे पड़ा है। मैं दिन-रात इस चिंता में डूबा रहता हूं कि अठतीस साल की सरकारी नौकरी में अपनी नैसर्गिकता खोने के बावजूद राज्य मुझे बुढ़ापे में कितने दिन पेंशन दे पाएगा। सरकार और विपक्ष मिलकर प्रदेश को आर्थिक बदहाली में धकेल रहे हैं, प्रदेश के संसाधन एवं हित गिरवी पड़े हैं, पर दोनों की नज़र है कि कुरसी से हटती ही नहीं। विपक्ष 'येन केन प्रकारेण' सत्ता पर क़ाबिज़ होना चाह रहा है। हो सकता है समोसे सर्व करने वालों ने सोचा हो कि साहिब से ज़्यादा ज़रूरी है उनके गणों की पूजा और सेवा। इसी चक्कर में सीएम को समोसे देना भूल गए हों या क्या पता सीएम स्टाफ में शामिल चटोरों ने बताया हो कि साहिब समोसे नहीं खाते। सारे समोसों पर सीएम स्टाफ हाथ साफ कर गया हो। लेकिन अंदर बैठे पुलिस के बड़े साहिब तो समोसे खाते हैं। मामला उनको समोसे न परोसे जाने पर ही बिगड़ा। सीएम तो समोसे सर्व किए जाने पर भी खाने से मना कर देते। सीआईडी के बड़े साहिब जो सुबह से मुंह में समोसों का स्वाद भर रहे थे, समोसे न मिलने पर इतने व्यथित हुए होंगे कि सभी की क्लास लगा डाली होगी। उन्होंने गुस्से में कहा होगा, 'मामले की जांच की जाए और पता लगाया जाए कि किसने मा-बदौलत की शान में समोसे नहीं परोसे?' उधर प्रमोशन के इंतज़ार में बैठे उनके मातहत अधिकारी ने सोचा होगा कि साहिब को ख़ुश कर दिया जाए तो प्रमोशन जल्दी होगी। उसने लिखित जांच के आदेश दिए। तभी डीएसपी, भराड़ी ने जांच कैसे शुरू की और उसकी हस्ताक्षरित जांच रिपोर्ट मीडिया में वायरल हुई। इसके बाद डीजी साहिब समोसे के लोभ की तरह कैमरे पर आने का मोह न रोक पाए और ऑन कैमरा सफाई के चक्कर में सीआईडी और सरकार दोनों की मिट्टी पलीद कर दी। रही-सही कसर सीआईडी द्वारा जारी स्पष्टीकरण ने कर पूरी कर दी। डीजी के पास भले प्रदेश में फैल रहे नशे के जाल या भ्रष्टाचार से निपटने की चुनौती हो या न हो, पर उन्होंने ऑन कैमरा कहा कि सीआईडी के सामने चैलेंज आया है। वह इसको स्वीकार करते हैं और पता लगाएंगे कि समोसों का क्या हुआ? हो सकता है कि बड़े साहिब ख़ुद मामले की जांच करें।

देश दुनिया से

जम्मू कश्मीर में फिर 370 का राग क्यों अलापा जा रहा है?

जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव के परिणाम के बाद नई प्रदेश सरकार ने फिर से पुराने एजेंडे पर काम करना प्रारम्भ कर दिया है। इससे निश्चित ही यह संकेत मिलता है कि जिस धारा 370 और 35ए के कारण कश्मीर को शेष भारत से अलग दिखने जैसी स्थिति दिखती थी, वैसी ही स्थिति पैदा करने का प्रयास नई सरकार यानी कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा किया जा रहा है। राज्य की नई सरकार का यह कदम पाकिस्तान के हौसले बढ़ाने वाला ही लगता है, क्योंकि पाकिस्तान धारा 370 के कारण ही कश्मीर को अपना बताने का कुचक्र रचता रहा है। धारा 370 के बहाने राज्य को मिले विशेष अधिकारों के चलते ही पाकिस्तान ने अपना नेटवर्क स्थापित किया था, जिसके कारण वहां के नागरिक भारतीय सेना के प्रति अलगाव का व्यवहार करते दिखाई दिए। उस समय पाकिस्तान परस्त आतंकी कश्मीर में युवाओं को भ्रमित करते रहते थे। अब उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार ने जम्मू कश्मीर में फिर से अलगाव के बीज रोपित करने का काम किया है। जिसमें कांग्रेस की भी भागीदारी है। हालांकि कांग्रेस सरकार में शामिल नहीं है, बाहर से समर्थन दे रही है। जम्मू कश्मीर में जब धारा 370 कायम थी, तब राज्य ने क्या खोया था, यह पूरा देश जानता है। घाटी में पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकी घटनाएं होती रहती थी। वर्तमान केंद्र सरकार ने धारा 370 हटाकर कश्मीर को शेष भारत से समरस करने का काम किया है। इसीलिए आज जम्मू कश्मीर आतंकी गतिविधियों पर लगाम लगा पाने में बहुत हद तक सफल हुआ है। वर्तमान में पूरे देश में समान नागरिक संहिता को लागू करने के स्वर मुखरित होने लगे हैं। समान नागरिक क़ानून निश्चित ही सभी नागरिकों को समान अधिकार देने का हिमायती है, लेकिन दूसरी ओर जम्मू कश्मीर में अलग संविधान को मान्यता देने वाली धारा 370 को लाने का प्रयत्न किया जा रहा है। यह धारा जम्मू कश्मीर को अलग पहचान देने का काम करती है। इसके चलते कश्मीर का संविधान और ध्वज अलग हो जाएगा, जो भारत के संविधान और तिरंगा से अलग होगा। यह स्थिति डॉ. भीमराव अम्बेडकर के संविधान से अलग प्रकार की होगी। ऐसे में कांग्रेस नेता राहुल गांधी का वह बयान स्वतः ही ख़ारिज हो जाता है, जिसमें वह कहते हैं कि भाजपा संविधान फाड़कर फेंकना चाहती है। इसका एक आशय यह भी प्रादुर्भित होता है कि कांग्रेस संविधान को बचाना चाहती है, लेकिन कांग्रेस कौन से संविधान को बचाना चाहती है, यह और स्पष्ट करना चाहिए, क्योंकि बाबा साहब अम्बेडकर कभी भी जम्मू कश्मीर को अलग दरजा देने के पक्ष में नहीं थे। उन्होंने संविधान में इसको जोड़ने से इंकार कर दिया था। अम्बेडकर जी के मना करने के बाद शेख अब्दुल्ला, प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के पास पहुंचे, जिन्होंने बाबा साहेब अम्बेडकर की भावना को दफ़न करते हुए शेख अब्दुल्ला को प्रसन्न करते हुए धारा 370 का समावेश संविधान में करा दिया। आज कांग्रेस भले ही इस बात का दम्भ भरे कि वह संविधान को बचाना चाहती है, लेकिन कांग्रेस के कार्य ऐसे लगते नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस की सरकार ने ही आपातकाल लगाकर भारत के नागरिकों के सारे अधिकार छीन लिए थे, जो बहुत बड़ा संविधान विरोधी कदम था। क्योंकि उस समय आपातकाल लगाने जैसी स्थिति नहीं थी। यह सारा खेल अपनी कुर्सी को बचाने के लिए किया गया था। आपातकाल संविधान की हत्या करने जैसा ही था। पांच वर्ष पूर्व केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने अपने वादे के मुताबिक जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा प्रदान करने वाली धारा 370 और 35ए को विलोपित कर दिया। उल्लेखनीय है कि भाजपा का यह कदम किसी भी प्रकार से किसी के विरोध में इसलिए नहीं कहा जा सकता, क्योंकि भाजपा के हर घोषणा पत्र में इस धारा को हटाने की बात की। इन्हीं वादों को पूरा करने के लिए भाजपा को समर्थन मिला। ज़ब जनता ने भाजपा के वादों को पूरा करने के लिए समर्थन दिया, तब स्वाभाविक रूप से यही कहा जा सकता है कि भाजपा ने वही काम किया, जो जनता चाहती थी। अब जम्मू कश्मीर में भारत का संविधान चलता है, राज्य का अपना कोई संविधान नहीं है। इतना ही नहीं जम्मू कश्मीर अब केंद्र शासित प्रदेश है। इसलिए उसके संवैधानिक अधिकार सीमित हैं। इसलिए जम्मू कश्मीर की सरकार संविधान में बदलाव करने का कोई संवैधानिक हक नहीं रखती। यह केंद्र सरकार का काम है। राज्य कोई विधेयक पारित तो कर सकता है, लेकिन वह विधेयक तब तक लागू नहीं हो सकता, ज़ब तक केंद्र की सरकार न चाहे। इसलिए यह कहा जा सकता है कि राज्य की नवगठित सरकार का यह कदम केवल राजनीतिक लाभ के लिए है। देश में कई विपक्षी राजनीतिक दलों ने एक साथ आकर इंडी गठबंधन बनाया है। यह गठबंधन बार बार संविधान बचाने की बात करता रहता है, लेकिन सवाल यह है कि जम्मू कश्मीर में धारा 370 को बहाल करने वाले विधेयक पर कोई भी बोलने को तैयार नहीं है। इसे मौन समर्थन भी माना जा सकता है। कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस की ऐसी कौन सी राजनीतिक मजबूरी है जो धारा 370 और 35ए की बहाली के लिए उनको मजबूर कर रही है। क्या इन दलों को यह पता नहीं है कि इन्हीं कानूनों के कारण ही कश्मीर हिन्दू विहीन हो गया है। क्या यह दल फिर से कश्मीर घाटी को उसी स्थिति में ले जाना चाहते हैं। देश में एक समान क़ानून होना चाहिए, यह सभी चाहते हैं। लेकिन जम्मू कश्मीर में इसका प्रयोग नहीं किया जा रहा है। जम्मू कश्मीर में अगर धारा 370 बहाल हो जाती है तो निश्चित ही पाकिस्तान परस्त मानसिकता फिर से हाबी हो सकती है और जम्मू कश्मीर फिर से अलगाव की स्थिति में आ सकता है। ऐसी स्थिति न बने, इसलिए कश्मीर में भी देश का संविधान ही लागू रहे, यह समय की मांग है और यह कदम जम्मू कश्मीर के हित का भी है।

आप का नजरिया

हमारे पैमानों की अरदास

बातें तो अच्छी कर गए केंद्रीय ऊर्जा तथा आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर, लेकिन मसलों पर गिरी बर्फ पिघलनी चाहिए। चिट्ठियां बहुत पहले की निकली हुईं, लेकिन डाकिया हर बार घर भूल जाता। एक बार फिर हिमाचली मसलों का मंच सजा और एक केंद्रीय मंत्री की गवाही में हमारी आशाएं गुनगुनाने लगीं। हमारा खजाना, हमारी आत्मनिर्भरता का पैमाना तब-तब खुश हो जाता, जब-जब लगता है कि पंजाब पुनर्गठन के 58 साल बाद कहीं तो कोई हमारे हक की बात सुन रहा है। इस बार मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू सुना रहे थे और सामने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर के सामने सारे पैमाने अरदास कर रहे थे। एक सौ दस मैगावाट का शानन विद्युत प्रोजेक्ट इस बैठक से सिर्फ आजादी का एक पन्ना मांगता रहा। वह पन्ना जिसके ऊपर लिखी रसीद बताती है कि सदी पूर्व लीज पर रखी शानन विद्युत परियोजना की नींव अब अपनी वैधता खो चुकी है। जल, जंगल और जमीन की पैरवी करता आज का हिमाचल जिस सतह पर खड़ा है, वहां पंजाब पुनर्गठन के अवशेष पूरी तरह हिमाचली हैं तो फिर शानन परियोजना के मालिकाना हक की बेडियां टूटनी चाहिएं। एसजेवीएन के ताले में बंद ऊर्जा नीति की रूपरेखा का सवाल पुनः केंद्रीय मंत्री के हवाले न्याय की परिपाटी खोज रहा है। बिजली उत्पादन से जुड़ी रॉयल्टी अगर एक फार्मूले के तहत लागू है तो केंद्र सरकार के सार्वजनिक उपक्रम कौनसा सुरमा आंखों में डाले हैं जो आज तक जायज देनदारी पर कुंडली मार कर बैठे हैं। रॉयल्टी के पैमाने तीस प्रतिशत तक पहुंच कर भी असहाय बनाए जा रहे हैं, तो यह प्रश्न देश के संघीय ढांचे और उस सहमति पत्र से है, जो एक फार्मूले के तहत पहले बारह वर्षों में 12 प्रतिशत, अगले अठारह वर्षों के लिए 18 और अंतिम चरण के दस वर्षों में रॉयल्टी का आंकड़ा तीस प्रतिशत पहुंचा देता है, लेकिन इसके विपरीत एसजेवीएन कुंडली मार कर बैठा है। केंद्र सरकार के पास यह मसला वर्षों से संघीय ढांचे के तहत राज्य के अधिकार की नुमाइंदगी कर रहा है, लेकिन सरकारें इस विषय पर सदैव मौन होती रही हैं। सवाल हिमाचल की जन्मपत्री का है, जिसे पंजाब पुनर्गठन के साथ और बाद में पर्वतीय राज्य की उम्मीदों से लिखा गया है। मनोहर लाल खट्टर के आगमन की सुगबुगाहट में जाठिया देवी उपग्रह शहर के मंसूबे झांकने लगे हैं। परियोजना के संदर्भ पिछले डेढ़ दशक से अपनी आंखें खोल रहे हैं, लेकिन केंद्र के सामने ऐसे संकल्प की इज्जत बचाना मुश्किल है। शहरी विकास की विभिन्न योजनाओं के तहत, हिमाचल की आवासीय सुविधाओं का वित्त पोषण अगर उदारता से हो जाए, तो शिमला की बाहों में जाठिया देवी भविष्य की बस्ती होगा। पर्वतीय राज्यों में शहरीकरण की रफ्तार को समझने की जरूरत में अमृत और स्मार्ट सिटी परियोजनाओं का विस्तार व लागत में केंद्र द्वारा वित्तपोषण का 90 : 10 प्रतिशत की दर से समाधान होता है, हिमाचल जैसे राज्य लाभान्वित होंगे। पंद्रहवें वित्तायोग ने आठ हजार करोड़ की लागत से नए शहर बसाने का वादा किया है, जिनमें दो पहाड़ी शहर भी शरीक होंगे।

भारतीय थल सेनाध्यक्ष नेपाली सेना के प्रधान सेनापति की मानद पदवी से अलंकृत होंगे

काठमांडू, 12 नवंबर (एजेंसियां) ।

भारतीय थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी 20 नवंबर से नेपाल के पांच दिनों के भ्रमण पर काठमांडू आएंगे। थल सेनाध्यक्ष बनने के बाद पहली बार वो नेपाल आ रहे हैं, जहां उन्हें नेपाली सेना के प्रधान सेनापति के मानद उपाधि से अलंकृत किया जाएगा।

नेपाली सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल गौरव केसी ने बताया कि नेपाली सेना के प्रधान सेनापति जनरल अशोक सिग्देल के निमंत्रण पर भारतीय थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी पांच दिनों के नेपाल भ्रमण पर 20 नवंबर को नेपाल पहुंचने वाले हैं। भारतीय सेना विशेष विमान से काठमांडू आने वाले थल सेनाध्यक्ष के लिए 21 नवंबर को राष्ट्रपति भवन में एक विशेष समारोह रखा गया है, जिसमें उन्हें नेपाली सेना के प्रधान सेनापति के मानद उपाधि से अलंकृत किया जाएगा।

नेपाल के पांच दिनों के भ्रमण पर जनरल द्विवेदी की कई राजनीतिक शिष्टाचार मुलाकातें होंगी

सैन्य प्रवक्ता ने कहा कि नेपाल और भारत के बीच 1950 से ही यह परंपरा चली आ रही है, जहां दोनों देशों के आर्मी चीफ को एक-दूसरे देश के आर्मी चीफ की मानद उपाधि दी जाती है। अपने पांच दिनों के नेपाल भ्रमण के क्रम में भारतीय थल सेनाध्यक्ष जनरल द्विवेदी की कई राजनीतिक शिष्टाचार मुलाकात भी तय हैं। नेपाली सेना के प्रवक्ता केसी के मुताबिक राष्ट्रपति भवन में नेपाली सेना की मानद उपाधि ग्रहण करने के साथ ही राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल से शिष्टाचार मुलाकात होगी। इसके अलावा वो प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, उपप्रधानमंत्री प्रकाशमान सिंह, रक्षा मंत्री मनवीर राई, विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा से भी मुलाकात करने वाले हैं।

नेपाल भ्रमण के दौरान भारतीय थल सेनाध्यक्ष नेपाली सेना के उच्च अधिकारियों के एक सम्मेलन को भी संबोधित करेंगे। इसके अलावा वो माउंटेन वारफेयर कॉलेज में प्रशिक्षार्थियों को संबोधित करेंगे। साथ ही पोखरा में रहे भारतीय सेना के पेंशन कैंप ऑफिस का दौरा करेंगे, जहां वो भूतपूर्व गोरखा सैनिकों और उनके परिवार वालों से मिलेंगे। इस दौरान वहां पर भारतीय सेना के शहीद परिवारों को आर्थिक सहायता भी प्रदान करने वाले हैं।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान के पंजाब में वायु प्रदूषण का कहर, पांच और डिवीजन के स्कूल व कॉलेज बंद

इस्लामाबाद। लगातार बढ़ते वायु प्रदूषण को देखते हुए पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के पांच और डिवीजनों में स्कूलों और कॉलेजों को बंद करने की घोषणा की गई है। पर्यावरण संरक्षण विभाग ने इस बारे में अधिसूचना जारी की है। पंजाब सरकार के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। पर्यावरण संरक्षण विभाग ने अधिसूचना जारी कर सरगोधा, रावलपिंडी, डेरा गाजी खान, बहावलपुर और साहीवाल डिवीजनों में शैक्षणिक संस्थानों को बंद करने का आदेश दिया है। अधिसूचना के अनुसार, नर्सरी से 12वीं कक्षा तक के सभी स्कूल, कॉलेज, अकादमी और ट्यूशन सेंटर 13 से 17 नवंबर तक बंद रहेंगे। साथ ही गुजरांवाला, लाहौर, मुल्तान और फैसलाबाद डिवीजनों में पहले लगाए गए प्रतिबंध जारी रहेंगे। इससे पहले लाहौर जिला प्रशासन स्मॉग के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए 11 नवंबर को बाहरी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा चुका है। डीसी लाहौर की अधिसूचना के अनुसार, 17 नवंबर तक सभी बाहरी गतिविधियां निलंबित रहेंगी। दुकानें, बाजार और मॉल रात आठ बजे के बाद नहीं खुलेंगे। मेडिकल स्टोर, लैब, पेट्रोल पंप और किराना स्टोर को प्रतिबंधों से छूट दी गई है।

फ्लोरिडा के सीनेटर मार्को रुबियो हो सकते हैं ट्रंप के राज्य सचिव

वाशिंगटन। फ्लोरिडा के सीनेटर मार्को रुबियो नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के राज्य सचिव हो सकते हैं। ट्रंप के तीन करीबी व्यक्तियों ने यह संभावना जताई। उनका कहना है कि ट्रंप उन्हें अपने राज्य सचिव के रूप में नामित कर सकते हैं। खबर के अनुसार, ट्रंप की कार्यशैली से परिचित तीन करीबी लोगों ने सोमवार को कहा कि इस समय वो विदेश नीति और राष्ट्रीय नीत को मजबूत करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि उन्होंने रुबियो पर फैसला कर लिया है। रुबियो को 2010 में सीनेट के लिए चुना गया था। उन्हें चीन, ईरान, वेनेजुएला और क्यूबा का विशेषज्ञ माना जाता है। रूस के बारे में उनका रुख कठोर रहा है। रुबियो संभवत: ट्रंप की यूक्रेन पर रूस के साथ समझौता करने और नाटो से बाहर रहने का रास्ता खोजने में मदद करेंगे। पहले ट्रंप प्रशासन के दौरान कांग्रेस में सेवा करते हुए उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका को चीन की राज्य-निर्देशित अर्थव्यवस्था के साथ बेहतर प्रतिस्पर्धा करने में मदद करने के लिए औद्योगिक नीति की वकालत की। रुबियो ने चीन पर द्विदलीय कांग्रेस-कार्यकारी आयोग के सह-अध्यक्ष के रूप में भी काम किया है। 2020 में उनका चीन के जातीय उइगर अल्पसंख्यकों पर लाया गया विधेयक महत्वपूर्ण है। राष्ट्रपति बाइडेन ने अगले वर्ष इस पर हस्ताक्षर कर इसे कानून बना दिया।

इमरान खान जेल में रहकर शहबाज सरकार को लगातार दे रहे चुनौती,अब खड़ी कर दी नई मुसीबत

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में इन दिनों आर्थिक संकट के साथ-साथ राजनीतिक तनाव भी चरम पर है। जेल में बद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान, अदियाला जेल से देश में सच्ची आजादी के लिए एक नया आंदोलन छेड़ने का ऐलान कर चुके हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार को इमरान खान अब भी चुनौती दे रहे हैं। पिछली शहबाज सरकार ने इमरान खान को सत्ता से बेदखल कर जेल भेजा था, जिसके बाद शहबाज शरीफ सत्ता में वापस आए। लेकिन इमरान खान ने जेल से ही नई चुनौती पेश की है, जिससे पाकिस्तान में एक बार फिर अस्थिरता बढ़ गई है। जेल में पत्रकारों से बातचीत करते हुए इमरान खान ने अपने समर्थकों को लामबंद होने का आह्वान किया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया,स्वाबी में आयोजित रैली में हमारी कार्ययोजना की घोषणा हुई थी। इस बार, हम तब तक संघर्ष करेंगे, जब तक कि संविधान, लोकतंत्र और न्यायिक स्वतंत्रता की बहाली नहीं होती और हमारे निर्दोष कार्यकर्ताओं और नेताओं को रिहा नहीं किया जाता। उन्होंने आगे कहा कि जल्द ही वह विरोध मार्च की तारीख की घोषणा करेंगे। इस मार्च के लिए तैयारी करने के निर्देश उन्होंने अपने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को दिए। इमरान खान ने पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वह उनकी तरह देश छोड़कर भागने वाले नहीं हैं।

यूक्रेन से युद्ध के चलते, भारत के साथ रूस के कई प्रमुख रक्षा सौदे हुए प्रभावित

मॉस्को, 12 नवंबर (एजेंसियां) ।

रूस बीते ढाई साल से यूक्रेन के साथ युद्ध में उलझा हुआ है। इस युद्ध ने भारत के साथ रूस के कई प्रमुख रक्षा सौदों को भी प्रभावित किया है। रूस भारत को समय से हथियारों की डिलीवरी करने में नाकामयाब हो रहा है। जिन सौदों में देरी हुई है, उनमें बेहद अहम एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम के अलावा युद्धपोत और पनडुब्बियां शामिल हैं। भारत को दो साल की देरी के बाद अगले एक महीने दो मल्टी-रोल फ्रिगेट में से पहला मिलने की उम्मीद है। इसके बाद 2026-27 से पहले किसी अन्य डिलिवरेबल्स आने की उम्मीद नहीं है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, रूस की ओर से हो रही देरी एक व्यापक प्रवृत्ति का हिस्सा है। रूस के रक्षा निर्यात में गिरावट आई है, ये यूक्रेन युद्ध की वजह से है। 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद से उसकी हथियारों की बिक्री में लगभग 60 प्रतिशत की गिरावट आई है। रूस के पूरे रक्षा उद्योग को यूक्रेन युद्ध की जरूरतों को पूरा करने के लिए फिर से तैयार होना पड़ा है। यहां तक कि रूस को उत्तर कोरिया और ईरान से मिसाइल, गोला-बारूद और ड्रोन आयात करने पड़े हैं। चीन से भी रूस रक्षा विनिर्माण में मदद ले रहा है।

भारत और रूस ने 2018 में अधिग्रहण समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, इसके तहत दो युद्धपोतों की डिलीवरी 2022-23 तक की जानी थी। अभी तक भारत को एक भी जहाज नहीं मिला है। रूस ने भारत के साथ डील के बजाय अपने रक्षा आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी है। इससे सैन्य आधुनिकीकरण कीभारत की योजनाएं प्रभावित हो रही हैं।

इसमें सबसे अहम एयर डिफेंस सिस्टम है। वायु रक्षा प्रणालियों में कम से कम 2026 तक की देरी तय है। भारत ने रूस से एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम की पांच बैटरियां खरीदी हैं। इनकी डिलीवरी निर्धारित समय से महीनों नहीं बल्कि वर्षों पीछे चल रही हैं। सभी पांच बैटरियों की डिलीवरी 2023 तक होनी थी। अब तक रूस ने केवल तीन बैटरियां दी हैं। ये अभी डिलीवरी 2026 तक पूरी होने की संभावना है।

भारत ने रूस से तेजी से डिलीवरी के लिए कहा है लेकिन इनके 2026 से पहले मिलने की संभावना नहीं है। भारत और रूस ने 2019 में एक परमाणु पनडुब्बी की लीज के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। समझौते के तहत इसकी डिलीवरी 2025 तक होनी है। डील के लिहाज से ये भारत को नए साल में मिल जानी चाहिए लेकिन ऐसा होने की कोई उम्मीद नहीं है। पनडुब्बी के 2028 से पहले भारत आने की संभावना नहीं है।

हिज्बुल्लाह ने इजराइल के हाइफा पर दागे 90 रॉकेट,धधकने लगीं कारें,4 लोग हुए घायल

हाइफा। इज़राइल के उत्तरी शहर हाइफा पर सोमवार को लेबनान से लगभग 90 रॉकेट दागे गए, जिनमें से कुछ रिहायशी इलाकों को निशाना बनाने में सफल रहे। इज़रायली रक्षा बलों के अनुसार, इन हमलों में कम से कम चार लोग घायल हुए, जिनमें एक 70 वर्षीय व्यक्ति भी शामिल है। रिपोर्ट्स में बताया गया कि हाइफा खाड़ी के किरयात अता क्षेत्र में घरों और वाहनों को क्षति पहुंची है और एक किशोर को कांच के टुकड़ों से हल्की चोटें आईं। स्थानीय मुताबिक, लेबनान से 80 रॉकेटों की पहली बौछार को आईडीएफ की हवाई सुरक्षा प्रणाली द्वारा सफलतापूर्वक रोक लिया गया था, हालांकि कई रॉकेट आबादी वाले इलाकों तक पहुंच गए। इसके बाद 10 रॉकेटों की दूसरी लहर को भी रोका गया, लेकिन कुछ रॉकेट खुले इलाकों में गिरे। यह हमला हिज़बुल्लाह और ढ्ढष्टस्न के बीच जारी झड़पों के बीच हाइफा पर होने वाले सबसे बड़े हमलों में से एक माना जा रहा है। इसके जवाब में, ढ्ढष्टस्न ने ड्रोन हमले से हिज़बुल्लाह के रॉकेट लॉन्चर को नष्ट कर दिया। हिज़बुल्लाह, जिसे हमास की तरह ईरान का समर्थन प्राप्त है, ने 7 अक्टूबर को हमास के इज़राइल पर हमले के बाद गोलीबारी शुरू कर दी थी। इज़राइल और हिज़बुल्लाह के बीच सीमा पर झड़पें तब और बढ़ गई जब इज़राइल ने दक्षिणी लेबनान में हिज़बुल्लाह के ठिकानों पर हवाई और जमीनी हमले तेज कर दिए।

इमरान खान जेल में रहकर शहबाज सरकार को लगातार दे रहे चुनौती, अब खड़ी कर दी नई मुसीबत

इस्लामाबाद, 12 नवंबर (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान में इन दिनों आर्थिक संकट के साथ-साथ राजनीतिक तनाव भी चरम पर है। जेल में बद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान, अदियाला जेल से देश में सच्ची आजादी के लिए एक नया आंदोलन छेड़ने का ऐलान कर चुके हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार को इमरान खान अब भी चुनौती दे रहे हैं। पिछली शहबाज सरकार ने इमरान खान को सत्ता से बेदखल कर जेल भेजा था, जिसके बाद शहबाज शरीफ सत्ता में वापस आए। लेकिन इमरान खान ने जेल से ही नई चुनौती पेश की है, जिससे पाकिस्तान में एक बार फिर अस्थिरता बढ़ गई है। जेल में पत्रकारों से बातचीत करते हुए इमरान खान ने अपने समर्थकों को लामबंद होने का आह्वान किया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया,स्वाबी में आयोजित रैली में हमारी कार्ययोजना की घोषणा हुई थी। इस बार, हम तब तक संघर्ष करेंगे, जब तक कि संविधान, लोकतंत्र और न्यायिक स्वतंत्रता की बहाली नहीं होती और हमारे निर्दोष कार्यकर्ताओं और नेताओं को रिहा नहीं किया जाता। उन्होंने आगे कहा कि जल्द ही वह विरोध मार्च की तारीख की घोषणा करेंगे। इस मार्च के लिए तैयारी करने के निर्देश उन्होंने अपने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को दिए। इमरान खान ने पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वह उनकी तरह देश छोड़कर भागने वाले नहीं हैं। हाल ही में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने दावा किया था कि इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ विदेशी शक्तियों से मदद मांग रही है ताकि उन्हें रिहा कर देश से बाहर भेजा जा सके। इस बयान के बाद अटकलें बढ़ गईं कि क्या इमरान खान वास्तव में देश छोड़ सकते हैं। इन अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए इमरान ने एक्स पर कहा, मेरा नाम नो-फ्लाई लिस्ट में डाल दो - मैं कहीं नहीं जा रहा हूं। नवाज शरीफ पहले ही देश छोड़ चुके हैं, और उनकी बेटी मरियम शरीफ भी बाहर चली गई हैं।पीटीआई के सदस्य और खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंदापुर ने भी पार्टी की ओर से करो या मरो आंदोलन की तैयारी का ऐलान किया है।

नेपाल : पोखरा पुलिस की हिरासत में पूर्व उप प्रधानमंत्री रवि लामिछाने को पूछताछ के लिए भैरहवा लाया गया

काठमांडू, 12 नवंबर (एजेंसियां) ।

सहकारी घोटाला में पिछले 25 दिनों से पोखरा पुलिस की हिरासत में चल रहे पूर्व उप प्रधानमंत्री रवि लामिछाने को मंगलवार सुबह एक अन्य सहकारी घोटाला में पूछताछ के लिए भैरहवा लाया गया है। जिला अदालत में सरकारी वकील के सामने रवि लामिछाने का बयान दर्ज कराया जा रहा है।

भैरहवा पुलिस की डीएसपी लक्ष्मी खनाल ने बताया कि बुटवल जिले के सुप्रीम सहकारी बैंक घोटाला में वारंट जारी होने के बाद उन्हें पूछताछ के लिए लाया गया है। खनाल ने बताया कि सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे भैरहवा विमानस्थल पर पहुंचे लामिछाने को सीधे जिला सरकारी वकील के दफ्तर में ले जाकर बयान लेना शुरू कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि पोखरा विमानस्थल और सरकारी वकील के दफ्तर तथा जिला अदालत परिसर के आसपास बड़े पैमाने पर सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है। साथ ही जिला अदालत और सरकारी वकील के दफ्तर सहित जिला पुलिस मुख्यालय और जिला प्रशासन कार्यालय के आसपास निषेधाज्ञा जारी कर दी गई है।

मस्क का बड़ा दांव था अमेरिका में ट्रंप को चुनाव जिताना, खर्च किए 200 मिलियन डॉलर

वाशिंगटन, 12 नवंबर (एजेंसियां) ।

अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रंप की विजय में उनके मित्र और प्रसिद्ध उद्यमी एलन मस्क की महत्वपूर्ण भूमिका मानी जा रही है। एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, मस्क ने रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार ट्रंप की जीत सुनिश्चित करने के लिए अपनी कंपनियों, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) और स्पेसएक्स के माध्यम से लगभग 200 मिलियन डॉलर खर्च किए। यह सहायता राशि अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में अब तक की सबसे बड़ी निजी योगदानों में से एक मानी जा रही है। डोनाल्ड ट्रंप, जो खुद भी एक बड़े व्यवसायी हैं, को यह बात बखूबी समझ आती है कि एक बड़े उद्यमी का समर्थन चुनावी जीत के लिए कितना अहम हो सकता है। चुनाव के नतीजे घोषित होने के दिन फ्लोरिडा में आयोजित एक रैली में ट्रंप ने एलन मस्क की तारीफ करते हुए उन्हें एक नया सितारा करार दिया और कहा, एक सितारा पैदा हुआ है - एलन! इससे स्पष्ट हो गया कि मस्क ने ट्रंप को राष्ट्रपति बनाने के लिए पूरी तरह से उनका साथ दिया। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मस्क की सहायता पहली बार वोट करने वाले युवा मतदाताओं को आकर्षित करने पर केंद्रित थी, जो

कि चुनावी प्रक्रिया में बड़ा बदलाव ला सकती थी। मस्क की सुपर पीएसी ने ट्रंप के प्रचार अभियान को समर्थन देते हुए डिजिटल माध्यमों पर नए और युवा वोटर्स को जागरूक करने का प्रयास किया। इस चुनावी समर्थन ने मस्क को अमेरिका की राजनीति में एक महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में प्रस्तुत कर दिया है। अमेरिकी राजनीति में उद्योगपतियों का यह खुला समर्थन भारतीय राजनीति की तुलना में काफी अलग है। भारत में भी प्रमुख राजनीतिक दलों, जैसे कांग्रेस और बीजेपी के साथ-साथ क्षेत्रीय दलों को भी उद्योगपतियों से बड़े पैमाने पर आर्थिक सहायता मिलती है, लेकिन भारतीय उद्योगपति सार्वजनिक रूप से अपनी पहचान उजागर करने से बचते हैं, ताकि राजनीतिक विवादों से दूर रहें। अमेरिकी राजनीतिक परिदृश्य में मस्क का यह कदम एक नया अध्याय लिख रहा है। ट्रंप के समर्थन में मस्क के इस स्तर पर सहयोग ने यह दर्शाया है कि बड़े व्यवसाय और राजनीति का संबंध कितनी दूर तक जा सकता है और कैसे उद्योगपति चुनावों पर गहरा प्रभाव डाल सकते हैं।

हैती में अमेरिका के दो विमानों पर गोलीबारी

पोर्ट-ऑ-प्रिंस, 12 नवंबर (एजेंसियां) ।

अमेरिका के दो विमानों पर हैती के हवाई क्षेत्र में सोमवार को उड़ान भरते समय गोलीबारी की गई। इनमें से एक विमान स्पिरिट एयरलाइंस का (उड़ान संख्या 951) है। वह पोर्ट-ऑ-प्रिंस में उतरने का प्रयास करते समय गोलियों की चपेट में आ गया। दूसरा विमान जेटब्लू एयरवेज (उड़ान संख्या 935) है।

मियामी हेराल्ड अखबार की खबर के अनुसार, न्यूयॉर्क जाने वाला जेटब्लू एयरवेज का विमान उड़ान भरने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जॉन एफ कैनेडी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर चालक दल के सुरक्षित पहुंचने के बाद ही जेटब्लू को पता चला कि उस पर गोली चलाई गई है। जेटब्लू एयरवेज के प्रवक्ता डेरेक डोंब्रोव्स्की ने बताया कि शुरू में परिचालन दल ने कोई समस्या नहीं बताई थी। उड़ान के बाद निरीक्षण से पता चला कि विमान के बाहरी हिस्से पर गोली लगी। संबंधित अधिकारियों के सहयोग से इस घटना की जांच की जा रही है।

संघीय उड्डयन प्रशासन ने कहा कि पोर्ट-ऑ-प्रिंस के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सभी तरह के हवाई यातायात को 18 नवंबर तक के लिए अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। डोंब्रोव्स्की ने कहा कि हैती में नागरिक अशांति के कारण दो दिसंबर तक देश से आने-जाने वाली सभी उड़ानें निलंबित करने का निर्णय लिया गया है।

बताया गया है कि स्पिरिट एयरलाइंस की उड़ान फोर्ट लॉडरडेल से रवाना हुई थी। गोलीबारी के बाद उसे डोमिनिकन गणराज्य के एक हवाई अड्डे की ओर मोड़ दिया गया। वहां उसे सुरक्षित उतार लिया गया। इस घटना के बाद स्पिरिट एयरलाइंस के प्रवक्ता ने कहा कि फिलहाल पोर्ट-ऑ-प्रिंस और कैप-हाईटियन में सेवा निलंबित कर दी गई है। उन्होंने बताया कि गोलीबारी में कोई भी यात्री घायल नहीं हुआ, लेकिन एक फ्लाइट अटेंडेंट को मामूली चोट आई। गोलीबारी में विमान को नुकसान हुआ है। इस वजह से विमान को सेवा से हटा दिया गया है। मेहमानों और चालक दल को फोर्ट लॉडरडेल में वापस लाने के लिए अलग विमान की व्यवस्था की जा रही है।

डोमिनिकन गणराज्य के राष्ट्रपति लुइस अबिनाडर ने सोमवार को कहा कि यह एक आतंकवादी कृत्य है। इन सशस्त्र गिरोहों को आतंकवादी समूह घोषित करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि इससे पहले संयुक्त राष्ट्र के एक हेलीकॉप्टर पर भी सशस्त्र गिरोह ने गोलीबारी की थी।

डिप्रेशन में फायदा होता है पक्षियों के साथ रहने से, पक्षियों को देखने, सुनने से मानसिक स्वास्थ्य में सुधार का दावा

लंदन । यूके के शोधकर्ताओं ने पाया है कि पक्षियों को देखने और सुनने का हमारी मानसिक स्वास्थ्य के सुधार से संबंध है जिसका असर कम से कम 8 घंटों तक रह सकता है। इतना ही नहीं, इसका फायदा डिप्रेशन के शिकार लोगों को भी होता है। लंदन के किंग्स कॉलेज के इस नए अध्ययन में पाया गया है कि इस तरह से मानसिक स्वास्थ्य में बेहतरी उन लोगों में भी पाई गई है जिन्हें डिप्रेशन का शिकार पाया गया है। डिप्रेशन दुनिया सबसे सामान्य रूप से होने वाली मानसिक बीमारी है। इस अध्ययन से साफ होता है कि पक्षियों का जीवन मानसिक स्वास्थ्य से पीड़ित लोगों के जीवन में मदद करने में सक्षम है। इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने अर्बन माइंड नाम की एक स्मार्टफोन एप्लिकेशन का उपयोग किया और लोगों के मानसिक स्वास्थ्य की रिपोर्ट क साथ उनकी पक्षियों को देखने और उनकी आवाज और संगीत सुनने की रिपोर्ट की जानकारी भी जमा की। लंदन के किंग्स कॉलेज के इंस्टीट्यूट ऑफ साइकियाट्री, साइकोलॉजी एंड न्यूरोसाइंस के रिसर्च असिस्टेंट और इस अध्ययन के प्रमुख लेखक रेयान हैमण्ड ने बताया कि इस बात के बढ़ते प्रमाण मिल रहे हैंकि प्रकृति के पास रहने से मानसिक सेहत को फायदा मिलता है और वे (शोधकर्ता) भी सोचते हैं कि पक्षियों और उनके संगीत की उपस्थिति हमारे मूड को बेहतर कर सकती है।

अक्टूबर माह के लिए आईसीसी पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ चुने गए नोमान अली

दुबई, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के बाएं हाथ के स्पिनर नोमान अली को इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में संपन्न तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में उनके शानदार प्रदर्शन के बाद मंगलवार को अक्टूबर के लिए आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया।

श्रृंखला में अपने शानदार प्रदर्शन की बदौलत उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा और न्यूजीलैंड के स्पिनर मिशेल सेंटनर को पीछे छोड़ते हुए यह उपलब्धि हासिल की। इसी के साथ वह पिछले साल अगस्त में बाबर आजम के बाद यह पुरस्कार हासिल करने वाले पहले पाकिस्तानी क्रिकेटर बने।

आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार जीतने के बाद नोमान ने आईसीसी के हवाले से कहा, मुझे आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ चुने जाने पर खुशी है और मैं अपने सभी साथियों का बहुत आभारी हूं, जिन्होंने मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में मदद की, ताकि पाकिस्तान को इंग्लैंड के खिलाफ ऐतिहासिक घरेलू टेस्ट श्रृंखला जीतने में मदद मिल सके। अपने देश के लिए ऐसी यादगार जीत का हिस्सा बनना हमेशा रोमांचक होता है। बाएं हाथ के ऑर्थोडॉक्स गेंदबाज ने अपने सर्वश्रेष्ठ टेस्ट आंकड़े (8/46) हासिल किए और पाकिस्तान को 2021 के बाद से घरेलू धरती पर अपनी पहली टेस्ट जीत दिलाई। नोमान ने दूसरे टेस्ट में अपने शानदार प्रदर्शन को रावलपिंडी में श्रृंखला के अंतिम मुकाबले में भी दोहराया। तीसरे टेस्ट में नंबर 9 पर बल्लेबाजी करते हुए नोमान ने बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया, 45 रनों की शानदार पारी खेलकर अपनी टीम को पहली पारी में 77 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त दिलाने में मदद की। पाकिस्तान ने अंतिम टेस्ट नौ विकेट से जीता, जिसमें अनुभवी स्पिनर ने छह विकेट लेकर इंग्लैंड को सिर्फ 112 रनों पर आउट कर दिया। नोमान ने अक्टूबर में अपने दो टेस्ट मैचों में दो गेम-चेंजिंग स्पेल दिए, जिसमें 11/147 और 9/130 के आंकड़े शामिल थे, जिससे पाकिस्तान ने पहले टेस्ट में मिली हार के बाद वापसी करते हुए घरेलू टेस्ट श्रृंखला जीतने के अपने तीन साल के सूखे को समाप्त किया।

न्यूज ब्रीफ

रणजी ट्रॉफी : मध्य प्रदेश के खिलाफ मैच के साथ प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करेंगे मोहम्मद शमी

नई दिल्ली। मोहम्मद शमी बुधवार को बंगाल और मध्य प्रदेश के बीच इंदौर में होने वाले रणजी ट्रॉफी मैच के जरिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करेंगे। शमी अभी टीम से नहीं जुड़े हैं, लेकिन बंगाल के कोच लक्ष्मी रतन शुक्ला ने एक आधिकारिक बयान में पुष्टि की है कि वह आज बाद में इंदौर पहुंचेंगे और खेल में भाग लेंगे। शमी को राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) से भी आवश्यक मंजूरी मिल गई है। बेंगलुरू में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के बाद शमी ने भारत के सहायक कोच अभिषेक नायर को काफी गेंदबाजी की थी और वह अच्छी लय में नजर आए थे। काले रंग की स्लीवलेस टी-शर्ट, शॉर्ट्स और बाएं घुटने पर पट्टी बांधे शमी ने बाएं हाथ के नायर को राउंड द विकेट से गेंदबाजी की, लगातार गुड लेंथ एरिया में गेंद डाली और कभी-कभी बाउंसर भी फेंके। हालांकि, शमी को बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के लिए टीम में नहीं चुना गया। उन्होंने पिछले साल वनडे विश्व कप फाइनल के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेला है, जहां वे टूर्नामेंट के शीर्ष विकेट लेने वाले गेंदबाज थे, उन्होंने सात मैचों में 10.70 की शानदार औसत से 24 विकेट लिए थे।

जापान मास्टर्स 2024: ट्रीसा-गायत्री की जोड़ी पहले दौर में बाहर

नई दिल्ली। भारतीय युगल जोड़ी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद को मंगलवार को कुमामोटो मास्टर्स जापान सुपर 500 टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में चीनी ताइपे की जोड़ी सू यिन-हुई और लिन झिह युन की जोड़ी से हार का सामना करना पड़ा। विश्व में 20वें नंबर की भारतीय जोड़ी को चीनी ताइपे की 24वीं रैंकिंग वाली जोड़ी ने सीधे गेमों में 16-21, 16-21 से हराया। यह मैच 36 मिनट तक चला। यह पहली बार है जब यिन-हुई और झीह युन ने भारतीय जोड़ी के खिलाफ जीत हासिल की है, जो अभी भी आमने-सामने के मुकाबलों में 2-1 से आगे हैं। टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करने वाले अन्य भारतीयों में पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन शामिल हैं। सिंधु अपने अभियान की शुरुआत आठवीं वरीयता प्राप्त थाई खिलाड़ी बुसानन ओंगबामरुंगफान के खिलाफ करेंगी, जबकि सेन का सामना मलेशिया की लियोंग जुन हाओ से होगा।

विश्व कप क्वालीफायर के लिए चिली की टीम में विडाल की वापसी

सैंटियागो। चिली फुटबॉल महासंघ ने सोमवार को कहा कि अनुभवी मिडफील्डर आर्टुरो विडाल को पेरू और वेनेजुएला के खिलाफ होने वाले फीफा विश्व कप क्वालीफायर के लिए चिली की टीम में वापस बुलाया गया है। 37 वर्षीय खिलाड़ी विलियम्स अलारकोन की जगह लेंगे, जो अर्जेंटीना की टीम हुराकन के लिए खेलते समय चोटिल होने के बाद टीम से हट गए थे। 142 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके विडाल ने पिछले साल सितंबर से चिली के लिए नहीं खेला है और टीम के खराब प्रदर्शन के बीच चिली के मैनेजर रिकार्डो गारेका की मुखर आलोचना करते रहे हैं। पूर्व बार्सिलोना, बायर्न म्यूनिख, जुवेंटस और इंटर मिलान स्टार वर्तमान में कोलो-कोलो के लिए खेलते हैं और उन्होंने सैंटियागो स्थित टीम को इस साल चिली का शीर्ष-स्तरीय खिताब दिलाने में मदद की। चिली शुक्रवार को लीमा में पेरू से और चार दिन बाद सैंटियागो में वेनेजुएला से भिड़ेगा। गारेका की टीम फिलहाल दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग ग्रुप में 10 मैचों में पांच अंक लेकर अंतिम स्थान पर है। 10 टीमों की तालिका में पेरू नौवें और वेनेजुएला आठवें स्थान पर है।

सेंचुरियन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बल्लेबाजी में सुधार करना चाहेगा भारत

नई दिल्ली,12 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत को बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में जीत हासिल करने के लिए सेंचुरियन स्थित सुपरस्पोर्ट पार्क की अपरिचित परिस्थितियों में अपने खेल में सुधार करना होगा।

2009 के बाद से, भारत ने इस मैदान पर केवल एक टी20 मैच खेला है, आखिरी मैच 2018 में खेला था, जिसमें उसे छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। उस टीम से टीम में केवल एक हार्दिक पांड्या बचे हैं।

इस अपरिचितता के साथ-साथ, भारत को अपने बल्लेबाजों के सामान्य फॉर्म से भी जूझना होगा, खासकर तब जब यहाँ की पिच को गेकेबरहा की पिच के समान तेज़ और उछाल वाली बताया जा रहा है।

दूसरे टी20 मैच में, भारत के बल्लेबाजों को दक्षिण अफ़्रीकी तेज़ गेंदबाज़ों के सामने संघर्ष करना पड़ा, जिसके कारण टीम 20 ओवर में 124 रन ही बना सकी। सेंचुरियन की भी यही स्थिति है।

समस्या शीर्ष से शुरू होती है - खासकर अभिषेक शर्मा के साथ, जिनका बल्ले से खराब प्रदर्शन अब गंभीर चिंता का विषय बन गया है। प्रबंधन द्वारा संयोजन में बदलाव करने से पहले उन्हें यहां अच्छे प्रदर्शन की सख्त जरूरत है।

अभी भी, वे संजू सैमसन के साथ शीर्ष पर जोड़ी बनाने का काम तिलक वर्मा को देने और मध्य में रमनदीप सिंह को लाने के बारे में सोच सकते हैं ताकि इकाई में और ताकत आ सके।

हालांकि, कप्तान सूर्यकुमार यादव, हार्दिक और रिंकू सिंह जैसे वरिष्ठ बल्लेबाज भी भारत के संघर्ष के लिए खुद को पूरी तरह से दोषमुक्त नहीं कर सकते।

सूर्यकुमार और रिंकू दोनों ने यहां अपनी क्षमता की केवल क्षणिक छवि दिखाई है, जबकि हार्दिक ने दूसरे मैच में 39 रन बनाए, लेकिन इसके लिए उन्होंने 45 गेंदें खेलीं। वास्तव में, पावर-हिटर ने अपनी पहली बाउंड्री लगाने के लिए 28 गेंदें लीं और फिर से, 39 और 45 गेंदों के बीच बाउंड्री नहीं लगा सके।

इसलिए, इन तीनों बल्लेबाजों को फॉर्म में चल रहे सैमसन का साथ देने के लिए और भारत को मजबूत स्कोर तक पहुंचाने के लिए अधिक योगदान देना होगा।

इसी तरह, तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और आवेश खान ने दो अलग-अलग मैच खेले। अर्शदीप ने डरबन में 25 रन देकर और दूसरे मैच में 41 रन देकर एक विकेट लिया। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज के तीसरे और चौथे ओवर में 28 रन बने - जिसमें ट्रिस्टन स्टब्स के खिलाफ एक ओवर में चार चौके शामिल थे - जिसने कम स्कोर वाले मैच पर गहरा प्रभाव डाला।

इसलिए, वे यहां स्क्रिप्ट बदलने के लिए उत्सुक होंगे, जब तक कि प्रबंधन यश दयाल या वैसाख विजयकुमार जैसे अन्य विकल्पों पर विचार नहीं करता।

हालांकि, पिछले मैच में अपना पहला पांच विकेट लेने वाले वरुण चक्रवर्ती और पिछले दो मैचों में रवि बिश्नोई के प्रयास शानदार रहे हैं और स्पिनर तीसरे मैच में भी भारत को बढ़त दिलाने के लिए एक बार फिर से प्रयास करेंगे। यहां पिच पर अपेक्षित उछाल और गति भारतीय जोड़ी के लिए एक उत्साहजनक कारक होगी।

बल्लेबाजी के नजरिए से, दक्षिण अफ्रीका को भी इसी तरह की समस्या का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि वरिष्ठ पेशेवर कप्तान एडेन मार्करम, डेविड मिलर और हेनरिक क्लासेन इस श्रृंखला में अभी तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

उन्हें दूसरे मुकाबले में जीत हासिल करने के लिए ट्रिस्टन स्टब्स और गेराल्ड कोएट्जी जैसे कम अनुभवी बल्लेबाजों से रन की जरूरत थी, और प्रोटियाज निश्चित रूप से अपने अनुभवी खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेंगे, खासकर भारतीय स्पिनरों के खिलाफ।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं:

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या। अक्षर पटेल, रमनदीप सिंह। वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, विजयकुमार विशक, अवेश खान, यश दयाल।

दक्षिण अफ्रीका: एडेन मार्करम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, गेराल्ड कोएत्ज़ी, डोनोवन फरेरा, रीज़ा हेंड्रिक्स, मार्को जानसन। हेनरिक क्लासेन, पैट्रिक क्रूगर। केशव महाराज, डेविड मिलर, मिहलाली मपोंगवाना, नकाबा पीटर, रयान रिकेल्टन। एंडिले सिमलेन। लूथो सिपाम्ला, ट्रिस्टन स्टब्स।

घाना के आठ फुटबॉलर एएफसीओएन क्वालीफायर से हटे

अकरा, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

घाना की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के आठ खिलाड़ियों ने आगामी अफ्रीका कप ऑफ नेशंस (एएफसीओएन) क्वालीफायर से नाम वापस ले लिया है। घाना फुटबॉल एसोसिएशन ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। देश की फुटबॉल शासी संस्था के अनुसार, सभी खिलाड़ियों ने मुख्य रूप से चोट और व्यक्तिगत कारणों से नाम वापस लिया है।

इन आठ खिलाड़ियों में इनाकी विलियम्स, तारिक लैम्पटे, जोनास एडजेटी, जेरोम ओपोकू, एंटोनी सेमेनियो, अलेक्जेंडर डिजीकू, इब्राहिम उस्मान और जोसेफ पेंटसिल शामिल हैं। कोच ओटो एडो ने अंगोला और नाइजर के खिलाफ अपने महत्वपूर्ण एएफसीओएन क्वालीफायर से पहले टीम से हटने वाले खिलाड़ियों की जगह लेने के लिए छह अतिरिक्त खिलाड़ियों ओस्मान बुकारी, रैन्सफोर्ड येबोआ कोनिग्सडॉर्फर, फोर्सन अमानक्वा, टेरी येगबे, एबेनेजर अन्नान और किंग्सले शिंडलर को बुलाया है। वर्तमान में ग्रुप एफ में दो अंकों के साथ तीसरे स्थान पर मौजूद घाना (निचले स्थान पर मौजूद नाइजर से एक अंक अधिक) अगले साल मोरक्को में होने वाले एएफसीओएन में जगह पक्की करने के लिए शेष दो मैचों से अंक हासिल करना चाहता है। घाना शुक्रवार, 15 नवंबर को अंगोला का सामना करेगा और सोमवार, 18 नवंबर, 2024 को नाइजर की मेजबानी करेगा।

बिली जीन किंग कप फाइनल की शुरुआत स्पेन में, बाढ़ पीड़ितों पर दिया जाएगा विशेष ध्यान

मैड्रिड। बिली जीन टेनिस किंग कप फाइनल इस सप्ताह मालागा में शुरू होगा, जो डेविस कप के साथ साझेदारी में होगा तथा इसमें हाल ही में पूर्वी स्पेन में आई विनाशकारी बाढ़ के पीड़ितों पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। यह पहली बार होगा कि महिला टीम टूर्नामेंट डेविस कप के समान ही स्थल पर आयोजित किया जाएगा और दोनों की तिथियां एक दूसरे से ओवरलैप होंगी। और लगातार दूसरे वर्ष, इसमें पुरुषों की प्रतियोगिता के बराबर पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। महिलाओं का यह आयोजन दो सप्ताह बाद शुरू हो रहा है, जब एक शक्तिशाली तूफान के कारण अचानक बाढ़ आ गई थी, जिसमें मालागा के पूर्व में वालेंसिया क्षेत्र में 200 से अधिक लोग मारे गए थे। अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ ने क्षेत्र में राहत और पुनर्प्राप्ति प्रयासों का समर्थन करने के लिए स्पेनिश रेड क्रॉस को दान देने की घोषणा की, और स्पेनिश खिलाड़ी पाउला बडोसा ने कहा कि वह पीड़ितों की मदद के लिए अपनी पुरस्कार राशि का आधा हिस्सा दान करेंगी।

2025 चैंपियंस ट्रॉफी के बाद वनडे से संन्यास लेंगे मोहम्मद नबी

नई दिल्ली,12 नवंबर (एजेंसियां)।

अफगानिस्तान के ऑलराउंडर मोहम्मद नबी ने घोषणा की है कि वह अगले साल पाकिस्तान में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के बाद एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों से संन्यास ले लेंगे।

सोमवार को बांग्लादेश पर अफगानिस्तान की 2-1 से सीरीज़ जीत के बाद, 39 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि वह पिछले साल के वनडे विश्व कप के बाद से ही इस प्रारूप को छोड़ने के बारे में सोच रहे थे।

मैन ऑफ़ द सीरीज़ चुने जाने के बाद उन्होंने आधिकारिक प्रसारक से कहा, मेरे दिमाग में, पिछले विश्व कप से ही, मैं रिटायर हो चुका था। लेकिन फिर, हमने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए क्वालीफाई किया, और मुझे लगा कि अगर मैं उसमें खेल पाया, तो यह बहुत अच्छा होगा।

नबी ने 2009 से अब तक 167 वनडे मैचों में हिस्सा लिया है, जिसमें उन्होंने 147 पारियों में 27.48 की औसत और 86.99 की स्ट्राइक रेट से 3,600 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और 17 अर्द्धशतक शामिल हैं, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 136 रन रहा है।

गेंद के साथ, उन्होंने 161 पारियों में 32.47 की औसत और 4.27 की इकॉनमी से 172 विकेट लिए हैं, जिसमें चार बार चार विकेट और एक बार पांच विकेट (5/17) शामिल हैं।

अफगानिस्तान ने पिछले साल के विश्व कप के दौरान छठे स्थान पर रहने की बदौलत चैंपियंस ट्रॉफी के लिए क्वालीफाई किया। यह अगले साल फरवरी में पाकिस्तान में होने वाली आठ टीमों की प्रतियोगिता में अफगानिस्तान की पहली उपस्थिति भी होगी।

जननिक सिनर ने घरेलू दर्शकों के सामने जीता नंबर वन रैंकिंग ट्रॉफी

ट्यूरिन, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

इटली के टेनिस खिलाड़ी जननिक सिनर को सोमवार को घरेलू दर्शकों के सामने एटीपी नंबर 1 वन की ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। सोमवार को एक समारोह के दौरान पूर्व विश्व नंबर 1 बोरिस बेकर और एटीपी चेयरमैन ने अग्रणी एटीपी नंबर 1 क्लब का अनावरण किया। यह क्लब खेल के शिखर पर पहुंचने वाले पूर्व और वर्तमान एटीपी खिलाड़ियों का सम्मान करने के लिए बनाया गया था।

सिनर ने अपने पहले दो ग्रैंड स्लैम खिताब ऑस्ट्रेलियन ओपन और यू.एस. ओपन के रूप में जीते। उन्होंने गणितीय रूप से एक महीने पहले वर्ष के अंत में नंबर 1 का खिताब हासिल किया।

सिनर ने कहा, इस ट्रॉफी का जश्न मनाने के लिए इससे बेहतर कोई जगह नहीं है। वहीं, उनकी माँ सिग्लिंडे ने भावुक होते हुए कहा, आप सभी के समर्थन के लिए धन्यवाद।

23 वर्षीय सिनर वर्ष के अंत में यह सम्मान पाने वाले 19वें और कुल मिलाकर 29वें खिलाड़ी हैं।

शीर्ष आठ खिलाड़ियों के लिए साल के आखिरी इवेंट में रविवार को अपने शुरुआती मैच में सिनर ने एलेक्स डी मिनौर को हराया और अब मंगलवार को फाइनल में टेलर फ्रिट्ज़ से भिड़ेंगे।

सिनर पहली बार अपने घर पर खेल रहे हैं, क्योंकि उनके यू.एस. ओपन खिताब से पहले यह घोषणा की गई थी कि इस साल दो अलग-अलग ड्रग टेस्ट में उनका परीक्षण सकारात्मक आया है।

सिनर को गलत कामों से मुक्त करने के फैसले के खिलाफ विश्व डोपिंग निरोधक एजेंसी ने सितंबर में अपील की थी। इस मामले में अंतिम फैसला अगले साल की शुरुआत में आने की उम्मीद है।

उमा महेश ने एफआईएसयू विश्व विश्वविद्यालय चैम्पियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली,12 नवंबर (एजेंसियां)।

उमा महेश ने सोमवार को नई दिल्ली के करणी सिंह स्टेडियम में प्रतिष्ठित एफआईएसयू वर्ल्ड यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। 10 मीटर एयर राइफल पुरुष टीम स्पर्धा में भाग लेते हुए, उमा ने अपने साथियों के साथ मिलकर प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ते हुए महत्वपूर्ण जीत हासिल की।

ओलंपिक पदक विजेता गगन नारंग की गन फॉर ग्लोरी अकादमी के 20 वर्षीय युवा खिलाड़ी ने पदक के साथ अपने खाते में एक और पदक जोड़ लिया, जिसमें दो आईएसएसएफ विश्व कप स्वर्ण पदक और एक एशियाई चैम्पियनशिप स्वर्ण पदक जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कार भी शामिल हैं।

आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा शहर से ताल्लुक रखने वाले उमा एक सहायक परिवार से आते हैं, जिनके माता-पिता ने शुरू से ही शूटिंग में उनके सफर में उनका साथ दिया है। उनके पिता, मद्दीनेनी राम कृष्ण, जो पेशे से ठेकेदार हैं, ने अपने बेटे के खेल के प्रति आकर्षण को पहचानते हुए उन्हें इस खेल से परिचित कराया। शूटिंग को समाचारों में देखने के बाद, उन्हें विश्वास हो गया कि उनके बेटे का भविष्य भी इसी क्षेत्र में हो सकता है। उमा की माँ, मद्दीनेनी मंजुला, भी निरंतर प्रोत्साहन का स्रोत रही हैं। साथ मिलकर, उन्होंने सुनिश्चित किया कि उमा को सभी आवश्यक संसाधन और प्रशिक्षण सुविधाएँ उपलब्ध हों।

शूटिंग कोच नेहा चव्हाण द्वारा प्रशिक्षित उमा गन फॉर ग्लोरी अकादमी के प्रोजेक्ट लीप कार्यक्रम का भी हिस्सा हैं। इस परियोजना का उद्देश्य खेल के तकनीकी, शारीरिक और मानसिक पहलुओं के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करके एथलीटों में सर्वश्रेष्ठ लाना है। इस बहुआयामी दृष्टिकोण का लक्ष्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आशाजनक परिणाम सुनिश्चित करना है।

उमा ने अकादमी, अपने कोच और नारंग को उनके निरंतर समर्थन और मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद देते हुए कहा, मेरी कोच नेहा चव्हाण ही हैं जो हमेशा मेरे साथ रहीं और एक कोच और अभिभावक के रूप में मेरे समर्थन में मेरी मदद की। मैं प्रोजेक्ट लीप का भी हिस्सा हूँ, जो एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसने मेरी शूटिंग को बेहतर बनाने और मेरे कौशल को निखारने में एक प्रमुख भूमिका निभाई है। मैं इस अवसर के लिए गगन सर और गन फॉर ग्लोरी अकादमी को धन्यवाद देना चाहूँगा, जिसने पिछले कुछ वर्षों में मेरे प्रदर्शन को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है।

2012 ओलंपिक कांस्य पदक विजेता गगन नारंग ने उमा की इस उपलब्धि की प्रशंसा करते हुए कहा, हमें अपनी अकादमी में उमा जैसे खिलाड़ियों पर बेहद गर्व है, जो अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश को गौरवान्वित कर रहे हैं। खेल के प्रति उनके समर्पण और लक्ष्य पर ध्यान ने उन्हें हमेशा कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया है और प्रोजेक्ट लीप कार्यक्रम के समर्थन से उन्होंने अपनी ताकत को बेहतर बनाया है और अपनी कमजोरियों को सुधारने के लिए बड़े पैमाने पर काम किया है। गन फॉर ग्लोरी का उद्देश्य ऐसी प्रतिभाओं को खोजना और उन्हें पेशेवर उत्कृष्टता प्राप्त करने की दिशा में मार्गदर्शन करना है। हम इस बात से उत्साहित हैं कि उमा जैसे निशानेबाज अकादमी को अपना लक्ष्य हासिल करने में मदद कर रहे हैं और पूरे देश को गौरवान्वित कर रहे हैं।

सैगिलिटी इंडिया की मामूली प्रीमियम के साथ लिस्टिंग, निवेशकों को मिला 3.53

नई दिल्ली,12 नवंबर (एजेंसियां)।

विदेशी हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों को सर्विस देने वाली कंपनी सैगिलिटी इंडिया के शेयर मामूली प्रीमियम के साथ बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हुए। आईपीओ के तहत कंपनी ने 30 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। बीएसई ओर एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 31.06 रुपये के स्तर पर हुई। इस तरह आईपीओ निवेशकों को सिर्फ 3.53 प्रतिशत का लिस्टिंग गेन मिल सका। लिस्टिंग के बाद से ही ये शेयर सीमित दायरे में कारोबार करता नजर आ रहा है। खरीदारी के सपोर्ट से इसने 32.87 रुपये के स्तर तक पहुंचने में सफलता हासिल की। वहीं, बिकवाली का दबाव बनने पर ये शेयर 30.50 रुपये के स्तर तक गिर गया। लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच सुबह 11:30 बजे सैगिलिटी इंडिया के शेयर 1.54 रुपये की बढ़त के साथ 31.54 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। सैगिलिटी इंडिया का 2,106.60 करोड़ रुपये का आईपीओ 5 से 7 नवंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.20 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन में 3.52 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.93 गुना सब्सक्राइब हुआ था, जबकि रिटेल इन्वेस्टर के लिए रिजर्व पोर्शन 4.16 गुना और एम्पलाइज का हिस्सा 3.75 गुना सब्सक्राइब हुआ था। आईपीओ के तहत कोई भी नया शेयर जारी नहीं किया गया है, जबकि 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 70,21,99,262 शेयर को ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) विंडो के जरिए बेचा गया है।

सैगिलिटी इंडिया का पूरा कारोबार अमेरिका में है। ये कंपनी अमेरिकी हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों को सर्विस देती है। वित्त वर्ष 2021-22 में इसे 4.67 करोड़

न्यूज ब्रीफ

कोका-कोला इंडिया के लाभ में 41.82 प्रतिशत की गिरावट, कंपनी का मुनाफा 2023-24 में 42 प्रतिशत घटकर 420.29 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। कोका-कोला इंडिया ने अपने आर्थिक अंकड़ों की जानकारी जारी की है, जिसमें खुशखबरी और चुनौती दोनों शामिल हैं। प्रमुख पेय पदार्थ बनाने वाली कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 में अपने लाभ में 41.82 प्रतिशत की गिरावट देखी है, जिससे लाभ 420.29 करोड़ रुपये रह गया है। इसी दौरान कोका-कोला इंडिया की कुल आय मार्च 2024 तक 4.24 प्रतिशत बढ़कर 4,713.38 करोड़ रुपये हो गई है। कंपनी ने कंपनी रजिस्ट्रार को इस विवरण की सूचना दी है। इसके साथ ही कंपनी की कुल वार्षिक आय मार्च 2024 तक 4.19 प्रतिशत बढ़कर 4,801.84 करोड़ रुपये हो गई है। कोका-कोला इंडिया के इन वित्तीय आंकड़ों के साथ कंपनी ने अपने कारोबार को माजबूती से फिर से साबित किया है और विपक्षियों की नैतिक समर्थन को छूने की कौशल की सामर्थ्य साबित की है।

देवोत्थान एकादशी के दिन सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में भी गिरावट

नई दिल्ली। तुलसी विवाह और देवोत्थान एकादशी के दिन घरेलू सर्राफा बाजार में गिरावट का रुख बना हुआ है। सोना 550 रुपये से लेकर 600 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। इसी तरह चांदी के भाव में भी 1 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 78,900 रुपये से लेकर 78,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 72,340 रुपये से लेकर 72,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। सोने की तरह चांदी के भाव में भी कमजोरी आने की वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 92,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 78,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 72,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 78,750 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 78,800 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 78,750 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 78,750 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 78,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 72,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 78,800 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 72,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 78,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

अमेरिकी प्रतिबंध के बावजूद बढ़ता जा रहा एसपीआईईएफ

नई दिल्ली। सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकानॉमिक फोरम (एसपीआईईएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने देशों के बीच जनता के सहयोग को मजबूत करने की दिशा में कारोबारियों की संख्या में वृद्धि का उल्लेख किया। अमेरिका और पश्चिमी देशों की रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों के बावजूद भारत-रूस व्यापार में वृद्धि की उम्मीदें निहित हैं। उन्होंने बताया कि कोविड के दौरान 13,000 से बढ़कर अब 21,000 प्रतिभागी इस व्यापक मंच में शामिल हो गए हैं। भूराजनीतिक तनावों के बीच अमेरिका ने रूस पर और भारत के संबंधों में नये प्रतिबंध लगाने की कवायद की। एसपीआईईएफ के माध्यम से भारत और रूस के बीच आगे के साथ 2030 तक 100 अरब डॉलर का व्यापार होने की उम्मीद जताई गई है। इस मंच के माध्यम से पिछले साल 6.5 अरब रूबल के सौदे किए गए हैं और इसमें भारत का महत्वपूर्ण स्थान है। भारत और रूस के बीच विभिन्न क्षेत्रों में जुड़े कारोबार मजबूत हो रहे हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बांग्लादेशी और...

अध्ययन में शामिल महिलाओं में 50 प्रतिशत से अधिक महिलाओं की तस्करी की गई थी और वो देह व्यापार में लगी हुई थीं। इनमें से 40 प्रतिशत आप्रवासी महिलाएं बांग्लादेश स्थित अपने घर पैसे भेज रही हैं। यह रकम 10,000 रुपए से लेकर 1,00,000 रुपए मासिक तक है। इतना ही नहीं, ये आप्रवासी महानगर की बुनियादी ढांचे पर भार भी बढ़ा रहे हैं। अवैध आप्रवासियों के कारण झुग्गियों में भारी भीड़ बढ़ी है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि गोवंडी, कुर्ला और मानखुर्द जैसी झुग्गी-झोपड़ी वाले इलाकों में घुसपैठियों की भीड़ के कारण बिजली और पानी की आपूर्ति का संकट पैदा हो गया है। इससे सोशल वेलफेयर को खतरा हो रहा है। पहले से ही भारी दबाव वाले मुंबई में बुनियादी ढांचों पर असहनीय दबाव पड़ रहा है। इसका सबसे अधिक प्रभाव स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और स्वच्छता जैसी सार्वजनिक सेवाओं पर पड़ रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, घुसपैठियों के कारण इन बुनियादी सेवाओं तक स्थानीय निवासियों की पहुंच कम हो गई है। आप्रवासियों की बढ़ती संख्या ने स्थानीय लोगों के लिए नौकरियों में प्रतिस्पर्धा को भी बढ़ा दिया है। बांग्लादेशी मुस्लिमों और रोहिंग्याओं द्वारा बेहद कम दर पर काम किया जाता है। इससे स्थानीय श्रमिकों के वेतन पर असर पड़ा है। उनमें नाराजगी बढ़ाती है। इसका फायदा राजनीतिक दल उठाते हैं।

इतना ही नहीं, आप्रवासी के कारण स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर आर्थिक असमानताएं भी बढ़ी हैं, जिसके कारण सामाजिक तनाव और हिंसक झड़पें लगातार बढ़ रही हैं। साल 1965 से मुंबई में बढ़ रही घुसपैठियों की संख्या के कारण पर मराठी पहचान पर संकट बढ़ा है। स्थानीय लोगों में अपनी संस्कृति को लेकर भी असुरक्षा बढ़ती हैं। इसके कारण समाज में तनाव और सामाजिक विभाजन बढ़ा है।

रिपोर्ट के सारांश, निष्कर्ष और निहितार्थ शीर्षक में कहा गया है कि मुंबई में अवैध मुस्लिम घुसपैठ से जुड़ी चुनौतियों के कारण बुनियादी क्षेत्रों की स्थिति चरमरा गई है। बांग्लादेशियों एवं रोहिंग्याओं की घुसपैठ को कम करने के लिए प्रभावी नीतिगत हस्तक्षेप लागू करने की सख्त जरूरत है। इन चुनौतियों में शहर में सुरक्षा, रोजगार, चिकित्सा और सामुदायिक स्थिरता बेहद महत्वपूर्ण हैं।

टिस के असिस्टेंट प्रोफेसर सौविक मंडल का कहना है कि यह एक चिंताजनक स्टडी है। बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठिये आप्रवासी के तौर पर मुंबई में बसे हुए हैं। ये हवाई रास्ते से नहीं, बल्कि बॉर्डर पार करके आए हैं। उन्होंने कहा, हमने तरीका समझा तो पाया की पहले परिवार का कोई सदस्य आता है, फिर पूरा परिवार। इस तरह अवैध तरीके से गांव बसाया जाता है। ये डार्क नेटवर्क की तरह काम करता है।

इस मुद्दे पर दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में आयोजित एक सेमिनार में प्रमुख अर्थशास्त्री और प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने कहा कि अवैध आप्रवासन एक वैश्विक मुद्दा है, जो दुनिया भर में राजनीति, सुरक्षा और जनसांख्यिकी को प्रभावित करती है। उन्होंने कहा कि स्थिति ऐसी हो गई कि आज चुनाव अवैध आप्रवासन के विषय पर लड़े जा रहे हैं।

ऐतिहासिक उदाहरणों का हवाला देते हुए सान्याल ने अनियंत्रित जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के परिणामों के बारे में चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि विभाजन के बाद से लाहौर और कराची जैसे शहर कैसे नाटकीय रूप से बदल गए हैं और वहां हिंदू एवं सिख आबादी में गिरावट आई है। उन्होंने आगे कहा, आज बांग्लादेश में हिंदू, बौद्ध और ईसाई अल्पसंख्यकों को दैनिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है।

सेमिनार में जेएनयू की वीसी शांतिश्री पंडित ने अवैध आप्रवासन के जोखिमों को पहचानने का आग्रह किया। उन्होंने घुसपैठ के खतरों को लेकर कहा, बाबा साहेब अंबेडकर द्वारा भारत को दिए गए संवैधानिक अधिकार और महिलाओं के अधिकार खतरे में पड़ जाएंगे, क्योंकि जो लोग आते हैं वे उस संविधान को स्वीकार नहीं करते हैं। वे भारत के संविधान से ऊपर अपना कानून चाहते हैं।

वहीं, टिस प्रो वीसी शंकर दास ने घुसपैठ से भाषा और संस्कृति पर उत्पन्न खतरों के बारे में चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अवैध आप्रवासन केवल एक आर्थिक मुद्दा नहीं है, बल्कि इसमें कट्टरपंथ के जोखिम भी शामिल हो सकते हैं। उन्होंने कहा, भारत और बांग्लादेश में एजेंटों के बीच एक बड़ी साठगांठ है। उन्होंने कहा कि कुछ एजेंट अपंजीकृत एनजीओ या मजहबी संगठनों से जुड़े हो सकते हैं।

अघाड़ी यानी...

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन के साथ केंद्र में भाजपा नीत एनडीए सरकार का मतलब है राज्य में डबल इंजन की सरकार। मतलब दोगुनी रफ्तार से विकास। महायुति की सरकार किस गति से काम करती है और ये अघाड़ी वालों की जमात कैसे कामों को रोकती है, चंद्रपुर के लोगों से बेहतर ये बात और कौन जानता होगा। यहां के लोग दशकों से रेल संपर्क की मांग कर रहे थे, लेकिन कांग्रेस और अघाड़ी वालों ने कभी भी ये काम होने नहीं दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र में चुनाव के क्या नतीजे आने वाले हैं, ये आप लोगों ने आज ही दिखा दिया है। ये जनसैलाब बता रहा है कि महाराष्ट्र में महायुति की भारी बहुमत से सरकार बनने जा रही है। चिमूर की जनता ने और पूरे महाराष्ट्र ने ठान लिया है भाजपा-महायुती आहे, तर गती आहे, महाराष्ट्राची प्रगति आहे।

हम आए तो...

उन्होंने कहा, आज हमारे देश के महान नेता मदन मोहन मालवीय जी की पुण्यतिथि है। मालवीय जी ने स्वतंत्रता आंदोलन में बहुत बड़ा योगदान दिया और साथ ही बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना भी की। मैं आज मालवीय जी को प्रणाम करके आप सबकी ओर से श्रद्धांजलि देता हूं। शाह ने कहा कि कांग्रेस आरक्षण विरोधी पार्टी है। ये देश के पिछड़ों, दलितों का आरक्षण समाप्त करके मुसलमानों को देना चाहते हैं। आप चिंता मत कीजिए, जब तक मोदी की सरकार है तब तक ऐसा नहीं होने देंगे।

उन्होंने कहा, आने वाली 20 तारीख को आप सभी को वोट देना है। आपका एक एक वोट झारखंड का भविष्य तय करने वाला है। आपका एक वोट तय करेगा कि खुद को करोड़पति-अरबपति बनाने वाला झामुमो चाहिए, या गरीब माताओं को लखपति दीदी बनाने वाली नरेंद्र मोदी की सरकार आपको चाहिए। यहां कांग्रेस और झामुमो के नेताओं से करोडों रुपए पकड़े गए हैं, ये सारे पैसे झरिया और धनबाद के युवाओं और माताओं-बहनों के हैं। आप भाजपा की सरकार बना दीजिए, हम इन करोड़ों रुपए लूटने वालों को उल्टा लटकाकर सीधा करने का काम करेंगे। झारखंड के गरीब आदिवासियों का, पिछड़ा वर्ग का और युवाओं का जो रुपया उन्होंने लुटा है, उसकी पाई-पाई उनसे वसूल करके झारखंड की तिजोरी में जमा की जाएगी।

शाह ने यह भी कहा, इन्होंने (कांग्रेस-झामुमो) ने एक हजार करोड़ का मनरेगा घोटाला किया, भूमि घोटाला किया, खनन घोटाला किया, सेना की जमीन भी कब्जा ली, हजारों करोड़ का शराब का घोटाला किया। ये घोटाला करने वाली सरकार है। राहुल बाबा खटाखट-खटाखट घोषणाएं करते हैं, जो पूरी नहीं होती। लेकिन मोदी की गारंटी पत्थर की लकीर होती है। एक-एक गारंटी को पूरा करने का काम हम करेंगे।

शाह ने झारखंड के धनबाद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, कांग्रेस आरक्षण विरोधी पार्टी है। वे पिछड़े वर्गों और दलितों के आरक्षण को खत्म कर मुसलमानों को देना चाहते हैं। जब तक भाजपा का एक भी विधायक है, हम मुसलमानों को आरक्षण नहीं देने देंगे। केंद्रीय मंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि अगर झामुमो मंत्री आलमगीर आलम के घर से 35 करोड़ रुपए और कांग्रेस सांसद के घर से 350 करोड़ रुपए जब्त किए जाते हैं, तो यह किसका पैसा है? उन्होंने कहा कि यह धनबाद के युवाओं और माताओं से लूटा गया धन है। उन्होंने सोचा कि वे इस तरह लूटपाट करके बच सकते हैं। बस भाजपा की सरकार बनाएं और हम इन लुटेरों को ठीक कर देंगे।

बंटें नहीं... ...

लैंड जेहाद नहीं है। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, यह पहले ही घोषित कर दिया गया था कि अगर कोई हमारी बेटियों की सुरक्षा में बाधा डालेगा, सरकारी और गरीबों की जमीन हड़पेगा तो यमराज उनका टिकट काटने के लिए तैयार रहेंगे। यूपी में माफिया थे और पिछली सरकार उनकी सुरक्षा करती थी। लेकिन अब वे सभी जहन्नुम की ओर जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले भी महाराष्ट्र में चुनावी रैलियां करते हुए बंटेंगे तो कटेंगे वाला नारा दोहरा चुके है। जिसका विपक्षी गठबंधन महा विकास अघाड़ी ने विरोध किया।

बीफ में ...

जिसमें से 7 अलीगढ में, 5 गाजियाबाद में और अन्य मेरठ, मुरादाबाद, रामपुर, और बिजनौर में हैं। यूपी का कोई जिला ऐसा नहीं है, जहां अवैध बूचड़खाना नहीं चल रहा हो।

देशभर में कुल 72 बूचड़खाने हैं जिसे लाइसेंस प्राप्त हैं, इनमें से अकेले यूपी में 38 बूचड़खाने हैं। चार बूचड़खाने ऐसे भी हैं जिसे सरकार खुद चलाती है, जो आगरा, सहारनपुर में है। दो अन्य बूचड़खाने लखनऊ और बरेली में है। अलीगढ़ में हिंद एग्रो आईएमपीपी पहला बूचड़खाना है जिसे 1996 में शुरु किया गया था। यहां यह समझने वाली बात यह है कि खाड़ी के देशों में भैंस के मांस की काफी मांग है और भारत इसके लिए सबसे कारगर देश है, इसकी सबसे बड़ी वजह है कि यहां सस्ता मांस मिलता है और विक्रेता को इस बात का भरोसा मिलता है कि उसे हलाल मांस ही दिया जा रहा है। इसी के चलते यूपी में अवैध बूचड़खाने काफी ज्यादा पनपे हैं।

पिछले दिनों वरिष्ठ आईएएस अधिकारी और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पूर्व चेयरमैन मनोज सिंह को हटाने और दो वरिष्ठ अधिकारियों को निलंबित करने के पीछे भैंसे के मीट का लगातार बढ़ता अनपेक्षित उत्पादन है। उत्तर प्रदेश से बफैलो (भैंसे का) मीट निर्यात महज कुछ वर्षों में दोगुना हो गया। पिछले वर्ष 17 हजार करोड़ से ज्यादा का भैंसे के मीट का निर्यात किया गया। वहीं इस वर्ष छह महीने में ही 9 हजार करोड़ का मांस निर्यातित हो चुका है। संदेह है कि प्रशासन की मिलीभगत से भैंसों के मांस में गोवंशीय पशुओं का मांस भी बड़े पैमाने पर मिलाया जा रहा है। मांस उत्पादन में इतनी तेज प्रगति ने शासन के कान खड़े कर दिए हैं कि कहीं मानकों और नियमों को ताक पर रखकर तो मांस का कारोबार नहीं किया जा रहा!

उत्तर प्रदेश के स्लॉटर हाउसों को एनओसी देने में जमकर धांधली की गई। अनुमति देने में पैसे का खुला खेल खेला गया। निर्धारित संख्या से दस गुना तक ज्यादा पशुओं को काटे जाने की शिकायतों के बावजूद अधिकारी आंखें मूंदे रहे। यह भी एक वजह है कि पूरे भारत से होने वाले मीट निर्यात में यूपी की हिस्सेदारी 50.34 प्रतिशत हो गई। ये आंकड़े कृषि एवं प्रसंस्करण खाद्य उत्पाद निर्यात प्राधिकरण (एपीडा) के हैं। अकेले यूपी से दुनिया के लगभग 82 देशों में मांस का निर्यात होता है। उन्नाव स्थित एओवी एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड और अलहक फूड प्राइवेट लिमिटेड के अतिरिक्त गाजियाबाद के अल नासिर स्लॉटर हाउस को एनओसी देने में बरती गई अनियमितता के बाद अफसरों पर गाज गिरी है।

यूपी से इस वित्तीय वर्ष में अप्रैल से अगस्त तक 2.41 लाख किलो बफैलो मीट का निर्यात किया जा चुका है। इसकी कीमत करीब 6769 करोड़ रुपए है। वहीं पिछले वित्त वर्ष में 7.36 लाख किलो मांस का निर्यात किया गया था। इस मांस की कीमत करीब 17682 करोड़ रुपए है। मांस निर्यात में यूपी आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल से भी आगे निकल गया है। यूपी के केवल पांच जिलों अलीगढ़, गाजियाबाद, आगरा, मेरठ और उन्नाव को मिला कर 22.15 प्रतिशत मांस का निर्यात हो रहा है। पूरे यूपी से कुल 50.34 प्रतिशत बीफ की सप्लाई हो रही है।

आश्चर्य की बात यह है कि यूपी से बकरे और भेड़ के गोश्त का निर्यात नाममात्र का है। इस वित्तीय वर्ष में अप्रैल से अगस्त के बीच महज 15 करोड़ रुपए का निर्यात हुआ। वहीं पिछले वर्ष 38 करोड़ का निर्यात हुआ था। प्रोसेस्ड मीट की बात करें तो केवल 3.16 करोड़ रुपए का निर्यात किया गया। बकरे के मीट के निर्यात में स्लॉटर हाउसों का रुझान कम है, जबकि भैंसों और भारी पशुओं के मांस का धंधा स्लॉटर हाउसों का पसंदीदा है।

हवाला के जरिए ...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के अन्य नेता लगातार झारखंड सरकार पर बांग्लदेशी घुसपैठ को बढ़ावा देने का आरोप लगा रहे हैं।

झारखंड में विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 43 सीटों पर बुधवार को मतदान होगा जबकि दूसरे चरण के तहत 38 सीटों पर 20 नवंबर को मतदान होगा। बता दें कि एजेंसी द्वारा दर्ज प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) जून में रांची में बरियातू पुलिस स्टेशन में दर्ज झारखंड पुलिस की एक प्राथमिकी पर आधारित है।

विचित्र किंतु...

रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि प्रदेश के सरकारी स्कूलों में अगर कोई छात्र उच्च प्राथमिक स्कूलों में पहुंच भी जाता है तो कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा में शत प्रतिशत रिजल्ट को बनाए रखने के लिए जानबूझकर छात्रों को स्कूलों से बाहर कर दिया जाता है।

उद्धव ठाकरे के...

जबकि चुनाव आयोग ने कहा है कि कार्रवाई तय नियमों के मुताबिक होती है। आयोग ने कहा कि भाजपा के भी सभी नेताओं के विमानों और हेलीकॉप्टरों की जांच की जाती है।

जंगल की ...

पूर्वी क्षेत्रीय पीठ, कोलकाता के अधिकार क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए, मामले को संबंधित पीठ में स्थानांतरित कर दिया गया है, और एनजीटी ने कार्यालय को निर्देश दिया है कि वह मूल रिकॉर्ड को पूर्वी क्षेत्रीय पीठ में स्थानांतरित करे। सुनवाई 3 दिसंबर 2024 को निर्धारित की गई है।

सितंबर में मालकानगिरी जिले के मोटु क्षेत्र में लगभग 100 एकड़ वन भूमि पर अवैध कब्जा किए जाने की बात सामने आई थी। इस कब्जे पर इसलामनगर का निर्माण किया गया है। इस मामले ने स्थानीय अधिकारियों की मिलीभगत सामने आई। घटना बीजद की पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में हुई, जिससे संभावित मिलीभगत और सत्ता के दुरुपयोग किये जाने की बात सामने आई थी। इसलामनगर को वन भूमि पर अवैध रूप से नेशनल हाइवे 326 से 2-3 किमी दूर, सबरी नदी के किनारे घने जंगलों के बीच में स्थापित किया गया है। निर्माण प्रक्रिया में एक कच्ची सड़क बनाना और तार की बाड़ लगाना शामिल था।

मोहम्मद मसूम खान इस विवाद के केंद्र में है, जिस पर लगभग 100 एकड़ वन भूमि पर अवैध कब्जा कर इसलामनगर स्थापित करने का आरोप है। खान पर आरोप है कि उसने एक विशाल साम्राज्य अवैध रूप से स्थापित किया है, और ऐसा कहा जा रहा है कि उसे पूर्व बीजेडी सरकार से संरक्षण और प्रोत्साहन मिला। स्थानीय भाजपा नेताओं ने इसे भूमि जेहाद करार दिया था। उन्होंने कहा था कि 100 एकड़ वन भूमि पर कब्जा करना, पेड़ों की कटाई करना और ऊंची इमारतें बनाना बिना राजनीतिक समर्थन के संभव नहीं है। इसके अलावा, मनरेगा योजना के तहत सड़क का निर्माण, कृषि और मत्स्य पालन विभाग से फंड लेकर एक बड़े जलाशय का निर्माण, और बिजली विभाग द्वारा एक बड़ा ट्रांसफार्मर लगाना भी राजनीतिक समर्थन के बिना संभव नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया था कि यह व्यापक अवैध गतिविधि पूरी तरह से बीजू जनता दल, विशेषकर पूर्व सांसद प्रदीप माझी के संरक्षण और प्रोत्साहन से हुई है। राजनीतिक कारणों से, प्रशासन ने इन कार्यों को नजरअंदाज करते हुए इस अवैध गतिविधि में सहयोग और समर्थन दिया है।

मशहूर दून ...

ऐसे में दून स्कूल की ये मजार सीधे तौर पर सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का उलंघन है।

बहरहाल जैसे ही इस मामले की खबर जिला प्रशासन को हुई तो ऊपर से नीचे तक हड़कंप मच गया। इस बारे में शासन से डीएम देहरादून को रिपोर्ट देने और इसका काम रूकवाने को कहा गया। डीएम सर्वीन बंसल ने तत्काल एसडीएम और सीओ को मौके पर भेज कर काम रुकवाया। पहले उन्होंने बताया कि इस मामले की जांच पड़ताल कर वैधानिक कारवाई की जाएगी। हालांकि, बाद में प्रशासन ने इसे ध्वस्त करवा दिया।

दो दिन पूर्व प्रेम नगर क्षेत्र में एनएच विभाग द्वारा एक मजार को शिफ्ट करने के बदले नई मजार बनवा कर देने के मामले में भी डीएम श्री बंसल ने बताया कि फिलहाल काम रुकवा दिया गया है। आगे इस पर प्रशासनिक बैठक के बाद निर्णय लिया जाएगा। उधर हिंदुत्व निष्ट संगठन की राधा सेमवाल धोनी ने कहा है कि प्रशासनिक लापरवाही की वजह से फिर से मजारें बनाई जा रही हैं।

कार्तिक पूर्णिमा पर चंद्रमा और मंगल का राशि परिवर्तन

दान-पुण्य का 100 गुना फल प्राप्त होगा

कार्तिक मास की पूर्णिमा तिथि का अत्यधिक महत्व है। प्रत्येक महीने की पूर्णिमा का अपना विशेष स्थान होता है, किंतु कार्तिक पूर्णिमा का महत्व अद्वितीय है। इस दिन देव दीपावली उत्सव मनता है।

इस दिन स्नान और दान करने से जीवन में समृद्धि और खुशहाली का संचार होता है। साथ ही, यह दिन सुख और शांति का भी प्रतीक है।

पं. अजय जोशी ने बताया कि इस वर्ष कार्तिक पूर्णिमा पर कई शुभ योग बन रहे हैं। इससे दान-पुण्य का विशेष फल प्राप्त होता है।

पूर्णिमा तिथि 15 नवंबर सुबह 6.20 बजे प्रारंभ होगी और समापन मध्यरात्रि 2.59 बजे होगा। पूर्णिमा पर पवित्र नदी में स्नान और दीपदान का अत्यधिक महत्व होता है। संध्या के समय दीपदान करना चाहिए।

इस दिन उचित समय पर नदी में स्नान करने से व्यक्ति पापों से मुक्त हो जाता है। जरूरतमंदों को दान देने की परंपरा भी है।

कार्तिक पूर्णिमा पर बनने वाले शुभ योग

पं. जोशी ने बताया कि इस वर्ष पूर्णिमा पर चंद्रमा और मंगल का राशि परिवर्तन एक विशेष योग का निर्माण करेगा, जिसमें दोनों ग्रह एक-दूसरे की राशि में स्थित रहेंगे। इस दिन रात के समय गजकेसरी राजयोग का निर्माण होगा।

इसके अतिरिक्त, बुधादित्य राजयोग भी इस दिन बनेगा। विशेष रूप से 30 वर्षों के बाद कार्तिक पूर्णिमा पर विशेष राजयोग का निर्माण हो रहा है, क्योंकि अगले 30 वर्षों तक शनि कुंभ राशि में गोचर नहीं करेंगे। इस प्रकार, कार्तिक पूर्णिमा पर किए गए उपाय और दान पुण्य के कार्यों का फल 100 गुना अधिक प्राप्त होगा।

शश राजयोग में कार्तिक पूर्णिमा, जानिए क्या करें और क्या न करें

हिंदू धर्म में कार्तिक पूर्णिमा का दिन बेहद खास होता है। इस दिन भगवान शिव और विष्णु जी की पूजा की जाती है। इससे जीवन में सुख-समृद्धि का वास होता है। कार्तिक पूर्णिमा पर चंद्रमा पूर्ण चमक के साथ आकाश में जगमगाता है, और चारों दिशाओं में अपनी रोशनी को फैलाए रखता है। इसे प्रकाश का पर्व भी कहा जाता है।

कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को कार्तिक पूर्णिमा पड़ती है। इस साल 15 नवंबर 2024 को कार्तिक पूर्णिमा है। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर राक्षस का वध किया था। इसलिए इसे त्रिपुरी या त्रिपुरारी पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है।

इस साल कार्तिक माह की पूर्णिमा के दिन गजकेसरी राजयोग बन रहा है। उसके बाद शश राजयोग का निर्माण होगा। ऐसे में कुछ कार्यों को करने से बचना चाहिए, अन्यथा समस्याएं हो सकती हैं। इसी कड़ी में आइए जानते हैं कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन क्या करें और क्या न करें।

कार्तिक पूर्णिमा पर क्या करें

* कार्तिक पूर्णिमा के दिन वस्त्रों का दान करना चाहिए। इससे पितरों की कृपा प्राप्त होती हैं।

* इस दिन तिल का दान भी करना चाहिए। इससे भगवान शिव प्रसन्न होते हैं।

* कार्तिक पूर्णिमा पर चंद्रमा को जल अर्घ्य देने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं, और कुंडली में चंद्रमा की स्थिति मजबूत होती है।

* इस दिन घर की स्वच्छता का खास ध्यान रखना चाहिए। इससे भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

* कार्तिक पूर्णिमा के शुभ दिन पर पवित्र नदी में स्नान करना चाहिए। इसके बाद दीपदान करना चाहिए। इससे भाग्य में वृद्धि होती हैं।

कार्तिक पूर्णिमा पर क्या न करें

* धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा के दिन यदि कोई आपके द्वार पर आए, तो उसे खाली हाथ न जाने दें।

* कार्तिक पूर्णिमा के दिन किसी भी व्यक्ति का अपमान नहीं करना चाहिए। इस दौरान कटु वचन भी न बोलें।

* कार्तिक पूर्णिमा के दिन घर में पूजा पाठ से जुड़े कार्य किए जाते हैं। ऐसे में भूलकर भी तामसिक चीजों का सेवन न करें।

* इस दिन चांदी के बर्तन या दूध जैसी चीजों का दान नहीं करना चाहिए। इससे आर्थिक समस्या भी हो सकती है।

* इस दौरान घर के किसी भी कोने में अंधेरा नहीं करना चाहिए। ऐसा करना अशुभ होता है।

कार्तिक माह का अंतिम प्रदोष व्रत आज

जानिए महत्व, शुभ मुहूर्त व पूजन विधि

प्रदोष व्रत हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण उपवास है, जो हर महीने के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को मनाया जाता है। यह व्रत विशेष रूप से भगवान शिव की पूजा के लिए समर्पित होता है। प्रदोष व्रत के दौरान व्रति उपवासी रहकर पूजा, उपासना और मंत्र जाप करते हैं, जिससे जीवन में सुख, समृद्धि और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

कार्तिक प्रदोष व्रत का विशेष महत्व होता है। ऐसे में क्या आप जानते हैं कि कार्तिक माह का आखिरी प्रदोष व्रत कब पड़ने वाला है। इस व्रत के महत्व के बारे में हम इस आर्टिकल में आपको बताएंगे।

प्रदोष व्रत

कार्तिक महीने का प्रदोष महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि 4 महीने के लिए योग निद्रा में जाने से पहले भगवान विष्णु सृष्टि के संचालन की जिम्मेदारी महादेव को देते हैं। ऐसे में कार्तिक शुक्ल एकादशी पर यह भार महादेव फिर से भगवान विष्णु पर डाल देते हैं। ऐसे में यह पहला और कार्तिक माह का आखिरी प्रदोष व्रत होता है।

कार्तिक महीने के आखिरी प्रदोष व्रत की तारीख हिंदू पंचाग की मानें तो कार्तिक माह का आखिरी प्रदोष व्रत 13 नवंबर को मना जाएगा। इसका समापन 14 नवंबर को हो जाएगा। ऐसे में आप प्रदोष व्रत का उपवास बुधवार के दिन रख सकते हैं।

शुभ मुहूर्त

कार्तिक शुक्ल त्रयोदशी का आरंभः 13 नवंबर दोपहर 01 बजकर 01 मिनट

कार्तिक शुक्ल त्रयोदशी का समापनः 14 नवंबर सुबह 09 बजकर 43 मिनट

प्रदोष व्रतः 13 नवंबर 2024 दिन बुधवार

बुध प्रदोष व्रत पूजा मुहूर्तः शाम 05 बजकर 49 मिनट से रात 08 बजकर 25 मिनट बजे तक

त्रयोदशी यानी प्रदोष पूजा मुहूर्तः कुल 02 घंटे 36 मिनट का है।

प्रदोष व्रत का पूजन मंत्र

पंचाक्षर मंत्र

ॐ नमः शिवाय

महामृत्युंजय मंत्र

ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्
उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्।।

शिव स्तुति मंत्र

दः स्वप्नदुः शकुन दुर्गतिदौर्मनस्य, दुर्भिक्षदुर्व्यसन दुस्सहदुर्यशांसि।
उत्पाततापविषभीतिमसद्रहार्ति, व्याधीश्चनाशयतुमे जगतातमीशः।।

दुर्लभ संयोग में कार्तिक पूर्णिमा, इन चीजों का दान करने से मनचाहे फल की होगी प्राप्ति

कार्तिक माह भगवान विष्णु की पूजा को समर्पित है। यह हिंदू पंचांग का आठवां महीना है, जो अंग्रेजी कैलेंडर में अक्टूबर और नवंबर के महीनों में पड़ता है। इस

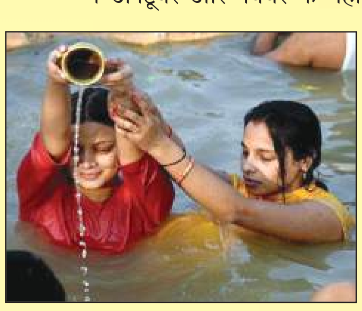

माह के स्वामी भगवान कार्तिकेय हैं, इसलिए इसे कार्तिक महीना कहा जाता है। इस माह में धनतेरस, दिवाली, गोवर्धन और छठ पूजा जैसे बड़े पर्व मनाए जाते हैं। इस माह में आने वाली देवउठनी एकादशी को सभी एकादशी में विशेष माना गया है। इस दिन भगवान विष्णु चार माह की निद्रा के बाद जागते हैं, जिसके बाद चातुर्मास का समापन होता है।

इस माह में जहां विष्णु जी की पूजा का विधान है, वहीं इस महीने की पूर्णिमा तिथि पर भगवान शिव की पूजा भी की जाती है। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर राक्षस का वध किया था। इसलिए इसे त्रिपुरी या त्रिपुरारी पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन देव दिवाली का पर्व भी मनाया जाता है। पंचांग के अनुसार इस साल 15 नवंबर 2024 को कार्तिक पूर्णिमा है। इस पूर्णिमा पर 30 वर्ष बाद शश राजयोग का निर्माण हो रहा है, जो बेहद लाभकारी है। ऐसे में कुछ खास कार्यों को करने से सभी मनोकामनाएं पूरी हो सकती हैं। आइए इसके बारे में जानते हैं।

कार्तिक पूर्णिमा 2024 स्नान-दान का समय

* कार्तिक पूर्णिमा के दिन स्नान-दान शुभ मुहूर्त -सुबह 04 बजकर 58 मिनट से सुबह 5.51 मिनट कर है।

* सत्यनारायण पूजा - सुबह 06 बजकर 44 मिनट से सुबह 10.45 मिनट तक।

* चंद्रोदय समय - शाम 04.51

इन चीजों का करें दान

* धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा के दिन वस्त्रों का दान करना चाहिए। इसे बेहद ही शुभ माना जाता है। कहते हैं कि वस्त्रों का दान करने से पितरों का आशीर्वाद वंशों पर बना रहता है।

* कार्तिक पूर्णिमा पर तिल का दान करें। इससे भगवान शिव प्रसन्न होते हैं, और भक्तों पर अपनी कृपा बरसाते हैं।

* अन्न का दान जीवन का सबसे बड़ा दान होता है। माना जाता है कि इसका दान करने से व्यक्ति के घर में कभी अन्न की कमी नहीं होती हैं।

* कार्तिक पूर्णिमा के दिन गुड़ का दान करना चाहिए। इससे भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं। इतना ही नहीं गुड़ का दान करने से घर से दरिद्रता भी दूर होती है।

भगवान शनि देव 15 नवम्बर से होंगे मार्गी, साढ़ेसाती और ढैया के जातकों को मिलेगी राहत

भगवान शनिदेव 15 नवंबर को मार्गी होने वाले हैं यानी वो सीधी चाल में चलेंगे। ज्योतिषाचार्य सुनील चोपड़ा ने बताया कि अभी शनि ग्रह वक्री चाल चल रहे थे, अब 15 नवम्बर से मार्गी होने जा रहे है। शनि के मार्गी होने से कई राशियों पर असर होगा। खासकर शनि की साढ़ेसाती और ढैया से प्रभावित राशियां लाभ पाएंगी। इससे पहले शनि वक्री थे, वक्री मतलब विपरीत दिखा में चल रहे थे। ऐसा कहा जाता है कि शनि विपरीत दिशा में चलकर नकारात्मक परिणाम देते हैं और इससे शनि की साढ़ेसाती वाली राशियां प्रभावित होती हैं। शनि अभी कुंभ राशि में चलायामन है। शनि देव 29 मार्च 2025 में मीन राशि में प्रवेश करेंगे।

कुंभ राशि पर साढ़ेसाती का दूसरा ढैया

कुंभ राशि के लोगों के लिए तरक्की के योग बनेंगे। सेहत को लेकर आपकी परेशानी कम होगी और संपत्ति को लेकर अगर कोई विवाद चल रहा था, तो उसमें भी लाभ होगा। कुल मिलाकर आपके लिए अच्छे दिनों की शुरुआत होगी

मीन राशि के अच्छे परिवर्तन के संकेत

मीन राशि वालों के लिए भी शनि का गोचर अच्छे परिवर्तन ला रहे है। आपके लिए कई प्रकार की चीजें सरल होती नजर आ रही हैं। कुछ नुकसान जो पहले हुआ था, उसमें भी आपको लाभ होगा।

मकर राशि पर साढ़ेसाती का आख़िरी दौर

मकर राशि पर शनि की साढ़े साती का आखिरी दौर है और शनि की सीधी चाल मकर राशि के लिए फायदेमंद साबित होगी।संतान की तरफ से शुभ समाचार मिलेगा।सेहत अच्छी रहेगी, घर में सुख का माहौल रहेगा। व्यापार और नौकरी में भी फायदा होगा।कहीं पैसा अटका है तो वापस मिलने के योग बन रहे हैं।इनके लिए निवेश करना अच्छा रहेगा।दांपत्य जीवन में खुशहाली आएगी।

मीन राशि पर साढ़ेसाती का पहला दौर

मीन राशि वाले लोगों की साढ़ेसाती का पहला ढैया भी शनि की सीधी चाल लाभ कराएगी। ये काफी समय से मुश्किलें झेल रहे हैं जिनका अंत होगा। व्यापार में लाभ होगा और नौकरी में इंक्रीमेंट के योग हैं। समाज में नए और प्रभावशाली लोगों से संबंध मजबूत होंगे।रुके हुए काम बनने लगेंगे,धन का लाभ होगा और निवेश के लिए भी समय अच्छा रहेगा।

इन राशियों को मिलेगा ढैय्या के अशुभ प्रभाव से छुटकारा

ज्योतिष शास्त्र अनुसार शनि देव के कुंभ राशि में मार्गी होने से कर्क और वृश्चिक राशि के जातकों पर ढैय्या का कष्टमय असर खत्म होने जा है। क्योंकि शनि देव कर्क राशि वालों की गोचर कुंडली में आठवें और वृश्चिक राशि के जातकों की गोचर कुंडली में चतुर्थ भाव में भ्रमण कर रहे हैं। इसलिए शनि देव के मार्गी होने से अब इन लोगों के अटके हुए काम बनने लगेंगे।

साथ ही जो जीवन में तनाव चल रहा था, उससे मुक्ति मिलेगी। वहीं भाग्य का साथ मिलेगा। साथ ही कारोबारियों को अच्छा धनलाभ होगा। साथ ही काम-कारोबार के संबंध से यात्राएं आप कर सकते हैं। जो शुभ रहेंगी। वहीं बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है।

पिंक साड़ी पहन राशि खन्ना ने कैमरे के सामने दिए पोज

साउथ और बॉलीवुड इंडस्ट्री की खूबसूरत हसीना राशि खन्ना हमेशा अपने परफेक्ट फैशन सेंस और ग्लैमरस लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर तहलका मचाती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। हालिया फोटोशूट में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।बी-टाउन की खूबसूरत हसीना राशि खन्ना आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उन्होंने ना सिर्फ अपनी एक्टिंग बल्कि लुक्स से भी लोगों को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस उनके हुस्न के कायल हो गए हैं।लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान एक्ट्रेस राशि खन्ना ने गुलाबी साड़ी पहनी हुई थी, जिसमें वो बेहद ही सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।बालों की हाई पोनीटेल, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस राशि खन्ना ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।राशि खन्ना अक्सर अपनी अदाओं से फैंस को इस कदर रिझाती हैं कि लोग उनके लुक्स पर से नजरें नहीं हटा पाते। उनका स्टनिंग अवतार इंटरनेट पर आते ही छा जाता है।एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े अपडेट्स फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं।

ना डॉन, ना गुंडा और ना ही गलत धंधा जब तक इन 3 चीजों से दूर रहे सलमान

सलमान खान का ऑरा बीते कुछ सालों में ऐसा हो चुका है कि जिस फिल्म से उनका नाम जुड़ता है वो फिल्म आराम से सौ करोड़ के पार निकल जाती है। फिर फिल्म क्रिटिक्स चाहें उनकी फिल्म को जो मर्जी कमेंट दें। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म चाहें जो आंकड़े हासिल कर सके। लेकिन फैन्स के लिए सलमान खान यानी कि हिट और एंटरटेनिंग फिल्म का नाम होता है। जिसमें उनके फेवरेट भाईजान का जलवा सबसे हिट होता है। इससे भी ज्यादा दिलचस्प फेक्ट ये है कि जिन फिल्मों में सलमान खान के अपोजिट कोई विलेन नहीं रहा, वो फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही हैं। चलिए आपको बताते हैं कौन कौन सी हैं वो फिल्म।

सुल्तान –साल 2016 में आई इस फिल्म में सलमान खान एक पहलवान के रोल में हैं। जो सालों से कुश्ती के अखाड़े से दूर हैं। लेकिन हालात कुछ ऐसे बनते हैं कि उन्हें दोबारा कुश्ती के मैदान में उतरना पड़ता है। उनकी जंग खुद से ही है। जिसे वो जीतकर ही रहते हैं। फिल्म में उनके अपोजिट है अनुष्का शर्मा। जो खुद एक पहलवान हैं और सलमान खान का मोटिवेशन भी।

किक – सलमान खान और जैकलीन फर्नांडिस की ये फिल्म एक्शन, कॉमेडी और रोमांस से भरपूर है। इस फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी जरूर विलेन बने हैं। लेकिन वो बहुत कम देर के लिए स्क्रीन पर दिखे हैं। 2014 में रिलीज हुई इस फिल्म में सलमान खान ही असल चोर हैं और वही बाद में पुलिस वाले बनकर आते हैं।

बॉडीगार्ड – साल 2011 में आई इस फिल्म में सलमान खान और करीना कपूर एक दूसरे के अपोजिट हैं। फिल्म के एक खूबसूरत सी लव स्टोरी है। सलमान खान खुद को चाहने वाली को देखे बगैर उसे चाहने लगते हैं। वो उसे मिल भी जाती है। लेकिन बहुत बाद में उन्हें पता चलता है कि उनका असल प्यार कोई और है। फिल्म में हेजल कीच भी अहम भूमिका में हैं।

बजरंगी भाईजान – ये फिल्म एक ऐसी बच्ची की कहानी थी जो गलती से पाकिस्तान से हिंदुस्तान आ जाती है। मासूम सी वो बच्ची बोल नहीं पाती। इसलिए अपने देश का नाम नहीं बता पाती। लेकिन जब पता चलता है कि वो पाकिस्तान की है तब बजरंगी भाई यानी कि सलमान खान खुद उसे पाकिस्तान छोड़ने का जिम्मा उठाते हैं। ये फिल्म साल 2015 में रिलीज हुई थी। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने भी फिल्म में इंपोर्टेंट रोल प्ले किया है।

हम आपके हैं कौन – माधुरी दीक्षित और सलमान की ये फैमिली ड्रामा रोमांटिक मूवी रिलीज हुई थी साल 1994 में। जिसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। फिल्म में दो प्रेमियों का मिलना बिछड़ना जरूर है। लेकिन उसकी वजह कोई विलेन नहीं बल्कि हालात हैं। जो दो प्रेमियों के बीच रोड़ा बन जाते हैं। लेकिन अंत में प्यार की जीत होती है और हीरो हीरोइन एक हो जाते हैं।

शिवभक्त बनकर फिर तांडव मचाने आ रहे नंदमुरी बालकृष्ण! अखंडा 2 का हुआ ऐलान

साउथ सुपरस्टार नंदमुरी बालकृष्ण और प्रज्ञा जायसवाल ने बोयापति श्रीनु की आगामी प्रोजेक्ट के लिए हाथ मिलाया है। नंदमुरी और बोयापति का यह चौथा कोलैबोरेशन है। मेकर्स ने आधिकारिक तौर पर फिल्म के टाइटल का अनाउंसमेंट किया है। यह अनाउंसमेंट प्रोजेक्ट के पूजा सेरेमनी के दौरान किया गया है।साउथ फिल्म इंडस्ट्री के फेमस डायरेक्टर बोयापति श्रीनु ने अपने आगामी प्रोजेक्ट के लिए पूजा सेरेमनी का आयोजन किया। पूजा में फिल्म के लीड एक्टर नंदमुरी रेड कलर का कुर्ता पहनकर पहुंचे। मेकर्स ने उनका भव्य तरीके से स्वागत किया। दोनों ने पूजा में भाग लिया। इस दौरान डायरेक्टर ने अपने आगामी प्रोजेक्ट के टाइटल का खुलासा किया है। नंदमुरी बालकृष्ण और बोयापति श्रीनु की आगामी फिल्म का टाइटल अखंडा 2: तांडवम है।ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श के अनुसार, बालकृष्ण-बोयापति श्रीनु अखंडा 2 के लिए फिर साथ आए है। नंदमुरी बालकृष्ण और निर्देशक बोयापति श्रीनु, जिन्होंने सिम्हा, लीजेंड और अखंडा के साथ हैट्रिक दी, अब चौथी बार (बीबी4) : अखंडा 2 के लिए साथ आए हैं। राम अचंता और गोपी अचंता की निर्मित, थमनएस के म्यूजिक और एम तेजस्विनी नंदामुरी प्रस्तुति फिल्मांकन जल्द ही शुरू होगा।अखंडा 2: थंडवम ब्लॉकबस्टर अखंडा (2021) का सीक्वल है। इस बार, फिल्म को हिंदी में भी रिलीज किया जाएगा, क्योंकि पहले पार्ट के हिंदी डब को दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली थी। यह फिल्म 14 रील्स प्लस बैनर के तहत राम अचंता और गोपी अचंता की निर्मित होगी। फिल्मांकन जल्द ही शुरू होगा।

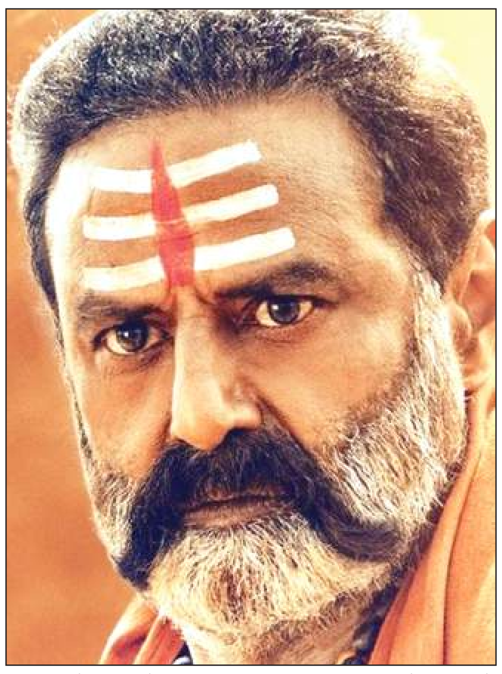

कभी पापा ने कहा था मैं तुम्हारी पढ़ाई का लोन नहीं चुका सकता

आज वही लड़की बनी ओटीटी की सबसे महंगी एक्ट्रेस

आजकल बड़े से बड़े स्टार भी ओटीटी पर अपनी फिल्में ला रहे हैं। कई बॉलीवुड एक्ट्रेस भी इन दिनों ओटीटी पर हाथ आजमा रही हैं। क्या आप जानते हैं कि ओटीटी पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय एक्ट्रेस कौन है। अगर आप किसी बॉलीवुड हीरोइन के बारे में सोच रहे हैं तो आप गलत हैं, क्योंकि वो साउथ एक्ट्रेस और पैन-इंडिया स्टार हैं। कभी अपनी पढ़ाई तक का खर्च सही तरह नहीं उठा पाती थीं, आज करोड़ों की मालकिन हैं। एक शो के लिए अच्छा-खासा चार्ज करती हैं। अगर अब तक समझ नहीं पाए तो चलिए जानते हैं इस एक्ट्रेस के बारें में।

हम बात कर रहे हैं समांथा रुथ प्रभु की। साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सबसे बड़ी एक्ट्रेस में से एक सामंथा 'मर्सल', 'महानती', 'यूटर्न', 'शाकुंतलम', 'यशोदा', 'खुशी' जैसी कई फिल्मों का हिस्सा रही हैं। हाल ही में वरुण धवन के साथ वेब सीरीज 'सिटाडेल: हनी बनी' में नजर आईं हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, समांथा रुथ प्रभु ने 'सिटाडेल: हनी बनी' के लिए करीब 10 करोड़ रुपए चार्ज किए हैंम। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। अगर मीडिया रिपोर्ट्स को सच मानें तो ओटीटी पर सबसे ज्यादा चार्ज करने वाली एक्ट्रेस बन गई हैं। इससे पहले एक्ट्रेस मनोज बाजपेयी की 'द फैमिली मैन 2' भी कर चुकी हैं।

समांथा रुथ प्रभु का फिल्मी करियर काफी लंबा रहा है। उनकी फैन फॉलोइंग काफी तगड़ी रही है। एक बार एक्ट्रेस ने खुलासा किया था कि एक्टिंग का करियर उन्हें पैसों की कमी को पूरा करने के लिए चुनना पड़ा था। 'कॉफी विद करण' में उन्होंने बताया कि एक समय ऐसा भी था, जब उनके पास पढाई करने के पैसे ही नहीं थे, क्योंकि पिता ने उनके कर्ज को चुकाने से इनकार कर दिया था। लेकिन यह उनके लिए अच्छा भी हुआ। इसके बाद से उनकी जिंदगी बदल गई थी और वह फिल्मों में आ गईं।

विनीत कुमार सिंह की फिल्म मैच फिक्सिंग का ट्रेलर जारी

15 नवंबर को फिल्म होगी रिलीज

आगामी फिल्म मैच फिक्सिंग के निर्माताओं ने इसका ट्रेलर जारी कर दिया है। कंवर खटाना की द गेम बिहाइंड सैफरन टेरर पर आधारित इस फिल्म में विनीत कुमार सिंह, अनुजा साठे और मनोज जोशी मुख्य भूमिका में हैं।ट्रेलर में एक मनोरंजक कहानी की झलक के साथ बताया गया है कि कैसे कुछ राजनीतिक हस्तियों ने कथित तौर पर पाकिस्तान की आईएसआई के साथ मिलकर हिंदू आतंकवाद के इर्द-गिर्द एक कहानी गढ़ी, जिसे आमतौर पर सैफरन टेरर के रूप में जाना जाता है।फिल्म राजनीति की अंधेरी दुनिया को उजागर करती है, जिसमें धोखा, हेरफेर और अंतरराष्ट्रीय साजिश को दिखाया गया है। फिल्म में अभिनेता विनीत कुमार सिंह भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। विनीत गैंग्स ऑफ वासेपुर के साथ मुक्काबाज में भी शानदार काम कर चुके हैं।विनीत कुमार सिंह ने खुलासा किया कि मैच फिक्सिंग में उनका एक बड़ा सपना पूरा हो गया। फिल्म में वह सेना अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगे।उन्होंने बताया कि जब मैंने मैच फिक्सिंग की कहानी सुनी तो मुझे कहानी पसंद आ गई और मैंने तुरंत हां कर दी। मैं हमेशा से एक आर्मी मैन की भूमिका निभाना चाहता था और फिल्म में यह अवसर एक सपने के सच होने जैसा है। मेरा किरदार एक मजबूत आर्मी अधिकारी का है।कुछ दिनों पहले ही निर्माताओं ने फिल्म की घोषणा की थी, जिसकी पहली झलक सोशल मीडिया पर विनीत ने दिखाई थी। अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्टर शेयर कर सिंह ने लिखा यह क्रिकेट के बारे में नहीं है, यह राष्ट्र के बारे में है।मैच फिक्सिंग के पीछे छिपा सच-केदार गायकवाड़ द्वारा निर्देशित, राजनीतिक-थ्रिलर है, जिसका निर्माण आर्टीना क्रिएशंस प्राइवेट लिमिटेड के तहत पल्लवी गुर्जर ने किया है। मैच फिक्सिंग 15 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।विनीत के करियर की बाते करें तो उनके पास सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव, आधार और सनी देओल के साथ पैन-इंडिया फिल्म एसडीजीएम भी है। मैथरी मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री द्वारा निर्मित एसडीजीएम का निर्देशन गोपीचंद मालिनेनी कर रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज के दिन का काम जल्दी ही निपट जाएगा. आपको किसी मामले में बड़ा निर्णय लेना पड़ सकता है. आप अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिता सकते हैं. कुछ जरूरी चीजें आपको फायदे दिला सकती हैं. इस राशि के कारोबारियों को किसी से जरूरी मुलाकात करनी पड़ सकती है. धन के मामले में स्थिति ठीक रहेगी. परिवारजनों के लिए समय निकालेंगे. उनकी सलाह आपके लिये महत्वपूर्ण रहेगी. शिव जी का पंचाक्षर मंत्र जप करें ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज व्यस्तता ज्यादा रहेगी थकावट भी रहेगी.परन्तु सफलता भी हैं कार्यक्षेत्र में सम्मान मिल सकता है. मेहनत से धन कमा लेंगे. जो काम पिछले कई दिनों से अधूरे पड़े थे, वे निपट सकते हैं. नए एग्रीमेंट या नए संबंध बनने की संभावना है. समय अच्छा है. कई क्षेत्रों में आप एक साथ सक्रिय भी रहेंगे. आगे बढ़ने के लिए आपको अपने जीवन में कुछ बदलाव करने पड़ सकते हैं. विवाह सम्बन्ध मे बाधा रहेगी , दुर्गा जी का मंत्र जप करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज कार्य सिद्ध होंगे आप मे उत्साह भरपूर रहेगा। राजनीति या सामाजिक कार्यों से जुड़े लोग कई बैठकों आदि में भाग लेंगे. आपको सम्मान मिलेगा और कुछ नई जिम्मेदारी भी मिल सकती है. आप जटिल समस्याओं का समाधान पाएंगे. वित्त में किए गए प्रयास वांछित परिणाम देंगे. पुराना भुगतान भी मिल सकता है. प्रतिद्वंद्वी और प्रतियोगी आपको नुकसान नहीं पहुंचा पाएंगे. आप शुभ स्वास्थ्य का आनंद लेंगे. आप में से कुछ के लिए प्रेम सम्बन्ध का आरम्भ हो सकता है.बच्चों के साथ शाम के वक्त समय जरुर बिताए ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज हनुमानजी को चमेली के तेल का दीप प्रज्वलित करें काम पूरे होंगे खर्च पर नियंत्रण रखें. किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से अचानक आया कोई संदेश पूरे परिवार के लिए रोमांचक रहेगा.
उलझे हुए काम सुलझाने के लिए स्थितियां आपके फेवर में हो सकती है. आपके सोचने के तरीके में बदलाव हो सकता है. दोस्तों से समय पर मदद मिल सकती है. शाम तक पूरे काम निपट जांएगे आप रिलैक्स महसूस करेंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपनी माता पिता का जरुरी कार्य पहले पूरा करेंगे. आप किसी समारोह में जाने की प्लानिंग भी कर सकते हैं. ऑफिस में माहौल थोड़ा गंभीर रह सकता है. आपको अपने बॉस की बातों को ध्यान से सुनने के बाद ही अपनी कोई राय देनी चाहिए. आज आपको थोड़ा आलस्य भी महसूस हो सकता है. आपको अपना खान–पान हेल्दी रखना चाहिए. कुछ मामलों में आप थोड़े भावुक भी हो सकते हैं. छोटी कन्या को दूध की मिठाई जरुर दें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज व्यापार मे निवेश करना बढ़ीया रहेगा । अपने से निचले स्तर के कर्मचारियों से सहयोग मिलेगा. आपकी मुलाकात खास लोगों से हो सकती है. आपको नियमित कामकाज से कुछ समय के लिए छुटकारा मिल सकता है. आपकी ज्यादातर परेशानियां खत्म होने के योग हैं. जिस काम को आप अधूरा समझ रहे हैं, वह पूरा हो जाएगा. बड़े लोगों से सहयोग मिल सकता है. आपको फायदा भी हो सकता हैं काम से फूर्सत मिलते ही आराम करें नये काम का बोझ मत डालें।

तुला – र,री,रु,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज व्यापार का लिए समय अनुकूल है साझेदारी भी कर सकते हैं भविष्य मे लाभदायक रहेगा अगर आप नौकरी के लिए परीक्षा या प्रतियोगिता या साक्षात्कार में उपस्थित होते हैं तो आपको सफलता मिलेगी. सामाजिक गतिविधियों में आपकी रुचि होगी. परिवार में कोई धार्मिक समारोह या कोई अन्य उत्सव मनाया जा सकता है. लंबी दूरी की यात्रा फायदेमंद साबित होगी. यात्रा पर प्रस्थान करने से पहले दही का सेवन जरुर करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज छात्रों का दिन अच्छा और सफलता वाला रहेगा नये कोर्स मे सफलता भी मिलेगी सही दिशा में ईमानदारी से उठाए गए क़दम निश्चित तौर पर लाभ देंगे. रोज़मर्रा की ज़रूरतें पूरी न होने से आपके वैवाहिक जीवन में तनाव संभव है. ध्यान रखें आज किसी अनजान शख्स से सलाह ना लें. बेहतर होगा आप उनसे बातचीत करके अपनी समस्या का समाधान करने का प्रयास करें.मछलियों को आटा डाले मानसिक शान्ति मिलेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज धन का लाभ बनेगा आय के स्रोत बढ़ेंगे । शाम को जीवनसाथी के साथ घूमने जरुर जाए . इससे आपके रिश्तों के बीच नजदीकियां बढ़ेंगी. नए लोगों से मुलाकात होने से आपको बड़े फायदे होंगे. आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे. आज छात्रों के अंदर कॉम्पिटिशन के प्रति जागरूकता पैदा होगी. करियर में तरक्की के योग बन रहे हैं. बिजनेस में आपको बड़ा मुनाफा होगा. आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा. लक्ष्मी जी को पद्मपुष्प चढ़ाए ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

व्यापार के लिए समय आज अनूकूल नही हैं विचार प्रूवक निवेश करें कर्ज लेने से बचें पैसा भी रुक सकता है. दिन की शुरुआत ठीक नहीं रहेगी. न चाहते हुए भी पैसा खर्चा हो सकता है. परिवार के लोग आपको किसी कठिन स्थिति में डाल सकते हैं. आज आप अपनी प्लानिंग गुप्त रखें. किसी से शेयर नहीं करें. रिश्तों के क्षेत्र में भी कुछ कठिन स्थितियां बन सकती हैं. वाद–विवाद में उलझ सकते हैं. कामकाज में सुस्ती का माहौल रहेगा.

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज मौसमी बीमारियों से परिवार के बच्चे परेशान रहेंगे घर मे गाय के धूप को जलाए . किन्तु भौतिक समृद्धि की स्थिति बहुत फायदेमंद होगी और आपको विभिन्न स्रोतों से लाभ होगा. आपके कुछ शत्रु मित्र के रूप में आपके घेरे में रह सकते हैं. लेकिन आप उन्हें नियंत्रित करने में सक्षम होंगे. आपके पेशेवर क्षेत्र में आपको प्रशंसा मिलेगी और सामाजिक रूप से आप अधिक लोकप्रिय हो जाएंगे.
किसी मित्र के यहां शाम का वक्त बितेगा ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी दिनचर्या मे बदलाव लाना होगा जिससे उन्नति होगी स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा परेशानियों से स्थायी निजात मिलेगा स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा. विवाद न करें. किसी बड़े समूह में भागीदारी आपके लिए दिलचस्प साबित होगी. लेन–देन के मामले सुलझने से राहत मिलेगी. व्यापार में नए अनुबंध हो सकते हैं. यात्रा का योग नही हैं फिलहाल यात्रा टालदें । छात्रों को सफलता बन रही हैं अध्यापक शिक्षक पूरा सहयोग करेंगे।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 13 नवंबर 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : कार्तिक, शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वादशी दोपहर 01:03 तक
नक्षत्र : रेवती रात्रि 03:11 तक
योग : वज्र दोपहर 03:24 तक
करण : बालव दोपहर 01:03 तक
चन्द्र राशि : मीन रात्रि 03:11 तक
सूर्योदय : 06:20 , सूर्यास्त 05:40 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:17 , सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:11, सूर्यास्त 05:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:10, सूर्यास्त 05:33 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चलाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30 दिशाशूल : उत्तर दिशा उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें दिन विशेष : श्याम बाबा की बारस , गण्डमूल चालू है , पंचक रात्रि 03:11 तक , प्रदोष व्रत , मन्वादि तिथि

✲ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ✲

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

प्रथम वर्षगांठ पर सरकार की सौगात

51 हजार से अधिक नई भर्तियां और 25 हजार युवाओं को नियुक्तियां

जयपुर,12 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राज्य सरकार का एक साल पूरा होने से पहले करीब 25 हजार युवाओं को नियुक्तियां देने और 51 हजार से अधिक नई भर्तियों की सौगात देने जा रहे हैं। युवाओं के रोजगार के सपने को पूरा करने में ये नियुक्तियां एवं विज्ञप्तियां महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी और 'सुराज संकल्प' की दिशा में अहम कदम साबित होंगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा हाल ही में समीक्षा बैठक आयोजित कर सभी विभागों को जारी भर्ती प्रक्रियाएं समय पर पूरी कर युवाओं को शीघ्र नियुक्तियां देने एवं नई भर्तियां निकालने पर तेजी से कार्य करने के निर्देश दे चुके हैं। इसके बाद अब राज्य सरकार पहली वर्षगांठ के मौके पर मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव के दौरान सात विभागों के लगभग 25 हजार युवाओं को नियुक्तियां दिए जाने की तैयारी कर रही है। राज्य सरकार 48 हजार 593 चतुर्थ श्रेणी एवं समकक्ष पदों तथा 3 हजार 170 वाहन चालकों की भर्ती प्रक्रिया भी शीघ्र शुरू करने जा रही है। उल्लेखनीय है कि विभिन्न विभागों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी और वाहन चालकों के लंबे समय से रिक्त चले आ रहे पदों को भरने के लिए राज्य सरकार ने हाल ही इनसे जुड़े सेवा नियमों और भर्ती प्रक्रिया में जरूरी बदलाव किए थे।

राज्य सरकार की युवाओं को निरंतर रोजगार उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता के क्रम में तीसरे मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव का आयोजन किया जाएगा, जिसमें नर्सिंग ऑफिसर, चिकित्सा अधिकारी (दंत चिकित्सक), हॉस्पिटल केयर टेकर, अध्यापक लेवल एक एवं दो, वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक, आयुर्वेद विभाग में कनिष्ठ कम्पाउंडर और नर्स, आयोजना विभाग में संगणक, कृषि विभाग में कृषि पर्यवेक्षक और संस्कृति शिक्षा विभाग में वरिष्ठ अध्यापक के पदों पर सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। इसके अलावा, सफाई कर्मियों के पदों पर नियुक्तियां दी जाएंगी।

उल्लेखनीय है कि विगत दो रोजगार उत्सवों में 28 हजार 200 युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। स्थायी पदों के अतिरिक्त एनएचएम के 21 काडर के विभिन्न पदों पर संविदा भर्ती की जाएगी, जिसके लिए अभ्यर्थना राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड को भिजवाई जा रही है। अब तक एनएचएम में 3 काडर की भर्ती परीक्षाएं बोर्ड द्वारा कराई जा चुकी हैं। इनमें से जीएनएम को दिसंबर माह में नियुक्ति दे दी जाएगी। इसके अतिरिक्त कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर और एएनएम के पदों के लिए सफल अभ्यर्थियों का दस्तावेज सत्यापन का कार्य चल रहा है।

भरतपुर महिला थाने में एसीबी की छापेमारी

15 लिफाफों में 5.5 लाख रुपये की नकदी बरामद

भरतपुर,12 नवंबर (एजेंसियां)। भरतपुर में मंगलवार को महिला थाने में उसे समय हड़कंप मच गया जब एसीबी की टीम महिला थाने पहुंची। अचानक एसीबी की टीम को देखकर महिला थाने में पुलिस कर्मियों में हड़कंप मच गया। एसीबी की टीम ने महिला थाने से करीब 15 लिफाफे और इसके अलावा महिला थाना प्रभारी के निवास से लाखों रुपये की नकदी बरामद की है।

भतरपुर में एसीबी ने महिला थाने पर छापेमारी की। जांच पड़ताल के दौरान एसीबी को थाने में बंद लिफाफों से चार लाख से अधिक की राशि मिली है। वहीं, थाना प्रभारी के क्वार्टर से एक लाख 25 हजार रुपये मिले हैं।

जानकारी के मुताबिक एसीबी को थाने में एक मोटी रकम होने की सूचना मिली थी। इसके बाद एसीबी की टीम थाने में तलाशी लेने पहुंची। एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम को देखकर महिला थाने में तैनात पुलिसकर्मियों में हड़कंप मच गया। टीम ने थाने में अलमारी और अन्य सामान को चेक किया तो करीब 15 लिफाफे मिले। उन पर मुकदमा नंबर डला हुआ था। लिफाफों में करीब 4 लाख 30 हजार रुपये की राशि मिली है। एडिशनल एसपी अमित सिंह चौधरी के नेतृत्व में यह कार्रवाई की। थाना प्रभारी भंवर सिंह और रीडर जय सिंह से एसीबी की टीम पूछताछ कर रही है। एसीबी एडिशनल एसपी अमित चौधरी ने बताया कि गोपियों सूचना मिली कि महिला थाने में कुछ राशि लिफाफों में रखी हुई है। मंगलवार शाम को महिला थाने पर पहुंच के कार्रवाई की गई। तलाशी के दौरान अलमारी से 15 लिफाफे निकले, जिनमें करीब चार लाख 30 हजार रुपये मिले।

उसके बाद एसीबी भंवर सिंह के क्वार्टर की तलाशी ली गई। वहां एक लाख 25 हजार मिले हैं। कुंभ राशि 5 लाख 55 हजार रुपये मिली है। अभी थाना प्रभारी और रीडर से पूछताछ की जारी है। फिलहाल एसीबी की टीम ने इस मामले को लेकर किसी की भी गिरफ्तारी की बात नहीं कही है।

महिला थाना प्रभारी और रीडर से एसीबी की टीम पूछताछ कर रही है, जिसका खुलासा एसीबी की टीम जल्द ही करेगी।

शहर में बाइक चोरों के हौसले बुलंद

कैमरे के सामने ही ताला तोड़कर बाइक ले गया शातिर युवक

अलवर,12 नवंबर (एजेंसियां)। अलवर शहर में बाइक चोरों के हौसले इतने बुलंद हैं कि पलक झपकते ही बाइक का ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दे देते हैं। घटना सदर थाना अंतर्गत विज्ञान नगर की है। यहां एक युवक बड़ी सफाई से ताला तोड़कर बाइक लेकर फरार हो गया। यह घटना एक दिन पहले की है, लेकिन पीड़ित ने अब थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पीड़ित ने बताया जब उसकी बाइक नहीं मिली तो उसने आसपास काफी तलाश की। उसके बाद उसके घर के लगे हुए सीसीटीवी कैमरे में चेक किया तो एक युवक बाइक को ले जाता नजर आया। फिलहाल पीड़ित ने इस घटना की सूचना सदर थाना पुलिस को दे दी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके आगे की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। शहर में बाइक चोरी की घटना होना आम बात हो गई है, क्योंकि बाइक चोर शहर से चोरी की हुई। बाइक को दूसरे प्रदेशों के आसपास के शहरों में बेच देते हैं। वैसे ज्यादातर बाइक चोर चोरी हुई बाइक को यही आसपास बेच देते हैं, क्योंकि इसका इंजन भी काफी उपयोगी और कीमती होता है। यहां से बाइक खरीद कर दूसरा व्यक्ति बाइक को दो तीन हजार ऊपर लगाकर दूसरे शहर ले जाते हैं और वहां बेच देते हैं।

अलवर शहर के आसपास कई गांव तो ऐसे हैं, जहां चोरी के बाद बाइक जाती है, लेकिन पुलिस भी वहां जाने की हिम्मत नहीं जुटा पाती। पुलिस इन गांवों में तभी जाती है, जब पर्याप्त फोर्स हो। इन गांवों में पुलिस ने दो बार दबिश भी दी थी और इस कार्रवाई में सैकड़ों बाइक भी बरामद हुईं थीं, लेकिन पुलिस के सामने समस्या ये है कि वह इन बाइकों का करें तो क्या करें।

महज 1020 रुपए प्रति भूखंड के हिसाब से जारी कर दिए 74 पट्टे

जिला परिषद के सीईओ ने की कार्रवाई

सिरोही,12 नवंबर (एजेंसियां)। सिरोही जिला परिषद सीईओ प्रकाशचंद्र अग्रवाल द्वारा वासा ग्राम पंचायत द्वारा नियम विरुद्ध तरीके से रियायती दर पर जारी किए गए 74 पट्टे खारिज कर दिए गए हैं। इस मामले में उनके द्वारा वासा ग्राम पंचायत के सरपंच, ग्राम विकास अधिकारी एवं मौका निरीक्षण कमेटी को दोषी मानते हुए संभागीय आयुक्त से अग्रिम कार्रवाई करने की अनुशंसा की गई है।

जानकारी के अनुसार इस मामले में वासा जिला सिरोही निवासी रौनक दवे द्वारा जिला परिषद एवं एसीबी में शिकायत भेजकर ग्राम पंचायत द्वारा गांव खसरा संख्या 1331 की 12 बीघा आबादी भूमि में नियम विरुद्ध तरीके से रियायती दरों पर 74 पट्टे जारी करने एवं भ्रष्टाचार कर राजकोष को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया था। इसके बाद जिला परिषद द्वारा एक कमेटी गठित कर जांच करवाई गई थी। कमेटी द्वारा की गई जांच में वासा ग्राम पंचायत के सरपंच, ग्राम।विकास अधिकारी एवं मौका निरीक्षण कमेटी को दोषी पाया गया है और इनके खिलाफ राजस्थान पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 38 के तहत विभागीय कार्रवाई की अनुशंसा की गई है।

प्रकरण के तहत सरपंच प्रभुराम सरगरा, उपसरपंच लीलादेवी, वार्ड पंच लक्ष्मणराम, नारायणलाल, वेलाराम, छोगाराम प्रजापत के खिलाफ कार्रवाई के लिए आरोप पत्र और आरोप विवरण पत्र अनुशंसा के साथ संभागीय आयुक्त को भेजे गए हैं। इस मामले में संभागीय आयुक्त कार्यालय के मार्गदर्शन के अनुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। मामले में रोचक पहलू यह है कि पूर्व में वासा गांव में जाबेजी मार्ग पर ग्रामीणों को नि:शुल्क पट्टे दिए गए थे। बाद में ग्राम पंचायत द्वारा ही इन पट्टों को खारिज करते हुए इस भूमि पर नए सिरे से रियायती दर से पट्टे दे दिए गए। वर्तमान में इस जगह पर भूमि की कीमत लाखों रुपए में है लेकिन ग्राम पंचायत के सरपंच, ग्राम विकास अधिकारी एवं अन्य ने आपसी मिलीभगत कर महज 1020 रुपए प्रति भूखंड के हिसाब से पट्टे जारी कर दिए, जिससे ग्राम पंचायतों को लाखों रुपये के राजस्व का नुकसान हुआ है।

साधु संतों ने राजसी स्नान कर किया कपाल मोचन मेले का शुभारंभ

बड़ी संख्या में उमड़े श्रद्धालु

यमुनानगर,12 नवंबर (एजेंसियां)। यमुनानगर में कपाल मोचन में आयोजित पांच दिवसीय मेले के दूसरे दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। एकादशी पर साधु संतों ने कपालमोचन में शोभायात्रा निकाली और कपाल मोचन ऋण मोचन व सूरजकुंड सरोवर में विधिवत रूप से राजसी स्नान करके मेले का शुभारंभ किया। हालांकि कपाल मोचन मेला आधिकारिक रूप से 11 नवंबर को शुरू हो गया था। मेले में दूसरे दिन रात तक ढाई लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। सुबह से ही श्रद्धालु बड़ी संख्या में कपालभाती मेला में पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं ने गो बच्चा घाट, गुरुद्वारा साहिब पहली और दसवीं पातशाही, सूरजकुंड सरोवर पर बाबा दूधाधारी की समाध समेत अन्य मंदिरों में माथा टेक रहे हैं। कपाल मोचन मेला 15 नवंबर तक चलेगा । 14 नवंबर की रात कार्तिक पूर्णिमा व गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष में श्रद्धालु सरोवर में स्नान करेंगे।

ट्रैफिक पुलिसकर्मी की युवक ने डंडे से की पिटाई, लोगों ने बचाया

उदयपुर,12 नवंबर (एजेंसियां)। उदयपुर शहर के पारस चौराहे पर मंगलवार को एक युवक ने ट्रैफिक पुलिस कर्मी के साथ डंडे से मारपीट की। आस–पास के लोगों के बीच–बचाव के बाद भी आरोपी युवक नहीं रुका और पुलिस जवान पर डंडे बरसाने लगा। इस दौरान भीड़ में से किसी ने इस मारमीट का वीडियो बना लिया। वीडियो में युवक होमगार्ड पर डंडा मारते नजर आ रहा है। मारपीट करने वाले युवक का नाम कुमेल उर्फ सैयद जोएब निवासी किशनपोल बताया जा रहा है। उसके खिलाफ सूरजपोल थाने में मारपीट और राजकार्य में बाधा का मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस के मुताबिक आरोपी युवक चौराहे से वैन लेकर गुजर रहा था। ट्रैफिक पुलिस होमगार्ड ने उसे रुकवाया और वाहन के कागजात दिखाने को कहा। इस पर वह भड़क गया और गुस्से में होमगार्ड से बहस करने लगा। मामला बढ़ता गया। इसी दौरान आरोपी युवक वैन में रखा डंडा निकाल लाया और कॉन्स्टेबल को पीटना शुरू कर दिया। आरोपी युवक के खिलाफ थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। मारपीट का यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। फिलहाल पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया और उसकी तलाश जारी है। बताया जाता है कि पुलिस के साथ मारपीट करने वाला ये युवक आदतन अपराधी है।

महासर मंदिर से माता की मूर्ति चोरी कर रेवाड़ी बेचने जा रहे तीन को किया गिरफ्तार

नारनौल,12 नवंबर (एजेंसियां)। नारनौल क्षेत्र के गढ़ी महासर माता मंदिर से चांदी की मूर्ति, छत्र के साथ दानपात्र में से नकदी चोरी करने वाले तीन आरोपी रेवाड़ी से पकड़े गए हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान जिला झज्जर के गांव बेरी हाल धौड़ चौक झज्जर निवासी अंकित उर्फ विकास, राजस्थान के जिला अलवर के गांव ढाणी खुन्दरोठ निवासी अंकित उर्फ अनु व अजय उर्फ अज्जू के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मंदिर से चोरी हुई माता की मूर्ति को बरामद कर लिया है।रेवाड़ी की अपराध शाखा–1 इंचार्ज निरीक्षक सुमेर सिंह ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि तीन युवक गांव गढ़ी महासर मंदिर से चांदी की मूर्ति चोरी करने के बाद उसे रेवाड़ी बेचने के लिए आ रहे हैं।

युवती से 6.85 लाख की ठगी में नौ गिरफ्तार

गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र व यूपी के हैं आरोपी

सोनीपत,12 नवंबर (एजेंसियां)। युवती को डिजिटल अरेस्ट कर 6.85 लाख रुपये की ठगी में साइबर थाना पुलिस ने गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को राजस्थान के दौसा स्थित लालसोट से गिरफ्तार किया है। आरोपी गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र व उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी से देशभर में ठगी के 95 मामलों व 2473 शिकायतों का खुलासा हुआ है। यह 8.78 करोड़ रुपये की ठगी कर चुके हैं।

मैक्स हाइट्स सोसाइटी निवासी इंद्राणी भट्टाचार्जी ने 4 अक्तूबर को साइबर थाना पुलिस को बताया था कि उन्हें डिजिटल अरेस्ट कर उनसे 6.85 लाख की ठगी की गई है। पीड़िता ने बताया था कि 1 अक्तूबर को उनके पास वाट्सएप पर वीडियो कॉल आई थी। इसमें दूसरी तरफ से बात कर रहा व्यक्ति पुलिस की वर्दी में था।

उसके पीछे बोर्ड पर मुंबई पुलिस लिखा था। उसने कहा था कि आपके एसबीआई के क्रेडिट कार्ड पर बड़ी राशि बकाया है। उन्होंने उसे कहा था कि उनके पास एसबीआई का क्रेडिट कार्ड नहीं है। उन्हें बताया गया कि क्रेडिट कार्ड का गलत लेनदेन में प्रयोग हुआ है। उसने किसी अन्य से बात की थी। अन्य को सीबीआई अधिकारी बताया था। तब कहा गया था कि आपको

गिरफ्तार किया जाएगा। कानूनी कार्रवाई से बचाने के लिए उसे रुपये जमा करवाने के लिए कहा गया था।

उन्हें डराया था कि उनका नाम पूर्व बैंक प्रबंधक विनय के मनी लॉन्ड्रिंग के मामले से जुड़ा है। उन्हें डराया था कि उनका मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है। उन्हें डराया गया कि इस मामले में एक मुख्यमंत्री को जेल भेजा जा चुका है। डर के चलते उन्होंने अलग–अलग खातों में 6.85 लाख रुपये जमा कराए थे। इसके बाद उन्हें धोखाधड़ी का पता लगा था। इसके बाद साइबर थाना में शिकायत दी थी।साइबर थाना पुलिस ने मामले में कड़ी जोड़ते हुए नौ आरोपियों को दबोच लिया है। आरोपी महाराष्ट्र के पेट सांगली निवासी मोशिन, गुजरात के जिला सूरत के धर्मिष्ठा पार्क विरानी विवेक, गुजरात के सूरत निवासी विनेश टांक, सूरत के शिव नगर सुदामा चौक निवासी आकाश गोयानी, सूरत के दस्तीपुरा बाजार निवासी बिल्ली मोरिया मोहम्मद अमन, यूपी के लखनऊ निवासी सराया हसनगंज निवासी तुषार प्रताप, राजस्थान के जिला जोधपुर के गांव ढाणिया लवेरा निवासी श्रवण उर्फ काकू, जोधपुर के बुडिया की बासनी निवासी मुकेश व प्रवीण चौधरी शामिल हैं।

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों से 3.36 लाख रुपये, 11 मोबाइल, डेबिट कार्ड, व चेक बुक भी बरामद की है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपियों के तार विदेश तक जुड़े हैं। राशि को कंबोडिया व ब्रिटेन तक भेजी जाती थी। पुलिस अब मामले में पता लगाएगी कि वहां इनके तार किसके साथ जुड़े हैं।

कोई आपको पुलिस या सीबीआई अधिकारी बनकर गिरफ्तार करने की धमकी देता है तो सबसे पहले अपने परिवार के सदस्यों या दोस्तों को सूचित करना चाहिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.